शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

दिवालियापन की ओर बढ़ रहा है कर्नाटक: विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 25 फरवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-55

जिन्ना के देश में मचा है बवाल

पाकिस्तान के गधों को चीन करेगा हलाल..!

पाकिस्तान में गधों की कमी नहीं है। दुनिया में सबसे ज्यादा गधे जिन्ना के देश में ही हैं। इस्लामिक कानून में गधे का मांस खाना हराम है। इसलिए पाकिस्तानी गधों का मांस चीन खाएगा। चीन ही पाकिस्तानी गधों को हलाल करेगा, खाएगा और विदेश भेजेगा। चीन ने पाकिस्तानी गधों को हलाल करने के लिए ग्वादर जैसी जगह चुनी है। पाकिस्तान और चीन के बीच हुए इस गधा-करार पर पाकिस्तानी जनता विरोध कर रही है। पाकिस्तान के नौकरशाह भी इसका विरोध कर रहे हैं। उन्हें पाकिस्तानी गधों के हलाल किए जाने पर मलाल है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और अनुसंधान मंत्रालय के अफसर कहते हैं कि जिंदा गधे ज्यादा फायदेमंद हो सकते थे, लेकिन चीन की शह पर पाकिस्तान सरकार गधों को मार कर पैसा कमाने की फिराक में है।

पाकिस्तान के ग्वादर में चीन ने गधों का कत्लखाना खोला है। इस कत्लखाने को चीन की कंपनी हांगेंग संचालित कर रही है। यह कत्लखाना चीन में गधों के मांस, हड्डी और चमड़े की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए खोला गया है। इस परियोजना पर 70 लाख डॉलर खर्च हुए हैं। ग्वादर में यह कत्लखाना चीन-पाकिस्तान आर्थिक

पाक-चीन के बीच हुए गधा-करार का हो रहा विरोध

गलियारे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। इस कत्लखाने में हर साल 3,00,000 गधों की खालें साफ की जाएंगी। फिर इन खालों को चीन में एजियाओ नाम की पारंपरिक औषधि बनाने के लिए भेजा जाएगा। बताते हैं इस दवा से रक्त संचार को बढ़ाने, इम्युनिटी को मजबूत करने और कैंसर को रोकने में मदद मिलती है। चूंकी चीन में गधों की कमी हो गई है, इसलिए वह इस कमी को पाकिस्तानी गधों से पूरा करेगा। चीन अपने यहां के गधे निपटा चुका है, इसलिए उसकी निगाह पिट्ठू पाकिस्तान के गधों पर टिक गई थी। पाकिस्तान में गधों की कमी नहीं है। दुनिया में सबसे ज्यादा गधे जिन्ना के देश में ही हैं। वहां गधागाड़ी आज भी देहातों में लोगों के लिए परिवहन के काम आती है। बताते हैं, वहां की मजहबी परंपरा में कहीं कहीं गधों के बड़े गुणगान किए गए हैं।

इस्लामिक कानून गधे के मांस का भक्षण हराम ठहराता है। इसलिए उनका मांस विदेशों में भेजा जाता है। अब तो और भी निर्यात किया जाएगा। ग्वादर में गधों का कत्लखाना बनने को लेकर पाकिस्तान में जबरदस्त विवाद उठ खड़ा हुआ है। ▶10पर

बिहार के भागलपुर से प्रधानमंत्री मोदी ने लालू को ललकारा

जो पशुओं का चारा खा जाता हो वह विकास भी खा जाएगा

भागलपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

बिहार के भागलपुर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजद प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा, जो व्यक्ति पशुओं का चारा खा जाता हो वह जनता का क्या कल्याण करेगा और क्या विकास करेगा, यह आसाना से समझा जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लाडला मुख्यमंत्री बताया और गिनाया कि नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री रहने से बिहार को क्या क्या लाभ होता है। पीएम मोदी ने नीतीश कुमार के सुशासन और लालू कार्यकाल के कुशासन एवं जंगलराज की तुलना की।

पीएम मोदी ने कहा कि जंगलराज वालों को हमारी धरोहर और आस्था से नफरत है। इस समय प्रयागराज में एकता का महाकुंभ चल रहा है। यह भारत की एकता और समरसता का प्रतीक है। पूरे यूरोप की जनसंख्या से ज्यादा लोग अब तक कुंभ में डुबकी लगा चुके हैं। बिहार से गांव-गांव के लोग कुंभ में डुबकी लगा

रहे हैं। लेकिन, यह जंगलराज वाले लोग महाकुंभ को गाली दे रहे हैं। भद्दी-भद्दी गालियां दे रहे हैं। राम मंदिर को कोसने वाले लोग महाकुंभ पर टिप्पणी कर रहे हैं। ऐसे लोगों को बिहार कभी माफ नहीं करेगा। जनता सब देख रही है। यह कहते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने भारत माता के जयकारे लगाए। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और जंगलराज वालों ने बिहार को बदनाम किया। ▶10पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई विकल्प नहीं : नीतीश कुमार

भागलपुर, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लगातार सहयोग मिल रहा है। पीएम मोदी पूरे देश के लिए काम कर रहे हैं। अब इधर-उधर कुछ नहीं। अब इनके ही नेतृत्व में आगे और विकास होगा। समाज में हमलोग सबके लिए काम कर रहे हैं। अब तो लड़का लड़की बिहार में 11 बजे रात तक काम कर रहे हैं। उन्होंने जनता को इंगित करते हुए कहा, आप जान लीजिए सबलोग पीएम मोदी के ही साथ हैं। इनके नेतृत्व में ही देश का विकास हो रहा है। इस तरह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिल्कुल स्पष्ट कर दिया कि वे स्थायी रूप से पीएम मोदी के साथ रहेंगे। उन्होंने यह भी कह दिया कि देश में उनका कोई विकल्प नहीं है। ▶10पर

भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में बोले प्रधानमंत्री मोदी

भारत से दुनिया को उम्मीदें हैं, भारत नतीजे देता है

भोपाल, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज दुनिया भारत की तरफ देख रही है। भारत से पूरी दुनिया को उम्मीदें हैं। भारत नतीजे लाकर दिखाता है। पूरी दुनिया में चाहे सामान्य जन हों, चाहे नीतिगत जानकार हों, देश हों या फिर संस्थान हों, सभी को भारत से बहुत उम्मीदें हैं। पिछले कुछ हफ्तों में जो संकेत और संदेश आए हैं वो भारत के हर निवेशक का उत्साह बढ़ाने वाले हैं। विश्व बैंक ने कहा है, भारत आने वाले वर्षों में ऐसे ही दुनिया की फास्टेस्ट ग्रोविंग इकॉनॉमी बना रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते दशक में भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर का बूम देखने को मिला है, जिसका सीधा लाभ मध्यप्रदेश (एमपी) को मिला है। उन्होंने बताया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स का एक बड़ा हिस्सा एमपी से होकर गुजरता है, जिससे राज्य में लॉजिस्टिक्स सेक्टर की ग्रोथ निश्चित रूप से होगी। आज एमपी में 5 लाख किलोमीटर से अधिक का सड़क नेटवर्क तैयार हो चुका है, जिससे प्रदेश में व्यापार और उद्योग को बढ़ावा मिल रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मध्यप्रदेश, जनसंख्या के हिसाब से भारत का पांचवां सबसे बड़ा राज्य है। कृषि क्षेत्र में यह देश के शीर्ष राज्यों में शामिल है और खनिज संसाधनों के मामले में भी टॉप 5 राज्यों में आता है। मां नर्मदा के आशीर्वाद से समृद्ध यह प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। बीते दो दशकों में एमपी ने व्यापक ट्रांसफॉर्मेशन देखा है, जिससे यह देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि हाल ही में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत वैश्विक एयरोस्पेस बम्स की सप्लाई चेन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। दुनिया के बड़े उद्योग भारत को ग्लोबल सप्लाई चेन चैलेंजेस का समाधान मान रहे हैं। ▶10पर

कर्नाटक हाईकोर्ट का अहम फैसला

पत्रकार अर्नब गोस्वामी के खिलाफ दर्ज केस खारिज

बेंगलुरु, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने रिपब्लिक टीवी के एडिटर-इन-चीफ अर्नब गोस्वामी के खिलाफ दाखिल एक केस खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने अर्नब को टारगेट करने और गैर-जिम्मेदाराना बर्ताव दिखाने के मामले में राज्य पुलिस को फटकार भी लगाई। हाईकोर्ट ने कहा कि ये सब सिर्फ और सिर्फ उनके मीडिया में बड़ा चेहरा होने की वजह से किया गया है। उन्हें मामले में बिना किसी वैध कारण के अनुचित ढंग से फंसाया गया। इसके बाद न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने गोस्वामी के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामला खारिज कर दिया। उल्लेखनीय है कि अर्नब गोस्वामी के खिलाफ पिछले साल मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बारे में फर्जी खबर प्रसारित करने का आरोप लगाया गया था। ये आरोप कर्नाटक कांग्रेस नेता रवींद्र ने लगाया था। रवींद्र ने कहा था कि पिछले साल 27 मार्च को रिपब्लिक ▶10पर

महाकुंभ जा रही नाजिया की कार में मारी टक्कर

निशाना थी नाजिया, गंभीर रूप से जख्मी हुई प्रिया चतुर्वेदी

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

भाजपा की अल्पसंख्यक नेता एवं सुप्रीम कोर्ट की वकील नाजिया इलाही खान पर हमला हुआ है। कार में टक्कर मार कर उनकी हत्या की कोशिश की गई। दुर्घटना में जख्मी हुई नाजिया इलाही खान ने यह गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि वे अपनी दोस्त प्रिया चतुर्वेदी और एक अन्य लड़की के साथ महाकुंभ स्नान करने के लिए जा रही थी। एटा से ही कुछ मुसलमानों (नाजिया इलाही ने हमलावरों को मुल्ला कहा) ने हमारी कार का पीछा किया और जोरदार टक्कर मार दी।नाजिया ने सोशल मीडिया पर हादसे का वीडियो शेयर कर इसकी जानकारी दी। वीडियो में नाजिया इलाही खान रोते हुए कह रही हैं, मैं दिल्ली से सभा करके निकली और कुंभ में गंगा स्नान के लिए आ रही थी। जैसे ही हम लोग एटा पहुंचे, वहां से कुछ मुसलमानों ने हमारा पीछा शुरू कर दिया। मैं थी, प्रिया चतुर्वेदी जो कि स्पॉटलाइट विद प्रिया यूट्यूब चैनल चलाती है और हमारे साथ एक और बच्ची थी। ▶10पर

एमपी में 2.10 लाख करोड़ का निवेश करेगा अडाणी ग्रुप

ग्रीनफील्ड स्मार्ट सिटी भी बनाएगा

भोपाल, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 में अडाणी समूह ने बड़े निवेश का ऐलान किया है। अडाणी समूह मध्य प्रदेश में पंप स्टोरेज, सीमेंट, खनन, स्मार्ट मीटर और थर्मल एनर्जी में 2 लाख 10 हजार करोड़ रुपए का भारी निवेश करेगा। इस निवेश के तहत समूह 1 लाख करोड़ रुपए के जरिए एक ग्रीनफील्ड स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, एयरपोर्ट प्रोजेक्ट और एक कोयला गैसीकरण प्रोजेक्ट पर राज्य सरकार से चर्चा कर रहा है। अडाणी समूह के इस निवेश से बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा के साथ ही कनेक्टिविटी बढ़ेगी और मध्य प्रदेश एक प्रमुख आर्थिक केंद्र के रूप में स्थापित होगा। जिससे 2030 तक 1 लाख 20 हजार से ज्यादा नौकरियाँ पैदा होंगी। भोपाल में मध्य प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 को संबोधित करते हुए अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने राज्य के लिए समूह की प्रतिबद्धता को दोहराया। ▶10पर

रेप और ब्लैकमेल कांड के खिलाफ अजमेर-ब्यावर बंद

सड़क पर उतरी जनता, अभियुक्तों को फांसी देने की मांग

अजमेर, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

राजस्थान के ब्यावर जिले के विजयनगर में हुए रेप और ब्लैकमेल कांड ने पूरे प्रदेश को हिला दिया है। इस मामले के विरोध में सोमवार को अजमेर, ब्यावर और भीलवाड़ा में बंद बुलाया गया। सुबह से ही लोग सड़कों पर उतर आए और धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। हर तरफ एक ही मांग गूंज रही थी कि आरोपियों को फांसी की सजा दी जाए।

राजस्थान के ब्यावर जिले में ये घटना 15 फरवरी 2025 को सामने आई थी, जब विजयनगर के एक निजी स्कूल की नाबालिग छात्राओं ने बताया कि उनके साथ रेप हुआ और अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया गया। परिजनों का आरोप है कि लड़कियों को जबरन धार्मिक काम करने और धर्म बदलने के लिए मजबूर किया जा रहा था। पुलिस ने इस मामले में तेजी दिखाते हुए अब तक 11 लोगों को पकड़ा है। 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 3 नाबालिगों को हिरासत में लिया गया ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 89,190/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 98,905/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 33^0

न्यूनतम : 23^0

तेलंगाना सरकार के मंत्री के बयान से फैली हताशा

सुरंग में फंसे लोगों के बचने की उम्मीद बेहद कम

हैदराबाद, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

तेलंगाना के श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग हादसे को लेकर बचाव अभियान अभी भी जारी है। बचाव दल अंदर फंसे लोगों को निकालने की कोशिश में जुटे हैं। लेकिन तेलंगाना के मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव के बयान से परिजनों और जनता के बीच हताशा फैल गई है। मंत्री ने सोमवार को कहा कि दो दिन पहले श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग के निर्माणाधीन खंड के आंशिक रूप से ढहने के बाद उसमें फंस गए आठ लोगों के बचने की संभावना अब बहुत कम है। हालांकि उन तक पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

मंत्री राव ने यह भी बताया कि 2023 में उत्तराखंड में सिल्कयारा बेंड-बरकोट सुरंग में फंसे निर्माण श्रमिकों को बचाने वाले रैट माइनर्स की एक टीम लोगों को निकालने के लिए बचाव दल में शामिल हो गई है। मंत्री ने कहा कि फंसे हुए लोगों को बचाने में कम से कम तीन से चार दिन लगेंगे, क्योंकि दुर्घटना स्थल कीचड़ और मलबे से भरा हुआ है जिससे बचाव दल के लिए यह

एक मुश्किल काम बन गया है।

मंत्री राव ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो उनके बचने की संभावना बहुत, बहुत, बहुत कम है क्योंकि मैं खुद उस अंति छोर तक गया था जो दुर्घटना स्थल से लगभग 50 मीटर दूर था। जब हमने तस्वीरें लीं तो सुरंग का अंत दिखाई दे रहा था और नौ मीटर के व्यास वाली सुरंग में लगभग 30 फीट में से 25 फीट तक कीचड़ जमा हो गया है। उन्होंने कहा, जब हमने उनके नामों को पुकारा, तो कोई जवाब नहीं मिला। इसलिए हम ऐसा मानकर चल रहे है कि उनके बचने की संभावनाएं बहुत ही कम हैं। कृष्ण राव ने कहा कि कई मशीनों की मदद से मलबा हटाने का काम जारी है। सुरंग खोदने वाली मशीन (टीबीएम) का वजन कुछ सौ टन है, लेकिन सुरंग ढहने के बाद और पानी के तेज बहाव के कारण मशीन लगभग 200 मीटर तक बह गई। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन की आपूर्ति और पानी निकालने का काम लगातार किया जा रहा है। हालांकि उन्होंने मौजूदा परिस्थितियों के मद्देनजर फंसे हुए लोगों के बचने की संभावना को कहा कि, अगर यह मान लें कि फंसे हुए लोग टीबीएम मशीन के निचले हिस्से में हैं, यह भी मान लें कि वह मशीन ऊपर है, तो ऑक्सीजन कहां है? ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

एमबीडीडी ब्लड ऑन व्हील्स माह का हुआ समापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेयुप विजयनगर द्वारा आयोजित एमबीडी ब्लड डोनेशन मासिक कैंप ब्लड ऑन व्हील्स का समापन कार्यक्रम नायण्डहल्ली स्थित डिविनिटी अपार्टमेंट के क्लब हाउस में हुआ। इस अवसर पर रक्त दान शिविर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के सामूहिक संगान के साथ हुई। तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने स्वागत करते हुए, सामाजिक दायित्व के दायरे में मानव सेवा के विकास की शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि विजयनगर टीम अभातेयूप निर्देशित सेवा, संस्कार, संगठन तीनों आयामों में कार्यरत रहते हुए संघ सेवा में सदैव प्रयासरत है

और आगे भी रहेगी। अभातेयुप निर्देशित मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव एमबीडीडी ब्लड ऑन व्हील्स रक्त दान शिविर 24 जनवरी से 22 फरवरी तक विभिन्न स्थलों पर लायंस ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया जिसमें लगभग 534 यूनिट्स रक्त का संग्रहण किया गया। एमबीडीडी ब्लड ऑन व्हील्स का आगाज अभातेयुप राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा की अध्यक्षत में 24 जनवरी को अर्हम भवन के प्रांगण से किया गया था। अभातेयुप एम बी डी डी दक्षिण प्रभारी अमित दक ने रक्तदान के क्षेत्र में विजयनगर की निरंतरता एवं सामाजिक भूमिका की सराहना की। सभा उपाध्यक्ष भंवर लाल मांडोत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की। एम बी डी डी के अंतर्गत ब्लड ऑन व्हील के मासिक शिविरों में सहयोग हेतु लायंस ब्लड बैंक एवं मुख्य प्रायोजक बाबुलाल, अशोक कुमार दक परिवार, आमेट - मैसूरु- बेंगलूरु परिवार से अमित दक का सम्मान किया गया। डिविनिटी अपार्टमेंट ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष साई एवं उनकी पूरी टीम का सम्मान किया गया। इस अवसर पर तेयुप विजयनगर के निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा, अभातेयुप परिवार, तेयुप विजयनगर उपाध्यक्ष विकास बांठिया, मंत्री संजय भटेवरा, सहमंत्री पवन बैद, संगठन मंत्री पंकज कोचर, परामर्शक पन्ना लाल लुणिया, दिनेश चोपड़ा, गीतेश पारख, भरत बोथरा, अनिल, राहुल कावड़िया, महेंद्र संचेती, परिषद् सदस्यों, संघीय संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं युवाशक्ति की गरिमामय उपस्थिति रही।

श्रेयांसनाथ गृह जिनालय में ध्वजारोहण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बुल टेंपल रोड स्थित श्री श्रेयांसनाथ जिनालय की 11वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सोमवार को आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी और श्रमण-श्रमणी वृंद की निश्रा में कटारिया परिवार द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर प्रासंगिक प्रवचन में आचार्य ने कहा कि सृष्टि का प्रत्येक जीव दुख से मुक्त होना और सुख पाना चाहता है। लेकिन सुख के मार्ग से अनभिज्ञ अधिकतर जीव सांसारिक पदार्थों में ही सुख की तलाश में अपनी शक्ति लगा देते है। जबकि वास्तविक सुख जो स्थाई, स्व-धीन और संपूर्ण हो वह मात्र आत्मगुणों की प्राप्ति से ही संभव है।

गुणों की प्राप्ति के लिए शुभ भाव आवश्यक है। शुभ भावों के लिए सतत शुभ निमित्तों के बीच रहना आवश्यक है। क्योंकि मनुष्य पर निमित्तों का अर्थात अपने आस पास के वातावरण का गहरा प्रभाव पड़ता है। मंदिर में विराजमान जिनेश्वर प्रभु की भक्ति-उपासना से हमें उनके जैसा

याने सर्वगुणसंपन्न बनने की प्रेरणा प्राप्त होती है। अतः जिनेश्वर की मूर्ति, मंदिर गुण प्राप्ति के स्त्रोत है जो अंत में जीव को सुखी बनाने में समर्थ है।

गौरतलब है कि 11 वर्ष पूर्व प्रभुजी की अंजनशलाका गच्छाधिपति आचार्य श्री युगभूषणसूरीश्वरजी के कर कमलों से हुई थी। इससे पूर्व शंकरपुरम जैन मंदिर से चतुर्विध संघ की अगुवाई, प्रभुजी के 18 अभिषेक, विश्व शांति हेतु शांति पाठ, शास्त्रीय संगीत के माध्यम से संध्या भक्ति आदि अनेक आयोजन हुए। व्यवस्था कल्याण मित्र परिवार ने संभाली। संचालन हितेश कटारिया ने किया।

स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियों के तहत विभिन्न बैठकें आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केपीसीसी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी के लिए सोमवार को कई बैठकें कीं। सुबह उन्होंने विधानसभा और लोकसभा चुनाव लड़कर हारने वाले प्रत्याशियों के साथ बैठक की। बैठक में राज्य भर के सभी निर्वाचन क्षेत्रों से पराजित उम्मीदवार शामिल हुए। बाद में, डी.के. शिवकुमार ने केपीसीसी समन्वयक के साथ विचार-विमर्श किया। राज्य सरकार मई में बीबीएमपी, जिला पंचायत, तालुक पंचायत और अन्य स्थानीय निकायों के चुनाव कराने की तैयारी कर रही है। पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण मामले पर जहां अदालत के फैसले का इंतजार है, वहीं पार्टी ने चुनाव की तैयारियों को लेकर बैठकें शुरू कर दी हैं। यह महत्वपूर्ण है कि डी.के. शिवकुमार ने विधायकों और मंत्रियों के साथ बैठक करने से पहले पूर्व विधायकों और पराजित उम्मीदवारों के साथ चर्चा की। बैठक में पराजित प्रत्याशियों ने इस बात पर असंतोष व्यक्त किया कि उन्हें पार्टी में उचित दर्जा नहीं मिल रहा है। मंत्री हमारे पत्रों पर विचार नहीं कर रहे हैं। स्थानान्-तरण और अनुदान जारी करने सहित कई मामलों में उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है तथा अन्य दलों के आप्रवासियों के पत्रों को अधिक मान्यता दी जा रही है। यह समझा जाता है कि कुछ नेता इस बात पर असंतोष व्यक्त कर रहे हैं कि हमारी अपनी पार्टी में ही हमारी उपेक्षा की जा रही है।

तृतीय विशाल निशान यात्रा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री श्याम सेवा संघ बेंगलूरु द्वारा रविवार को तृतीय विशाल निशान यात्रा का धूम धाम से आयोजन किया गया। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि बन्नेरघट्टा रोड पर स्थित श्री देवी मुकाम्बिका मन्दिर में बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया गया। भजन कीर्तन के आयोजन के साथ फूलों की होली खेलते हुए निशान पूजन किया गया। तत्पश्चात् बड़ी संख्या में भक्तों ने निशान अपने हाथों में लेकर झूमते नाचते गाते, बाबा के जयकारा लगाते हुए बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क के समीप स्थित खाटू वाले बाबा श्याम के मंदिर में निशान को अर्पण किया। खाटू वाले श्याम बाबा मंदिर में भी श्याम भक्तों के सहयोग से बाबा श्याम का भव्य श्रृंगार एवं माह प्रसाद का आयोजन किया गया। सदस्यों ने बताया पूरे कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी भक्तों एवं सदस्यों की उत्साह चरम सीमा पर थी। उन्होंने बताया कि इस निशान यात्रा के श्रृंखला में बेंगलूरु शहर में पहली बार एक साथ 551 निशान बाबा श्याम को अर्पित किए गए। साथ ही करीबन 1500 श्याम भक्त इस निशान यात्रा में उपस्थित थे। आयोजन समिति के सदस्यों ने उपस्थित भक्तों एवं श्याम मंदिर कमेटी के प्रति उनके सहयोग हेतु आभार प्रकट किया।

बिजनेस ग्रोथ सेमिनार का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन युवा संगठन के तत्वावधान में एसआरएन आदर्श कॉलेज के प्रांगण में जेवाईएस- बिजिग्राइट (बिजनेस डेवलपमेंट सेमिनार) का आयोजन किया गया। महावीर स्तुति के सामूहिक मंगलाचरण कर उपस्थित सभी पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वालित किया गया। जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत ने सभी का स्वागत किया। मंत्री नीरज कटारिया द्वारा जैन युवा संगठन के कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। ट्रेनर एवं मुख्य वक्ता अनिल दूगड़ ने व्यवसाय को 10 गुना बढ़ाने की प्रभावी रणनीतियों पर प्रकाश डालते हुए स्मार्ट सेल्स, ब्रांडिंग कस्टमर एक्सप्रेशन के अनमोल टिप्स साझा किए। दूगड़ ने बताया कि व्यवसाय में नेटवर्किंग एवं कोलेबरेशन की अहम उपयोगिता है। कार्यशाला चेयरमैन दीपक दक ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। सहमंत्री सुश्रुत चेलावत ने आभार जताया। कार्यक्रम का सफल संचालन पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश बाबेल ने किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, कोषाध्यक्ष संतोष डूंगरवाल, पूर्व अध्यक्ष महेंद्र बागरेचा, जैन युवा संगठन सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश धोका एवं धर्मीचंद बोहरा आदि गणमान्य लोगों की विशेष उपस्थिति रही।

केनी वाणिज्यिक बंदरगाह के विरोध में मछुआरे समुद्र में कूदे

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला के पास केनी गांव के सैकड़ों मछुआरे केनी में वाणिज्यिक बंदरगाह परियोजना का विरोध दर्ज कराने के लिए अरब सागर में कूद पड़े। प्रदर्शनकारियों में ज्यादातर महिलाएं थीं। उत्तर कन्नड़ जिले के उपायुक्त द्वारा निषेधाज्ञा लगाए जाने के बावजूद, सोमवार को सुबह 8 बजे के आसपास 1,000 से ज्यादा प्रदर्शनकारी समुद्र तट पर जमा हो गए। उन्होंने मांग की कि उपायुक्त मौके पर आएं। इलाके में पुलिस तैनात कर दी गई थी। जब उपायुक्त ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, तो सैकड़ों महिलाएं समुद्र में कूदने लगीं। तीन महिलाएं बीमार पड़ गईं और उनमें से दो की हालत गंभीर है। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

66 कल्याणक भूमि यात्रा संघ निमित्त गुरुदेव पूजा और इक्तीसा पाठ का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरिश्वरजी के मंगल आशीर्वाद से मुनिराज श्री मलयप्रभसागरजी एवं साध्-वीजीवर्या श्री प्रियस्वर्णांजना की प्रेरणा से श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित उत्तर प्रदेश की 66 कल्याणक भूमि यात्रा संघ के प्रस्थान के पूर्व दिवस यात्रा संघ की निर्विघ्न सम्पूर्णता के लिए दादा गुरुदेव पूजन और इक्तीसा पाठ का आयोजन किया गया। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने बताया कि पूजन के दौरान दादा गुरुदेव और नाकोड़ा भैरव देव को यात्रा संघ हेतु पत्रिका लिखी गई, जिसे दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी,

उपाध्यक्ष तनसुख राज गुलेच्छा, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, लाभार्थी संघवी शांतिदेवी पुखराज, तेजराज गुलेच्छा परिवार मोकलसर बेंगलूरु, संघ यात्रा के सह सहयोगी अमित कुमार रमनलाल पारख परिवार, हालावाला ब्यावर - बेंगलूरु, नरेन्द्र कुमार, रवि कुमार, रतनबोहरा परिवार हाला वाला बाडमेर - बेंगलूरु, सुशीला देवी बहादुर कांकरिया परिवार, ब्यावर - बेंगलूरु द्वारा गुरुदेव और भैरु जी को अर्पित की गई। मंडल के महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि पूजन और इक्तीसा पाठ के पश्चात सभी यात्रियों को यात्रा संघ के टिकट प्रदान किए गए। पूजा जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल तथा श्री जिन कुशल सूरी जैन महिला संगीत मंडल की ओर से पढ़ाई गई, जिसमें राजेन्द्र गुलेच्छा, सनी रांका, नितेश बोहरा, पारस पारख, महावीर पारख, मीना भन्साली, रेखा लोढ़ा, ललिता पालरेचा, ज्योति मेहता, शारदा जैन, जूली भन्डारी आदि सदस्यों ने सुमधुर आवाज में गुरुदेव पूजन एवं इक्तीसा पाठ पढ़ाया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *सेंट स्टीफन्स पब्लिक स्कूल मंगनहल्ली द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव तरंग 2025 कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत शामिल हुए। स्कूल के पदाधिकारियों और शिक्षकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

आचार्य श्री महाश्रमणजी की सेवा उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में युवा वाहिनी के अंतर्गत तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया के नेतृत्व में तेयुप सदस्यों की एक टीम आचार्य श्री महाश्रमणजी के श्री चरणों में पहुंची। आचार्य श्री महाश्रमणजी ने प्रतिदिन सामायिक, तेरापंथ सभा भवन में शानिवारिक सामायिक एवं आध्यात्मिक गतिविधि करने की प्रेरणा प्रदान की। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने तेयुप द्वारा क्रियान्वित विभिन्न गतिविधियों के बारे जानकारी प्रदान की। मुख्य मुनि महावीर कुमारजी की सेवा -उपासना के तहत तेरापंथ धर्म संघ की विश-षताएं एवं भाव पूजा पर विशेष उद्बोधन प्रदान किया। साध्वी प्रमुखा श्री विश्रुत विभाजी ने आचार्य भिक्षु त्रि-शताब्दी वर्ष के तहत स्वामीजी के इतिहास को पढ़ने की प्रेरणा प्रदान की।

मुनि दिनेश कुमार जी ने रात्रिकालीन विशेष क्लास में युवा वाहिनी सेवार्थियों को नमस्कार महामंत्र के पांच पद एवं आचार्य की अष्ट संपदाओं से अवगत कराया। तेयुप राजाजीनगर की विशेष सेवा के अंतर्गत युवाओं को तीन मुख्य बिन्दु व्यक्तिगत साधना, गण का विकास (संगठन एवं धर्म संघ) एवं सार्वजनकि कल्याण और विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान किया। एटीडीसी एवं मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव आदि अनेक आयामों पर चर्चा की गई। कमलेश चौरड़िया के नेतृत्व में अभातेयुप द्वारा संचालित चौका सत्कार में भी सेवाएं प्रदान की गई। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना, उपाध्यक्ष राजेश देरासरिया, मंत्री जयंतीलाल गांधी एवं किशोर मण्डल से आर्यन गोलेच्छा की उपस्थिति रही।

जन्म कल्याणक महोत्सव के लिए लहर सिंह को किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जैन युवा संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने एमएलसी लहर सिंह से मुलाकात कर श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव के लिए आमंत्रित किया। इस वर्ष श्रमण भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव 10 अप्रैल को फ्रीडम पार्क में आयोजित होगा। संगठन के अध्यक्ष जैन महावीर मुणोत के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने जन्मकल्याणक महोत्सव के लिए विशेष अतिथि के रूप में

एमएलसी लहर सिंह को आमंत्रित किया। लहर सिंह ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए जैन समाज एवं संगठन द्वारा किए जा रहे मानव कल्याण कार्यों की सराहना की। संगठन के मंत्री नीरज कटारिया ने जैन युवा संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर अतिथि आमंत्रण समिति चेयरमैन मोती गोटावत, शैलेन्द्र मोगरा, रितेश पामेचा उप-स्थित रहे।

ग्रेटर बेंगलूरु प्रशासन विधेयक बजट सत्र में पेश किया जाएगा: यू.टी. खादर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने कहा कि ग्रेटर बेंगलूरु प्रशासन विधेयक अगले बजट सत्र में पेश किया जाएगा। ग्रेटर बेंगलूरु प्रशासन विधेयक, 2024 पर व्यापक जांच और रिपोर्ट देने के लिए कर्नाटक विधानसभा की संयुक्त छानबीन समिति से रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद बोलते हुए, उन्होंने कहा कि इस विधेयक पर बहस के समय पर सदन की कार्य समिति की बैठक में चर्चा की जाएगी और निर्णय लिया जाएगा। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने

पिछले जुलाई में आयोजित सत्र में यह विधेयक पेश किया था। अभी भी बहुत कुछ चर्चा होना बाकी है। यह सुझाव दिया गया कि इस उद्देश्य के लिए एक संयुक्त समीक्षा समिति गठित की जाए। तदनुसार, विधायक रिजवान हर्षद की अध्यक्षता में एक संयुक्त समीक्षा समिति का गठन किया गया। इसकी अवधि बढ़ा दी गई। उन्होंने कहा कि समिति ने अब समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है।

दिवालियापन की ओर बढ़ रहा है कर्नाटक: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर कर्नाटक को दिवालियापन की ओर धकेलने का आरोप लगाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से आगामी बजट में आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। 7 मार्च को 2025-26 के बजट प्रस्तुति से पहले एक खुले पत्र में, विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि राजकोषीय कुप्रबंधन, अधूरी गारंटी और हाशिए के समुदायों के लिए निर्धारित धन के डायवर्जन के कारण राज्य की वित्तीय स्थिति खराब हो गई है। राज्य की वित्तीय सेहत पर चिंता व्यक्त करते हुए, विजयेंद्र ने कहा कि सरकारी विभागों पर सामूहिक रूप से 6,000 करोड़ रुपये का बिजली बिल बकाया है, जबकि अकेले परिवहन विभाग को अभी तक 7,000 करोड़ रुपये का बकाया नहीं मिला है। उन्होंने दावा किया सरकार वेतन देने के लिए संघर्ष कर रही है। बिजली आपूर्ति

कंपनियां अपने बिलों का भुगतान करने में असमर्थ हैं। कर्नाटक एक गंभीर वित्तीय संकट की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने राज्य की आर्थिक स्थिति पर एक श्वेत पत्र की मांग की। उन्होंने एससी/एसटी कल्याण के लिए निर्धारित निधियों में से 25,426 करोड़ रुपये के कथित गलत आवंटन की आलोचना की और कांग्रेस सरकार पर अपनी बहुप्रचारित गारंटियों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। विजयेंद्र ने पुलिस थानों पर हाल ही में हुए हमलों और राज्य के विभिन्न हिस्सों में हुई हिंसा का हवाला देते हुए आंतरिक सुरक्षा से निपटने के सरकार के तरीके पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया डीजे हल्ली और केजी हल्ली हिंसा जैसी घटनाओं में दंगाइयों के प्रति दिखाई गई नरमी ने उपद्रवियों को बढ़ावा दिया है। शिवमोग्गा, हुब्बल्ली और मैसूरु में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। फिर भी, कार्रवाई करने के बजाय, आपकी सरकार अपराधियों के खिलाफ मामले वापस लेने में व्यस्त है। भाजपा नेता ने उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की इस टिप्पणी पर भी कटाक्ष किया कि भगवान भी बेंगलूरु की यातायात समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते। उन्होंने पूछा अगर सरकार खुद असहायता स्वीकार करती है, तो लोग उसके शासन करने की क्षमता पर कैसे भरोसा कर सकते हैं? विजयेंद्र ने बेंगलूरु मेट्रो और राज्य द्वारा संचालित बसों के किराए में हाल ही में की गई बढ़ोतरी की भी आलोचना की और सरकार को जनता पर बोझ डालने के लिए जिम्मेदार ठहराया। कर्नाटक के बढ़ते कर्ज पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने दावा किया कि राज्य ने पिछले दो वर्षों में 2 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया है। उन्होंने कहा इस साल आप और कितना कर्ज लेंगे? कर्नाटक कभी समृद्ध राज्य था, लेकिन अब वह बिजली और ठेकेदारों के भुगतान भी नहीं कर पा रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से वित्तीय रूप से जिम्मेदार बजट पेश करने का आग्रह करते हुए विजयेंद्र ने कहा मुझे नहीं पता कि आप अगला बजट पेश करेंगे या नहीं, लेकिन यह कर्नाटक की आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने का एक अवसर है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि आगे वित्तीय कुप्रबंधन राज्य को और गहरे संकट में धकेल सकता है।

राज्य सरकार जल्दबाजी में बी-खाता क्यों दे रही: कुमारस्वामी

किसके पिता के घर का पैसा गारंटी के लिए दे रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार अनधिकृत बस्तियों में बने भूखंडों और घरों को बी-खाता जारी करने में क्यों जल्दबाजी कर रही है? चूंकि राज्य के खजाने में पैसा नहीं है, इसलिए वे अब अवैध और वैध के बीच घूम रहे हैं। वे लोगों के प्रति प्रेम के कारण 'बी-खाता' नहीं खोल रहे हैं। इस मामले को लेकर न्यायालय में विवाद है, कोई स्पष्टता नहीं है। फिर भी यह किया जा रहा है। चूंकि खजाना खाली है, इसलिए वे इसे भरने की जल्दी में हैं। यह सरकार मूल्य वृद्धि और कर लगाने के आधार पर चल रही है। उन्होंने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा केंद्र सरकार ने इस बजट में कर्नाटक के साथ अन्याय नहीं किया है। प्रत्येक राज्य को विभागवार धन वितरित किया गया है। यह तब से हो रहा है जब से कांग्रेस सरकार सत्ता में थी। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद

से ऐसा नहीं हुआ है। कोई भेदभाव नहीं हुआ है। हालांकि, राज्य सरकार लोगों के सामने झूठा प्रचार कर रही है और झूठ फैला रही है। कुमारस्वामी ने कहा अगर राज्य में यह सरकार चली जाती है, तो लोगों को शांति मिलेगी। उन्होंने कहा जिन लोगों ने बहुमत हासिल करके सरकार बनाई है, चाहे वह छह महीने चले या पांच साल, उन्हें पता चल जाएगा कि भविष्य में चुनाव होने पर कौन सत्ता में रहेगा। उन्होंने कहा मैंने देखा है कि समाज कल्याण मंत्री डॉ. एच.सी. महादेवप्पा ने कहा है कि 'मुख्यमंत्री का पद रिकॉर्ड तोड़ने के लिए होता है। रिकॉर्ड बनाने का मतलब यह नहीं है कि हमने राज्य में कितने समय तक शासन किया है। महत्वपूर्ण यह है कि हमने देश के लोगों को क्या दिया है। यह महत्वपूर्ण नहीं है कि हम कितने साल सत्ता में रहे हैं। आप किसके पिता के घर का पैसा गारंटी के लिए दे रहे हैं? कुमारस्वामी ने आलोचना करते हुए कहा कि गृह मंत्री जी. परमेश्वर के हालिया बयान को देखें तो ऐसा लगता है कि उन्होंने राजनीतिक रुचि खो दी है। ऐसा बयान देकर आप क्या संदेश दे रहे हैं? उन्होंने कहा इस सरकार में किसको संरक्षण दिया जा रहा है? मंत्रियों के बयानों को देखकर लगता है कि क्या उनका नियंत्रण है? आप लोगों और अधिकारियों को क्या संदेश दे रहे हैं? परमेश्वर इस निष्कर्ष पर पहुंचे होंगे कि इस सरकार में सम्मानित लोगों का रहना ठीक नहीं है।

पेयजल के स्थाई समाधान के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाकर प्रस्तुत करें अधिकारी : प्रियांक खड़गे

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

हर साल गर्मियों में कलबुर्गी जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों में होने वाली संभावित पेयजल समस्या के स्थायी समाधान पर विचार किया जा रहा है। राज्य के ग्रामीण विकास और पंचायत राज, आईटी-बीटी और कलबुर्गी जिले के प्रभारी मंत्री प्रियांक खड़गे ने अधिकारियों को तुरंत तालुकावार बैठक आयोजित करने और एक व्यापक कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने सोमवार को अधिकारियों के साथ आगामी गर्मियों के लिए पेयजल और मवेशियों के लिए चारे की आपूर्ति के संबंध में बैठक की। उन्होंने कहा कि यदि पिछले 5 वर्षों के समस्याग्रस्त क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए कोई योजना तैयार कर प्रस्तुत की जाती है, तो उसका समाधान खोजने के लिए राजस्व, कृषि, रेशम उत्पादन, बागवानी और पशुपालन मंत्रियों के साथ चर्चा कर इसके लिए आवश्यक धन आवंटित किया जाएगा। समस्याग्रस्त गांवों और शहरी कस्बों में पेयजल समस्या के प्रभावी समाधान के लिए तत्काल तैयारी की जानी चाहिए। मौसम विभाग के अनुसार इस बार तेज धूप के साथ गर्म हवाएं भी चलेंगी। इसलिए, जिले में जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए एहतियाती कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेयजल के लिए डीसी के पीडी खाते में मौजूद धन का समुचित उपयोग किया जाए। बैठक में बोलते हुए, मेडिकल शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता और आजीविका मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने निर्देश दिया कि विधायकों की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स समिति की बैठक तुरंत बुलाई जानी चाहिए, विधायकों के विचार मांगे जाने चाहिए और एक कार्य योजना तैयार की जानी चाहिए। बैठक में सांसद राधाकृष्ण दोड्डमनि, विधायक अल्लमप्रभु पाटिल, एम.वाई. पाटिल, तिप्पणप्पा कमकनूर, जगदेव गुत्तेदार, कलबुर्गी शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मजहर आलम खान, जिला कलक्टर बी. फौजिया तरन्नुम एवं जिला पंचायत सीईओ भंवर सिंह मीना आदि अधिकारी उपस्थित थे।

बस कंडक्टर पर हमला मामला

आरोपी पर गुंडा एक्ट के तहत मामला दर्ज किया जाएगा: रामलिंगा रेड्डी

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने सोमवार को कहा कि सीबीटी-सुलेभावी बस में एनडब्ल्यूकेआरटीसी कंडक्टर पर हमला करने वाले आरोपी पर गुंडा एक्ट के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी 65 वर्षों से यौन उत्पीड़न के किसी भी आरोप के बिना काम कर रही है और उन्होंने पुलिस की आलोचना की कि उसने पॉक्सो एक्ट का मामला दर्ज करते समय सामान्य ज्ञान का इस्तेमाल नहीं किया। रेड्डी ने कंडक्टर महादेव हुक्केरी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए बेलगावी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज जिला अस्पताल का दौरा किया, जिन पर हमला किया गया था। रिपोर्टरों से बात करते हुए रेड्डी ने कहा कि हुक्केरी हमले के कारण सदमे में हैं और उन्हें अस्पताल में कुछ और दिन लगेंगे। डॉक्टरों ने पुष्टि की है कि उनका स्वास्थ्य स्थिर है, और उन्हें दो दिनों में छुट्टी मिल सकती है। हुक्केरी चिंतित थे क्योंकि पुलिस ने उनके खिलाफ पॉक्सो अधिनियम का मामला दर्ज किया

है। हम भी जानते हैं कि पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम का मामला दर्ज करते समय सामान्य ज्ञान का इस्तेमाल नहीं किया है। परिवहन मंत्री ने आगे कहा कि वे पॉक्सो मामले को वापस लेने के लिए गृह मंत्री डॉ जी परमेश्वर से इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि आरोपी पर गुंडा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। रेड्डी ने कहा कि दोनों राज्यों के बीच बस सेवाओं के निलंबन से केएसआरटीसी और एमएसआरटीसी दोनों को काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा बस पर हमला नहीं किया जाना चाहिए और इसे मुद्दों का हिस्सा नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि चित्रदुर्ग के पास एमएसआरटीसी बस पर हुए हमले के कारण महाराष्ट्र में केएसआरटीसी बस पर जवाबी हमला हुआ था। रेड्डी ने आगे उल्लेख किया कि वे व्यक्तिगत रूप से बेलगावी पुलिस आयुक्त से बात करेंगे ताकि एमईएस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जा सके जो कंडक्टर पर हमले को सही ठहराने के लिए वीडियो बना रहे थे और उन्हें सोशल मीडिया पर प्रसारित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाषा को लेकर हुई मामूली कहासुनी ने अनावश्यक रूप से स्थिति को बढ़ा दिया। इससे पहले राज्य के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने राज्य सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) के एक कंडक्टर का जोरदार बचाव किया है, जिस पर पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने मामले को फर्जी बताया और उन लोगों को निर्वासित करने की मांग की, जिन्होंने उस पर हमला किया था।

यह विवाद तब शुरू हुआ, जब एक नाबालिग लड़की सहित यात्रियों के एक समूह ने कथित तौर पर कंडक्टर पर हमला किया, क्योंकि उसने उनसे कन्नड़ में बात करने के लिए कहा था। हालांकि कंडक्टर ने बाद में हमले के संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन नाबालिग लड़की ने उस पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया, जिसके कारण यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। इस घटना ने कर्नाटक और महाराष्ट्र के सीमावर्ती जिलों में तनाव बढ़ा दिया है। यहां पत्रकारों से वार्ता में रेड्डी ने कहा कि कंडक्टर के खिलाफ लगाए गए आरोप मनगढ़ंत हैं। उन्होंने कहा घटना के बाद, उन्होंने कंडक्टर के खिलाफ पॉक्सो शिकायत दर्ज कराई। यह पूरी तरह से फर्जी मामला है। भूमि, जल और भाषा के मुद्दों पर वैमनस्य पैदा करने की कोशिश करने वालों को राज्य से निर्वासित किया जाना चाहिए। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में भाषा विवाद की हाल की घटनाओं की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा चित्रदुर्ग में महाराष्ट्र आरटीसी बसों पर कन्नड़ झंडे लगाए गए थे। इसी तरह, जब हमारी बसें महाराष्ट्र जाती हैं, तो उन्हें काला रंग दिया जाता है। इस तरह की हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए और जिम्मेदार लोगों को निष्कासित किया जाना चाहिए। रेड्डी ने कहा कि उन्होंने गृह मंत्री जी परमेश्वर, बेलगावी पुलिस आयुक्त, पुलिस अधीक्षक और केएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक के साथ इस मामले पर चर्चा की है। पॉक्सो मामला निराधार है और इसे महत्व नहीं दिया जाना चाहिए। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि कंडक्टर के खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई न की जाए। स्थानीय संगठन उसके समर्थन में सामने आए हैं, जिससे उसे नैतिक बल मिलेगा।

क्या पुलिस थाने में पत्थर फेंकने वालों को संरक्षण दिया जाना चाहिए: कुमारस्वामी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उदयगिरी पुलिस स्टेशन पर हुए पथराव के मामले को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि क्या हमें उन लोगों को संरक्षण देना चाहिए जो पत्थरों के बंडल लेकर आए और पत्थर फेंके? उन्होंने फटकार लगाते हुए कहा कि कार्रवाई करना राज्य सरकार का कर्तव्य है। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कुवेम्पु के संदेश को क्रियान्वित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सभी लोगों के लिए शांति का उद्यान बना रहना चाहिए। आप समाज की रक्षा करने जा रहे हैं। दूसरी ओर, वे और अधिक मजबूत होते जा रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए जिन लोगों ने पुलिस वाहन पर पत्थर फेंके। आप इसे कब तक बर्दाश्त करेंगे? सरकार किसी को खुश करने के लिए नहीं है। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करना राज्य सरकार का कर्तव्य है।

दवा कंपनियों को गुणवत्ता बनाए रखनी चाहिए: मंत्री दिनेश गुंडू राव

केंद्र से पत्र का नहीं मिला जवाब

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने दवा कंपनियों को गुणवत्ता बनाए रखने की सलाह दी है, क्योंकि खराब गुणवत्ता वाली दवाओं से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और यहां तक कि जीवन के लिए भी खतरा हो सकता है। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि घटिया दवाओं पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। मैंने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर दवाओं की गुणवत्ता की ओर ध्यान आकर्षित किया था। वहां से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है, यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा की जरूरत है और जब राज्य प्रयोगशाला में जांच की गई तो कुछ दवाएं खराब गुणवत्ता की पाई गईं। हमारे पत्र

का उद्देश्य अन्य राज्यों को भी यह संदेश देना था। कुछ कंपनियां गुणवत्तापूर्ण दवाइयां आपूर्ति करती हैं। उन्होंने कहा कि कुछ कंपनियां अभी भी गुणवत्ता बनाए नहीं रख रही हैं और ऐसी दवाओं पर पहले ही प्रतिबंध लगाया जा चुका है। पश्चिम बंगाल की वह कंपनी, जिसने खत सॉल्यूशन बनाया था, जिसके कारण राज्य में गर्भवती महिलाओं की मौत हो गई थी, बंद हो गई है। वे कई प्रकार की दवाइयाँ तैयार कर रहे थे। उन्होंने कहा जब हमारे अधिकारियों की टीम वहां गई और निरीक्षण किया तो यह स्पष्ट हो गया कि अब उत्पादन रोक दिया जाएगा। न्यायमूर्ति माइकल की समिति ने कोविड घोटाले पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। इसके आधार पर कुछ कंपनियों और दोषी पक्षों को नोटिस जारी किये गये। कोविड घोटाले को लेकर अचानक कार्रवाई करना संभव नहीं है। हमें कानून के अनुसार आगे बढ़ना होगा। इस कारण विभाग और सीआईडी द्वारा जांच चल रही है। ऐसी स्थिति में, कई लेन-देन संदिग्ध हैं। उन्होंने कहा कि वे सब कुछ जांच रहे हैं। गृहलक्ष्मी लाभार्थियों को धनराशि जारी की जाएगी।

पंचखत्री बिना किसी समस्या के जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि हर बात के लिए गारंटी योजना को दोष देना सही नहीं है। भाजपा का यह आरोप निरर्थक है कि राज्य सरकार ने अनुसूचित जातियों/जनजातियों के विकास के लिए निर्धारित धनराशि का दुरुपयोग किया है, तथा गारंटीकृत योजनाएं सभी तक पहुंच रही हैं। यह एससी/एसटी और ओबीसी समुदायों तक भी पहुंच बना रहा है। उन्होंने कहा कि उस धन का उपयोग उनके विकास के लिए करना गलत नहीं होगा। मैसूरु के उदयगिरी पुलिस स्टेशन के पास भीड़ हिंसा मामले में भाजपा राजनीतिक कारणों से विरोध प्रदर्शन कर रही है। हमारी सरकार ने गलत काम करने वालों के खिलाफ पहले ही कार्रवाई कर दी है। उन्होंने कहा हमने देखा है कि जब भाजपा सत्ता में थी तो क्या स्थिति थी। कुंभ मेले में भगदड़ मच गई। दिल्ली के एक रेलवे स्टेशन पर हुई दुर्घटना में लोगों की मौत हो गई। लेकिन उन्होंने इस मामले को ज्यादा तूल नहीं दिया और मैसूरु में उदयगिरि की घटना का राजनीतिक मकसद से इस्तेमाल किया। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में 26 फरवरी को गांधीनगर विधानसभा क्षेत्र के तुलसी थोटा में हास्य जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। एम.एस.नरसिंहमूर्ति, मिमिक्री दयानंद गोपी, आशा नायक आदि कलाकार इसमें भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार अम्बारी महोत्सव का आयोजन होगा और आनंद गुरुजी तथा अघोरी कार्यक्रम में भाग लेंगे। उनके निर्वाचन क्षेत्र में महाशिवरात्रि कार्यक्रम आयोजित करना प्राचीन काल से एक परंपरा रही है।

नदी में गिरने से किशोर की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक दुखद घटना में रविवार शाम को अरम्बोडी गांव में एक 16 वर्षीय लड़का गलती से फाल्गुनी नदी में गिर गया और डूब गया। मृतक की पहचान उप्पिनंगडी के पास रामकुंजा के निवासी अतुरु वसंत और विजय के बेटे पवन के रूप में हुई है।

पवन सिद्दकट्टे हाई स्कूल में कक्षा 10 का छात्र था और अरम्बोडी गांव में अपनी दादी के घर पर रह रहा था। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना तब हुई जब पवन, जो अपनी दादी से मिलने आया था, गलती से नदी में गिर गया और डूब गया। वेनूर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच चल रही है।

तटीय क्षेत्रों में भीषण गर्मी

आर्द्रता में अचानक वृद्धि, मार्च के अंत तक ग्रीष्म वर्षा की संभावना

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में सर्दी का मौसम खत्म हो रहा है, जिससे लोगों को तेज गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। बादल छाए रहने और नमी के बढ़ते स्तर ने लोगों को परेशान कर दिया है, जिससे फरवरी असामान्य रूप से गर्म हो गई है। अगले दो दिनों में तापमान में और वृद्धि होने की उम्मीद है।

श्रीलंका के दक्षिण-पूर्व में एक छोटा कम दबाव वाला सिस्टम विकसित हुआ है, और बंगाल की खाड़ी के ऊपर हवा के पैटर्न में बदलाव के कारण तापमान और आर्द्रता में वृद्धि हुई है। हालांकि, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार तक तटीय और मलनाड क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी का अनुमान लगाया है, जिससे मौजूदा गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। आमतौर पर, मार्च के बाद तापमान बढ़ना शुरू होता है, अप्रैल और मई सबसे गर्म महीने होते हैं। हालांकि, इस साल फरवरी में पहले से ही अत्यधिक गर्मी पड़ रही है, जिससे लोगों में परेशानी हो रही है। चक्रवात मिचांग के बाद दिसंबर में हुई आखिरी बारिश के बाद से, मिट्टी की नमी में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे तापमान में वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि गर्मी के कारण बच्चों को बीमारी हो सकती है, जबकि बुजुर्गों को भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। तटीय क्षेत्र में अधिकतम तापमान 35-38 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। उत्तरी कर्नाटक के आंतरिक क्षेत्रों में यह 34-37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। दक्षिण कर्नाटक में अगुम्बे, बेंगलूरु, चिकमगलूरु, हासन, मैसूरु, चिंतामणि और मदिकेरी जैसी जगहों पर तापमान 31-33 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। इस बीच, चामराजनगर, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, मांड्या और शिवमोग्गा में तापमान 34-37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

पिछले सप्ताह, मेंगलूरु, पनमबुर और मेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तापमान 37-39 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। इसके अलावा, बादल छाए रहने से तटीय क्षेत्र में नमी के स्तर में तेज वृद्धि हुई है। बादलों के छाए रहने के कारण तटीय क्षेत्र में भीषण गर्मी पड़ रही है। बेंगलूरु मौसम केंद्र में एलएससीडी के एक अधिकारी ने कहा अगले कुछ दिनों में हल्की बारिश होने की संभावना है, जिसके बाद तापमान फिर से बढ़ सकता है। स्वास्थ्य के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। तापमान बढ़ने के साथ ही लोग अधिक पानी पीने लगते हैं। हालांकि, इस दौरान पानी के दूषित होने की संभावना भी अधिक होती है। गन्ने के अवशेषों से कुएं का पानी दूषित होने का खतरा रहता है, जिससे उल्टी और दस्त की समस्या हो सकती है। तापमान में अचानक वृद्धि के साथ ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आम हो गई हैं। हाइड्रेटेड रहने के लिए खूब पानी, नारियल पानी और छाछ पीने की सलाह दी जाती है। नवजात शिशुओं और स्तनपान कराने वाली माताओं का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। सुबह जल्दी ही बाहर का काम निपटा लेना सबसे अच्छा है और दोपहर के व्यस्त समय में बाहर निकलने से बचना चाहिए। बच्चों और बुजुर्गों के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए।

परीक्षा के दौरान हिजाब पहनने की अनुमति की करेंगे समीक्षा: मंत्री महादेवप्पा

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

समाज कल्याण मंत्री एच.सी. महादेवप्पा ने कहा है कि वह पीयूसी परीक्षाओं के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय की छात्राओं को हिजाब पहनने की अनुमति देने के संवैधानिक पहलुओं की जांच करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुस्लिम संगठनों द्वारा छात्रों को परीक्षा में हिजाब पहनने की अनुमति देने के लिए प्रस्तुत अनुरोध की समीक्षा की जाएगी। सरकार कानूनी संभावनाओं और संविधान में दिए गए अवसरों की समीक्षा करने के बाद निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि सरकार के समक्ष मुस्लिम सरकारी कर्मचारियों को रमजान के दौरान इफ्तियार में भाग लेने के लिए अवकाश देने का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टर की अध्यक्षता वाली एक समिति आनुवंशिक अध्ययनों के आधार पर कुछ अनुसूचित जनजाति जातियों को वैधता प्रमाण पत्र जारी करने पर निर्णय लेगी। राज्य में कोई आर्थिक संकट नहीं है। पंचखत्री परियोजनाएं अप्रभावित जारी रहेंगी। राजनीतिक दलों में जाति आधारित परंपराएं निरंतर चलती रहती हैं। हाईकमान ने कांग्रेस में दलितों की बैठकें न करने को कहा है। उन्होंने कहा कि जब तक समस्याएं रहेंगी, ऐसी बैठकें और कार्यक्रम जारी रहेंगे।

मेरे कहने मात्र से नेतृत्व में कोई परिवर्तन नहीं होगा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का देवराज उर्स का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि यदि आलाकमान ने नेतृत्व पर निर्णय ले लिया है तो इसमें बदलाव की कोई संभावना नहीं है। देश में दलितों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बाबासाहेब अम्बेडकर चाहते थे कि दलित सत्ता के महत्वपूर्ण पदों पर हों। उन्होंने कहा कि दलित मुख्यमंत्री की इच्छा तब पूरी होगी जब पार्टी फैसला करेगी और जनता ऐसा चाहेगी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद है। दोनों राज्यों की सीमाओं के संबंध में पहले ही स्पष्ट निर्णय लिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को बार-बार उठाना उचित नहीं है। दलित संगठनों के नेताओं ने हाल ही में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में एसईपीटीएसपी फंड के उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इस पर गौर करेगी। एसईपीटीएसपी का उपयोग सामान्य श्रेणी की गारंटी योजनाओं के लिए नहीं किया जाता है। इस धनराशि का उपयोग केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लोगों ने इसे गलत समझा है।

राज्य सरकार व्हाइट-टॉपिंग के नाम पर पैसा कमा रही: निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार व्हाइट-टॉपिंग के नाम पर पैसा कमा रही है। दशरहल्ली विधानसभा क्षेत्र के चोक्कासांद्रा में आयोजित जेडीएस पार्टी सदस्यता पंजीकरण और बूथ समिति अभियान के शुभारंभ पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सबसे अधिक कर एकत्र करने वाले बेंगलूरु शहर में गड्ढे बंद नहीं किए गए हैं। यह राज्य की स्थिति है। डीसीएम का कहना है कि भगवान भी आ जाएं तो विकास संभव नहीं है। यह सच है। उन्होंने बेंगलूरु शहर को इस तरह ही बना दिया है। इस सरकार ने ऐसा माहौल बना दिया है कि अगर भगवान भी आ जाएं तो इस ट्रैफिक में घर पहुंचना मुश्किल हो जाएगा। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के कार्यकाल के दौरान एआई तकनीक में क्रांतिकारी बदलाव आया था। लेकिन उन्होंने कांग्रेस सरकार पर आईटी कंपनियों पर बेंगलूरु में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराने का आरोप लगाया। पिछले तीन महीने से गृहलक्ष्मी का पैसा जारी नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दो से तीन महीने में हो सकता है। कांग्रेस सरकार पहले ही पानी की कीमतें, दूध की कीमतें और मेट्रो रेल किराए में वृद्धि कर चुकी है। उन्होंने राज्य सरकार पर तेल की कीमतें बढ़ाने की योजना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह सदस्यता अभियान बेंगलूरु शहरी क्षेत्र में जमीनी स्तर से जेडीएस पार्टी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण है। इस मौके पर विधान परिषद सदस्य टी.ए. सरवण, बेंगलूरु जेडीएस इकाई के अध्यक्ष एच.एम. रमेश गौड़ा, दशरहल्ली नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अंदनप्पा, दशरहल्ली जेडीएस इकाई के अध्यक्ष मुनीस्वामी, बेंगलूरु शहर संभाग प्रभारी जगदीश नागराजैया, महिला संभाग अध्यक्ष छाया, नेता के. हनुमंतरायप्पा, मंजी गौड़ा, भरत गुंडप्पा, बी. बलराम, प्रदेश सोशल मीडिया अध्यक्ष चंदन डोरे आदि उपस्थित थे।

राज्य के 6 विश्वविद्यालयों में कोई पूर्णकालिक कुलपति नहीं

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के छह सरकारी विश्वविद्यालयों में पिछले कुछ महीनों से कोई नियमित या पूर्णकालिक कुलपति (वीसी) नहीं है, जो सरकार की उदासीनता का एक चौंकाने वाला उदाहरण है, जिसने इन विश्वविद्यालयों को कई तरह से पंगु बना दिया है। नियुक्तियों में देरी के कारण शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों पर असर पड़ा है, जिसका श्रेय कुछ लोगों ने पदों के लिए हो रही जोरदार पैरवी को दिया है।

शीर्ष पर खालीपन इन संस्थानों में समस्याओं की बढ़ती सूची में शामिल है, जिसमें धन की कमी और कर्मचारियों की कमी शामिल है, और यह राज्य में शिक्षा परिदृश्य की एक खराब तस्वीर पेश करता है। कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स विश्वविद्यालय, बेंगलूरु, कर्नाटक राज्य ग्रामीण विकास और पंचायत राज विश्वविद्यालय, गदग, गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय, विजयपुरा और रायचूर विश्वविद्यालय में कार्यवाहक कुलपति शैक्षणिक गतिविधियों को चला रहे हैं। लेकिन, विशेषज्ञों के अनुसार, कार्यवाहक कुलपति नियुक्तियों, अनुदान जारी करने के लिए सरकार पर दबाव डालने और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों जैसे मुद्दों पर निर्णय लेने से बचते हैं, जबकि उनके पास नियमित कुलपतियों की पूरी शक्तियाँ होती हैं। रायचूर विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कुलपति डॉ. हरीश रामास्वामी ने कहा वर्तमान कुलपति के सेवानिवृत्त होने के बाद एक वरिष्ठ शैक्षणिक डीन को कार्यवाहक कुलपति के रूप में नियुक्त किया जाता है। लेकिन कार्यवाहक कुलपति कई मुद्दों पर कार्रवाई करने या निर्णय लेने में देरी करते हैं, क्योंकि उन्हें डर होता है कि उनके अधीनस्थ उनके निर्देशों का पालन नहीं करेंगे। कार्यवाहक कुलपतियों की इस अंतहीन हिचकिचाहट का छात्रों पर असर पड़ता है। शिक्षाविदों को लगता है कि सरकार मौजूदा कुलपतियों के पद छोड़ने के दिन ही नियमित कुलपति नियुक्त कर सकती है। गुलबर्गा विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रोफेसर गोरू श्रीरामुलु ने कहा नियमित और कार्यवाहक कुलपति के रूप में अपना काम करने में अंतर होता है। कार्यवाहक कुलपति के रूप में काम करते समय हमारी मनोवैज्ञानिक रूप से कुछ सीमाएँ होती हैं। हमारे अधीनस्थ हमारे निर्देशों को स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि उनके बीच यह भावना है कि मैं अस्थायी रूप से रह रहा हूं। हम बड़े फैसले लेने में भी संकोच करते हैं, हालांकि हमारे पास अधिकार हैं। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. एम. सी. सुधाकर ने कहा कि पूर्णकालिक कुलपतियों की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है।

उन्होंने नई यूनिवर्सिटी खोलने में व्यस्त रहने के लिए पिछली भाजपा सरकार की भी आलोचना की। डॉ. सुधाकर ने कहा पिछले कुछ महीनों से छह विश्वविद्यालयों में कुलपतियों के पद खाली हैं और बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी के कुलपति का कार्यकाल जल्द ही समाप्त हो जाएगा। हमने कुलपतियों के रिक्त पदों के लिए आवेदन मांगे हैं। सरकार उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए एक खोज समिति का गठन करेगी और राज्यपाल को इसकी सिफारिश करेगी। पिछली भाजपा सरकार केवल रिक्त पदों को भरने और धन उपलब्ध कराने पर ध्यान दिए बिना नए विश्वविद्यालयों की घोषणा करने में व्यस्त थी। विशेषज्ञों ने कहा कि चूंकि कुलपति एक राजनीतिक नियुक्ति है, इसलिए उम्मीदवार की योग्यता के अलावा जाति/समुदाय पर विचार करने के बाद ही भर्ती पर निर्णय लिया जाएगा।

सहायक पोस्टमास्टर 72,000 रुपये लेकर लापता

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेलगावी के रायबाग तालुक के अरीबेन्ची निवासी बलप्पा तेग्याल (28), जो साजीपाडु गांव में सहायक पोस्टमास्टर के पद पर कार्यरत थे, साजीपाडु गांव के डाकघर के मेलबैग से 72,000 रुपये लेकर लापता हो गए।

बलप्पा पिछले एक साल से साजीपाडु में सहायक पोस्टमास्टर के पद पर कार्यरत थे। 19 फरवरी को साजीपाडु डाकघर की पोस्टमास्टर असमीना बानू ने उन्हें मेलबैग सौंप दिया और उन्हें इसे पैन मेंगलूरु डाकघर में पहुंचाने का निर्देश दिया। हालांकि, वे गंतव्य तक कभी नहीं पहुंचे और जब उनसे संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उनका मोबाइल फोन बंद पाया गया। बाद में, जब अधिकारी कंदूर, साजीपामूडा गांव में उनके किराए के घर गए, तो उन्हें वहां मेलबैग मिला, लेकिन पैसे गायब थे। उनके परिवार के सदस्यों से भी संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने बताया कि वे घर नहीं लौटे हैं। असमीना बानू की शिकायत के आधार पर बंटवाल ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

कन्नड़-संस्कृति विभाग को निश्चित धनराशि नहीं दी जा रही: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि भाषा के मुद्दे पर ओछी राजनीति करने वाली कांग्रेस को कन्नड़ को लेकर कोई परवाह नहीं है।

उन्होंने राज्य सरकार पर मातृभाषा के विकास के लिए दी जाने वाली धनराशि रोककर मातृभाषा के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। इस संबंध में एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि देशद्रोही कांग्रेस सरकार के लिए कन्नड़ न्यूनतम है और संस्कृति तिरस्कार है। भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के माध्यम से राज्य के खजाने को खाली करने वाली मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की सरकार के पास कलाकारों को पेंशन देने के लिए पैसा नहीं है। कला समूहों को सहायता देने के लिए कोई धन नहीं है। वे थिएटरों और ओपन-एयर हॉलों को वित्त पोषित नहीं कर रहे हैं। कन्नड़-संस्कृति विभाग को निश्चित धनराशि नहीं दी जा रही है। कला और संस्कृति के लिए कोई समर्पित धनराशि नहीं है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि उनके पास कला संगठनों को देने के लिए भी पैसा नहीं है। कांग्रेस सरकार - भ्रष्टाचार की सरकार, गरीबों और किसानों को माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के उत्पीड़न से बचाने की कांग्रेस सरकार में कोई इच्छाशक्ति नहीं है। उन्होंने दुख व्यक्त किया कि कांग्रेस सरकार के रवैये के कारण तुमकुरु और कोलार जिलों में तीन और निर्दोष लोगों की जान चली गई, जो अध्यादेश जारी करने के बाद अब हाथ बांधकर बैठी है। कोलार से कांग्रेस विधायक कोडूर मंजूनाथ के गृहनगर में एक किसान ने आत्महत्या कर ली है।

एक ही परिवार के 3 सदस्यों ने वीसी नहर में कूदकर आत्महत्या की

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्ज का बोझ न उठा पाने के कारण एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने जहर खाकर और फिर वी.सी. नाले में कूदकर आत्महत्या कर ली। यह घटना सोमवार को मांड्या जिले में हुई। मृतकों की पहचान मस्तप्पा, उनकी पत्नी रत्नम्मा और बेटी लक्ष्मी के रूप में हुई है। दंपति के शव बरामद कर लिए गए हैं। बेटी के शव की तलाश जारी है। मृतक श्रीरंगपटना के गंजम के रहने वाले थे। मस्तप्पा ऑटो चलाते थे। बताया जाता है कि करीब 3 लाख रुपये का कर्ज लेने वाले मस्तप्पा ने अपने घर के पास कर्जदाताओं द्वारा हंगामा किए जाने के बाद परिवार सहित आत्महत्या कर ली। 3 लाख रुपये नकद समेत करीब 12 लाख रुपये कर्ज लेने वाले मस्तप्पा ने कर्जदाताओं की धमकी के कारण अपना घर बेचने पर भी विचार किया था। श्रीरंगपटना के गंजम से ऑटो में सवार मस्तप्पा और उनका परिवार चंदागलू के पास एक नहर पर पहुंचे और ऑटो रोक दिया। सबसे पहले दंपति और उनकी बेटी ने जहर खा लिया। इसके बाद तीनों ने वी.सी. नहर में कूदकर आत्महत्या कर ली। फिलहाल, एसपी मल्लिकार्जुन बालादंडी के नेतृत्व में पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया है और जांच कर रही है। इस संबंध में मांड्या ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

लिंगायत मठाधीशों की मांगों को चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा पूरा: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने आश्वासन दिया कि शरण की जन्मस्थली और अन्य स्मारकों की सुरक्षा के लिए 'शरण स्मारक संरक्षण प्राधिकरण' के गठन और बसवत्व के प्रचार-प्रसार के लिए 500 करोड़ रुपये की सहायता समेत लिंगायत मठाधीशों की मांगों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा।

उन्होंने सोमवार को लिंगायत मठाधीशों, मंत्रियों, विधायकों और समुदाय के नेताओं द्वारा की गई विभिन्न मांगों को स्वीकार करने के बाद यह बात कही। बसवन्ना के विचार और संघर्ष धर्मनिरपेक्ष समाज के निर्माण के पूरक हैं।

उन्होंने कहा कि बसवन्ना के विचार अंबेडकर के विचार हैं और संविधान में निहित हैं। मौजूदा लोग समाज में गहराई से जड़ें जमा चुकी जाति व्यवस्था को कमजोर कर रहे हैं। इसलिए जातिवादियों को उनके विचार पसंद नहीं हैं। वे इसका आंतरिक रूप से विरोध कर रहे हैं क्योंकि वे इसका खुलकर विरोध नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री के दौरे से पहले मंदिर के प्रमुख, समुदाय के मंत्रियों और विधायकों ने उद्योग मंत्री एमबी पाटिल के आवास पर बैठक की। इस मौके पर अनुभव मंटप के संयोजक शिवानंद स्वामीजी, अखिल भारतीय शरण साहित्य परिषद के अध्यक्ष सी. सोमशेखर, मठ के विभिन्न प्रमुख जैसे मल्लिकार्जुन मरुगाराजेंद्र स्वामीजी, थोंटाडा के सिद्धलिंग स्वामीजी, माता ज्ञानेश्वरी, बसवकुमार स्वामीजी, सिद्धरामेश्वर स्वामीजी, बसवलिंगा प्रभुदेवारु, पट्टादेवारु, साहित्य गो.आर. चन्नबसप्पा, मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार बसवराज राय रेड्डी, पूर्व मंत्री एस.एस. पाटिल और अन्य उपस्थित थे।

कश्मीर की पहली महिला ट्रक ड्राइवर राबिया यासीन

देशभर में नारी शक्ति का प्रतीक बन रहीं राबिया

जम्मू, 24 फरवरी (ब्यूरो)। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले की 36 वर्षीय महिला ने कश्मीर की पहली महिला ट्रक ड्राइवर बनकर इतिहास रच दिया है। राबिया यासीन, जिन्होंने सामाजिक मानदंडों और रूढ़ियों को चुनौती दी है, अब पारंपरिक रूप से पुरुषों के वर्चस्व वाले पेशे में एक अग्रणी हैं।

चार साल पहले मोहम्मद इम्तियाज से शादी करने के बाद राबिया की जीवन यात्रा ड्राइविंग के प्रति प्रेम से शुरू हुई।

उन्होंने शुरुआत में छोटे वाहन चलाए। अपने पति से प्रोत्साहित होकर, राबिया ने जल्द ही भारी ट्रकों में बदलाव किया, एक वैध ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त किया और देश भर में लंबी दूरी की ड्राइविंग शुरू की। अब वह तमिलनाडु, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना जैसे राज्यों की

यात्रा करती हैं। राबिया ने पत्रकारों को बताया, मुझे हमेशा से ड्राइविंग का शौक था और अपने पति के सहयोग से मैंने ट्रक चलाना शुरू किया। उनकी उपलब्धि ने काफी ध्यान आकर्षित किया है और ड्राइविंग करते हुए उनकी एक वायरल तस्वीर ने उनकी कहानी को राष्ट्रीय मीडिया आउटलेट्स में ला दिया है।

ऐसे क्षेत्र में जहां परिवहन उद्योग में महिलाओं के बारे में लगभग कोई नहीं जानता, राबिया को अपने परिवार से मजबूत समर्थन मिला है। उसकी सास शहनाज़ बेगम ने कहा कि राबिया हमेशा से ट्रक चलाना चाहती थी। उसने अपनी इच्छा जाहिर की और हम सभी ने उसके फैसले का समर्थन किया।

काम और मातृत्व के बीच संतुलन बनाने की चुनौतियों के बावजूद, राबिया का दृढ़ संकल्प अटल रहा है। शहनाज़ा कहती थीं कि यह मुश्किल था, लेकिन हम सभी ने इन चुनौतियों से पार पाने में उसका साथ दिया।

पिछले तीन साल से राबिया पूरे भारत में गाड़ी चला रही हैं और हर मील पर पारंपरिक लैंगिक भूमिकाओं को चुनौती दे रही हैं। उनकी कहानी महिलाओं की क्षमता को उजागर करती है जब उन्हें सही समर्थन और अवसर दिए जाते हैं, जो कश्मीर और उससे आगे के लोगों के लिए प्रेरणा बन जाती हैं।

एसपी को कार से घसीटने वाले तीन सिपाहियों सहित चार को 10-10 साल की कैद

बरेली, 24 फरवरी (ब्यूरो)। बरेली में एसपी यातायात रहीं कल्पना सक्सेना पर जानलेवा हमले के मामले में कोर्ट ने चार दोषियों को 10-10 साल कैद की सजा सुनाई। सभी आरोपियों पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। वर्ष 2010 में ड्यूटी के दौरान तत्कालीन एसपी ट्रैफिक कल्पना पर जानलेवा हमला किया गया था। इस मामले में कोर्ट ने सोमवार को चारों दोषियों को सजा सुनाई। आईपीएस कल्पना वर्तमान में गाजियाबाद में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त हैं। घटना दो सितंबर 2010 को कैंट थाना क्षेत्र में हुई थी। एसपी ट्रैफिक कल्पना की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, दो सितंबर 2010 को वह चालक कांस्टेबल संजय सिंह, हमराह सिपाही ऋषिपाल व जीत सिंह के साथ चौकी चौराहे पर ड्यूटी पर थीं। कैंट क्षेत्र में मजार के पास हाईवे पर यातायात पुलिसकर्मियों द्वारा ट्रक रोककर अवैध वसूली की सूचना मिली तो वह मौके पर पहुंचीं। वहां फरीदपुर की तरफ से आने वाले कुछ ट्रक सड़क किनारे खड़े थे। सड़क के दूसरी ओर

मजार के पास कार खड़ी थी। कार में कुछ लोग बैठे थे व कुछ पास खड़े थे। अपना वाहन मजार से पहले ट्रकों की आड़ में खड़ा कराकर वह हमराह व चालक के साथ पैदल ही चल दीं। पास जाकर देखा तो कांस्टेबल मनोज चालक की सीट पर बैठा था। पास खड़ा दूसरा व्यक्ति रुपये ले रहा था। इससे यकीन हो गया कि पुलिसकर्मी ट्रक चालकों से अवैध वसूली कर रहे हैं। आरोपी पुलिसकर्मियों को पकड़ने के लिए वह हमराही के साथ कार के सामने पहुंच गईं। कार की पिछली सीट पर कांस्टेबल रविंद्र और रावेंद्र बैठे थे। एसपी को देखकर वहां भगदड़ मच गई। कल्पना सक्सेना ने आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की तो मनोज ने कार स्टार्ट कर उनको कुचलने की कोशिश की, पर वह बच गईं। एसपी ने चलती कार में ही कांस्टेबल मनोज की गर्दन पकड़ ली। कार रोकने के लिए कहा लेकिन आरोपियों ने ऐसा नहीं किया। पीछे बैठे सिपाही रविंद्र ने कल्पना के हाथों को पकड़ लिया। उनके सिर पर वार किए और कहा कि इसको कुचलकर मार दो। आरोपियों ने उन्हें 200 मीटर तक घसीटा। कई बार कार को तिरछा चलाकर कुचलने की कोशिश की। जब नहीं कुचल पाए तो उनको धक्का देकर भाग गए थे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना की। आरोपपत्र दाखिल किया। कोर्ट में 14 गवाह और 22 साक्ष्य पेश किए गए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने चारों को दोषी करार दिया। सोमवार को चारों दोषियों को सजा सुनाई गई।

अक्षय कुमार ने संगम में लगाई डुबकी

प्रयागराज, 24 फरवरी (ब्यूरो)। वर्तमान में महाकुंभ में बॉलीवुड और अध्यात्म का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकार अक्षय कुमार ने सोमवार को त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई और आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की। एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने भी स्वामी चिदानंद सरस्वती के आश्रम में पहुंचकर सनातन संस्कृति के पावन पर्व की सुखद अनुभूति प्राप्त की। संगम में स्नान करने के बाद बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार ने कहा, मैंने खूब आनंद लिया। इस बार की व्यवस्था बहुत शानदार है। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इतनी बेहतरीन व्यवस्था करवाई। 2019 के कुंभ में लोगों को काफी दिक्कतें होती थीं, लेकिन इस बार सब कुछ बहुत सुव्यवस्थित है। अंबानी और अदाणी समेत बड़े उद्योगपति, बड़े सितारे यहां आ रहे हैं, जिससे महाकुंभ की भव्यता और बढ़ गई है। इस अवसर पर उन्होंने पुलिसकर्मियों और सफाई कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी कड़ी मेहनत से ही यह आयोजन इतना सफल हो पाया है। बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री कटरीना कैफ ने भी महाकुंभ में आध्यात्मिक यात्रा का अनुभव किया। उन्होंने परमार्थ निकेतन शिविर में स्वामी चिदानंद सरस्वती जी और साध्वी भगवती सरस्वती जी से आशीर्वाद लिया। उन्हें भगवान शिव की मूर्ति और रुद्राक्ष का पौधा भेंट किया गया। स्वामी चिदानंद सरस्वती जी ने कहा कि जब बॉलीवुड जैसी लोकप्रिय इंडस्ट्री के सितारे महाकुंभ में आते हैं, तो यह युवाओं को धर्म और संस्कृति से जोड़ने का कार्य करता है।

कश्मीर में सूखे और शुष्क सर्दी से पर्यटन हतोत्साहित

जम्मू, 24 फरवरी (ब्यूरो)। कश्मीर वादी में लंबे समय से जारी सूखे और सूखे जैसे हालात ने इस क्षेत्र के शीतकालीन पर्यटन क्षेत्र को भारी झटका दिया है। कभी अपने प्राचीन बर्फ से ढके परिदृश्यों के लिए मशहूर वादी में इस साल बर्फबारी की चिंताजनक कमी है, जिससे पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट आई है, खासकर इस क्षेत्र के प्रमुख शीतकालीन गंतव्य गुलमर्ग में।

पर्यटन हितधारकों ने गुलमर्ग में पर्यटकों की संख्या में 40 प्रतिशत की गिरावट की सूचना दी है, जबकि वादी के अन्य क्षेत्रों में 50 प्रतिशत की और भी अधिक गिरावट देखी गई है। इस संकट ने पर्यटन पर निर्भर क्षेत्रों में व्यापक आर्थिक संकट पैदा कर दिया है, जिसमें होटल व्यवसायियों से लेकर पर्यटक गाइड, दुकानदार और घुड़सवार शामिल हैं। होटलियर्स एसोसिएशन कश्मीर के अध्यक्ष अकीब छाया कहते हैं कि यह सर्दी हमने पहले कभी नहीं देखी है। उन्होंने बताया कि कम बर्फबारी ने पर्यटकों की संख्या को काफी प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुई हल्की बर्फबारी से पर्यटकों की संख्या में मामूली सुधार हुआ है, लेकिन यह महत्वपूर्ण नुकसान की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं है। वे कहते थे कि खेलो इंडिया विंटर गेम्स के स्थगित होने से आर्थिक झटका और बढ़ गया है, यह एक प्रमुख खेल आयोजन है जो फरवरी में गुलमर्ग में होने वाला था। अपर्याप्त बर्फबारी के कारण इस आयोजन के रद्द होने से 800 से अधिक होटल रूम की बुकिंग रद्द हो गई, जिससे आतिथ्य उद्योग को बड़ा वित्तीय नुकसान हुआ।

गुलमर्ग के एक अन्य होटल व्यवसायी ने खुलासा किया कि सप्ताह भर चलने वाले इस आयोजन के आखिरी समय में रद्द होने से बुकिंग में 50 परसेंट की गिरावट आई, जिससे कई व्यवसाय अस्त-व्यस्त हो गए। गुलमर्ग के एक होटल व्यवसायी ने दुख जताते हुए कहा कि पर्यटन में गिरावट और कम बर्फबारी के कारण हमें भारी नुकसान हुआ है। यह बात उद्योग में कई लोगों की निराशा को दर्शाती है। कई पर्यटक कश्मीर के प्रसिद्ध बर्फीले परिदृश्यों का अनुभव करने की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन बर्फबारी की कमी से आगंतुक निराश हैं और व्यवसाय संघर्ष कर

रहे हैं। पर्यटन क्षेत्र की परेशानियां स्थानीय गाइडों, हाउसबोट मालिकों व छोटे दुकानदारों तक पहुंच गई हैं, जो सभी शीतकालीन पर्यटन पर बहुत अधिक निर्भर हैं।

गुलमर्ग के एक पर्यटक गाइड रफीक अहमद ने अपनी निराशा साझा करते हुए कहा कि कश्मीर के बर्फीले अजूबों के माध्यम से पर्यटकों का मार्गदर्शन करने के अपने 15 वर्षों में, मैंने ऐसा कभी नहीं देखा। शीतकालीन खेल, जो एक प्रमुख आकर्षण थे, इस वर्ष लंबे समय तक सूखे के कारण मौजूद नहीं हैं। अहमद ने, कई अन्य लोगों की तरह, आजीविका के नुकसान पर चिंता व्यक्त की क्योंकि बर्फ की अनुपस्थिति का मतलब कम पर्यटक और कम गतिविधियां हैं। टंगमर्ग के एक अनुभवी गाइड मोहम्मद अकरम बताते थे कि कैसे बर्फ से ढके पहाड़ और जमी हुई झीलें कभी कश्मीर के शीतकालीन पर्यटन की पहचान थीं।

अकरम ने कहा, अब ऐसा लगता है कि कश्मीर का दिल गायब है। पर्यटक जादुई अनुभव की उम्मीद में आते हैं दुकानदार, जो कभी सर्दियों में बर्फ से बने सामान, स्थानीय हस्तशिल्प और स्मृति चिन्ह खरीदने वाली भीड़ से खुश थे, वे भी वित्तीय अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। केनजर टंगमर्ग के एक दुकानदार गुलाम हसन मलिक कहते हैं, हमारी दुकानें पर्यटकों से भरी रहती थीं, लेकिन इस साल यह अजीब तरह से शांत है। बर्फबारी के बिना, हमारे व्यवसाय संघर्ष कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बर्फबारी केवल एक तमाशा नहीं है, बल्कि कश्मीर के पर्यटन की आत्मा है, और इसके बिना, उनकी आजीविका खतरे में है। यहां तक कि स्थानीय घुड़सवार, जो आमतौर पर गुलमर्ग के बर्फ से ढके रास्तों पर सवारी प्रदान करते हैं, अब कठिनाई का सामना कर रहे हैं। स्थानीय घुड़सवार गुलजार भट ने समझाया कि बर्फबारी केवल पर्यटकों के लिए ही नहीं, बल्कि हमारे लिए भी एक वरदान है। इसका मतलब है स्थिर आय और साल भर के लिए हमारे परिवारों को पालने के लिए पर्याप्त धन। अब, थोड़ी बर्फबारी के कारण, हमारे घोड़े बेकार हैं, और हमें नहीं पता कि कैसे गुजारा करें।

तात्कालिक आर्थिक नुकसान के अलावा, शुष्क सर्दियों ने पर्यावरणविदों और जलवायु विशेषज्ञों के बीच चिंता बढ़ा दी है। कश्मीर विश्वविद्यालय के जियोइन्फॉर्मेटिक्स विभाग के वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर डॉ. इरफान राशिद ने दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रभाव की चेतावनी दी है। उन्होंने बताया कि इस साल सात वर्षों के बाद बर्फ रहित सर्दी है, जिसमें महत्वपूर्ण चिल्लेकलां अवधि (सर्दियों का सबसे कठोर हिस्सा) में बर्फ की भारी कमी देखी गई है।

डॉ. राशिद कहते हैं कि शुष्क सर्दियों का मतलब है ग्लेशियरों का अधिक द्रव्यमान नुकसान, जो ग्लेशियर के स्वास्थ्य, प्रवाह और पूरे जल विज्ञान चक्र को प्रभावित करेगा। यदि मौसम की स्थिति में सुधार नहीं होता है, तो यह जल विद्युत उत्पादन, सिंचाई और क्षेत्र के जल संसाधनों पर निर्भर अन्य क्षेत्रों को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे यह जलवायु परिवर्तन स्की पर्यटन और अन्य सर्दियों से संबंधित गतिविधियों में भविष्य में व्यवधान पैदा कर सकता है जो क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो भाइयों को रौंदा, मौत

लखनऊ, 24 फरवरी (ब्यूरो)। लखनऊ-सुल्तानपुर नेशनल हाईवे पर हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र के चौबीसी गांव के पास सोमवार की देर शाम तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो सगे भाइयों की मौत हो गई, जबकि तीसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

पुलिस के मुताबिक अमेठी जिले के शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव निवासी देवी प्रसाद लोधी के तीन पुत्र चंदन कुमार (26), सूरज (23) व रघुनंदन (17) सोमवार देर शाम बाइक से हैदरगढ़ से अमेठी की ओर लौट रहे थे। हाईवे पर उनकी बाइक दाहिनी ओर थी, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि चंदन और रघुनंदन सड़क पर गिरकर ट्रक की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि सूरज गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों को सीएचसी हैदरगढ़ पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चंदन और रघुनंदन को मृत घोषित कर दिया।

भाजपा सरकार ने महाकुंभ को राजनीतिक इवेन्ट बनाने का किया काम: अखिलेश यादव

लखनऊ , 24 फरवरी (ब्यूरो)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि महाकुंभ संतो, धर्माचार्यों और आम जनता का श्रद्धा का धार्मिक आयोजन है। लेकिन भाजपा सरकार ने इसे राजनीतिक इवेन्ट बनाने का काम किया। भाजपा सरकार महाकुंभ के सुचारू आयोजन में फेल रही है। न तो भीड़ का मैनेजमेंट कर पायी, न श्रद्धालुओं के यातायात की व्यवस्था कर पायी और न स्नान के लिए साफ पानी उपलब्ध करा पायी।

संगम में गंगा जल को लेकर केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और एनजीटी की रिपोर्ट भाजपा सरकार की नाकामी का दस्तावेज है। गंगा जी की सफाई के नाम पर हजारों करोड़ का बजट आया। बजट साफ हो गया लेकिन गंगा नदी साफ नहीं हो पायी। समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर

सोमवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं और नेताओं को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि कुंभ के आयोजन के लिए स्थायी और बुनियादी ढांचा विकसित करने की आवश्यकता है। इसलिए जिस तरह की भी सलाह की आवश्यकता हो समाजवादी पार्टी देने के लिए तैयार है। केन्द्र सरकार को प्रयागराज का किला उत्तर प्रदेश सरकार को दे देना चाहिए। कुंभ के आयोजन के लिए केन्द्र और यूपी सरकार को मिलकर दो लाख करोड़ रूपये का कार्पस फण्ड बनाना चाहिए। इसमें एक लाख करोड़ रूपये राज्य सरकार दे और एक लाख करोड़ रूपये केन्द्र सरकार दे। जिससे कार्पस फण्ड के एक लाख करोड़ रूपये से स्थायी बुनियादी ढ़ांचा तैयार हो सके और एक लाख करोड़ रूपये से कुंभ में आने जाने वाले गरीब श्रद्धालुओं के लिए यातायात व्यवस्था, सुविधाओं का विकास किया जाय ताकि महाकुंभ में फिर कभी इस तरह की घटनाएं न हो और ऐसे हालात न पैदा हो जैसे इस बार हुए है। यादव ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार डबल ब्लंडर है। अब संगम में गंगा जी के जल को लेकर केन्द्र और प्रदेश की सरकारें टकरा रही है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अपनी-अपनी रिपोर्ट को लेकर लड़ रहे हैं। भाजपा सरकार की एजेंसियों की लड़ाई को देखकर आम जनता ठगा महसूस कर रही है। महाकुंभ में पवित्र स्नान के लिए साफ पानी की भी व्यवस्था नहीं कर पायी। अखिलेश यादव ने कहा कि महाकुंभ में भगदड़ भाजपा सरकार की नाकामी है। इससे भी बढ़कर सरकार और मुख्यमंत्री ने संवेदनहीनता की पराकाष्ठा कर दी। सरकार भगदड़ की जानकारी छिपाती रही। भगदड़ के मृतकों और घायलों की सही जानकारी नहीं दी। लोग अपने परिजनों की जानकारी के लिए भटकते रहें।

बड़ी संख्या में लोगों की महाकुंभ आने जाने के दौरान रास्ते में दुर्घटना से मौत हो गयी। सरकार ने न तो मृतकों की कोई जानकारी दी और न तो उनके परिजनों की कोई आर्थिक मदद की। पूरी सरकार महाकुंभ भगदड़ मृतकों की संख्या, घायलों के इलाज पर झूठ बोलती रही। उन्होंने कहा कि कपड़ा पहनने से कोई योगी नहीं होता है। व्यक्ति व्यवहार, भाषा और आचरण से योगी बनता है। महाकुंभ में अभी बड़ी संख्या में लोग स्नान नहीं कर पाए हैं। करोड़ों लोग अभी स्नान करने को बाकी है। सरकार को कुंभ की तारीख बढ़ाना चाहिए।

28 फरवरी तक संपत्ति का ब्योरा नहीं दिया तो नहीं मिलेगा मार्च में वेतन

लखनऊ , 24 फरवरी (ब्यूरो)। यूपी के उन राज्य कर्मचारियों को फरवरी के वेतन का भुगतान मार्च में नहीं किया जाएगा जिन्होंने अपनी संपत्ति का विवरण मानव संपदा पार्टल में नहीं दिया है। यूपी के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा कि सभी कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से 28 फरवरी तक अपनी चल और अचल संपत्ति का विवरण मानव संपदा पोर्टल पर दे देना है। प्रदेश में जिन भी कर्मचारियों ने यह ब्योरा नहीं दिया है उनका फरवरी माह का वेतन रोक दिया जाएगा। मालूम हो कि सभी कर्मचारियों को 31 दिसंबर 2024 को ही अपनी चल और अचल संपत्ति का ब्योरा देना था। इसके बाद संपत्ति का ब्योरा देने की यह तिथि बार-बार बढ़ाई जाती रही है।

जनवरी और फरवरी के पहले सप्ताह में यह तिथि दो बार बढ़ाई गई है। सीएम ने निर्देश दिए थे कि सर्विस बुक को मानव संपदा पोर्टल पर ई-सर्विस बुक के रूप में परिवर्तित करते हुए सभी तरह के अवकाश और एसीपी आदि संबंधी कार्य भी 1 जनवरी 2024 से मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से ही किए जाएं।

वर्ष 2023-24 की वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट (एपीआर) मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से ही ऑनलाइन दाखिल की जाए। स्थानांतरण की स्थिति में कार्यमुक्त किए जाने और कार्यभार ग्रहण करने की कार्यवाही भी मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से की जाए। इस डेट को दो बार बढ़ाया जा चुका है।

विधानसभा में सीएम योगी : सपा के आचरण से सभ्य समाज हमेशा व्यथित रहा है

लखनऊ, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

सीएम योगी ने संविधान के सम्मान और संरक्षण को लेकर समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों को जमकर आईना दिखाया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, कांशीराम और अन्य दलित-पिछड़े महापुरुषों को समाजवादी पार्टी और विपक्ष की सरकारों ने कभी सम्मान नहीं दिया। सीएम योगी ने कहा कि आज डबल इंजन की सरकार ने संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर के सम्मान में कई कार्य किए हैं, जिसमें पंच तीर्थों का निर्माण और अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर की स्थापना शामिल है। सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के कृत्य को दुनिया ने अपनी आंखों से देखा है, उसको कहीं से भी क्लीन चिट मिल जाए फिर भी वे अपने पाप छुटकारा नहीं पा सकते हैं। समाजवादी पार्टी के इस आचरण से तो हर सभ्य समाज हमेशा व्यथित रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि यह वर्ष भारत के संविधान का अमृत महोत्सव वर्ष है। 26 जनवरी 1950 को लागू हुए संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर और अन्य संविधान निर्माताओं को श्रद्धांजलि देने का अवसर पर भी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पंच तीर्थों का निर्माण भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया। इसके अलावा लखनऊ में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के नाम पर एक इंटरनेशनल संस्कृति केंद्र का निर्माण, 26 नवंबर की तिथि को संविधान दिवस, काशी के सीर गोवर्धन को सुंदरीकरण, महर्षि वाल्मीकि के पावन तपों स्थल लालपुर चित्रकूट में सुंदरीकरण, बहराइच में महाराजा सुहेलदेव का विजय स्तंभ स्मारक, निषाद राज गुह का स्मारक और भगवान राम के साथ उनके 56 फीट ऊंची प्रतिमा श्रृंगवेरपुर में कॉरिडोर के रूप में विकसित करने का काम ये सब काम भारतीय जनता पार्टी की डबंल इंजन की सरकार कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि इस महत्वपूर्ण वर्ष के अवसर पर पुण्य स्लोका माता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती वर्ष भी है। सरकार एक बड़ी व्यवस्था उनके नाम पर घोषित करने जा रही है। इसके अलावा संत कबीर और संत रविदास के नाम पर भी हमारी सरकार एक योजना लेकर के आई है। उन्होंने कहा कि यही नहीं यह वर्ष इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि काकोरी ट्रेन एक्शन का यह महत्वपूर्ण शताब्दी वर्ष भी है काकोरी ट्रेन एक्शन देश की स्वाधीनता का एक महत्वपूर्ण अध्याय रहा है और यह उन सभी क्रांतिकारियों के प्रति सम्मान का भाव व्यक्त करने का अवसर है। हमारी सरकार इस पूरे आयोजन को पूरी भव्यता के साथ आयोजित करने के लिए कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, आप समाजवादी कब से अंबेडकर को सम्मान देने लगे? आपने तो कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नाम बदल दिया था। 2012 में जब आपकी सरकार बनी थी, तब तत्कालीन मुख्यमंत्री ने कहा था कि अंबेडकर जी और अन्य सामाजिक न्याय के महापुरुषों के नाम पर बने स्मारकों को तोड़कर मैरिज हॉल बना देंगे। उन्होंने सपा सरकार के दौरान हुए गेस्ट हाउस कांड और महिलाओं के प्रति उनके रवैये की भी तीखी आलोचना की। सीएम योगी ने कहा कि महिलाओं के प्रति आप लोगों का नजरिया क्या है, महापुरुषों के प्रति आप लोगों का नजरिया क्या है यह किसी से छुपा हुआ नहीं है। जिसके कृत्य को दुनिया ने अपनी आंखों से देखा है उसको कहीं से क्लीन चिट मिल जाए फिर भी वे अपने पाप छुटकारा नहीं पा सकते हैं। समाजवादी पार्टी के इस आचरण से तो हर सभ्य समाज हमेशा व्यथित रहा है।

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पहली बार 24 जनवरी 2018 को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस मनाया गया। इसी के साथ सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना शुरू की, जिसने उत्तर प्रदेश के पारंपरिक उत्पादों को नई पहचान दी। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि काला नमक चावल, जिसे भगवान बुद्ध का प्रसाद कहा जाता है, को सरकार ने विशेष पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि है एक जिला एक उत्पाद ने उत्तर प्रदेश के एक्सपोर्ट को बढ़ाया उत्तर प्रदेश आज के दिन पर लगभग सवा दो से ढाई लाख करोड रुपए के प्रोडक्ट का एक्सपोर्ट कर रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि यूपी दिवस के दूसरे वर्ष 2019 में भारत के हस्तशिल्पियों के प्रति सम्मान का भाव व्यक्त करने के लिए सरकार ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान की शुरुआत की। महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए गए कार्यों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने मिशन शक्ति अभियान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यूपी दिवस 2020 को शुरु की गई मिशन शक्ति अभियान से महिलाओं को जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन को लेकर सरकार पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि 2021 में महिला युवा किसान, 2022 में अमृत महोत्सव वर्ष और यूपी दिवस 2023 को ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट का आयोजन कर प्रदेश में 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्ताव प्राप्त किया। इसके माध्यम से 15 लाख करोड रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव अभी तक जमीनी धरातल पर उतारा जा चुका है। जिससे 60 लाख से अधिक नौजवानों को नौकरी उपलब्ध कराया जा चुका है। सीएम योगी ने कहा कि 2024 में हम लोगों ने उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के कार्यक्रम को श्री राम जन्मभूमि में 500 वर्षों के बाद अयोध्या में रामलला का विराजमान के साथ जोड़कर के वर्ष भर इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ने का काम किया था।

सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने यूपी दिवस के दिन इस वर्ष मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना लागू की है। इस योजना के तहत युवाओं को 5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा ताकि वे अपना उद्यम स्थापित कर सकें। उन्होंने बताया कि योजना को मात्र एक महीने में 96,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 25,000 से अधिक लोन स्वीकृत किए जा चुके हैं। 6,000 लोगों को बैंकों द्वारा ऋण भी वितरित कर दिया गया है। अयोध्या के विकास कार्यों पर विपक्ष की आलोचना का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले अयोध्या में कोई विकास कार्य नहीं होता था, लेकिन आज वहां 8 से 10 लाख श्रद्धालु प्रतिदिन आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने सड़कों का विस्तार, इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन का सुंदरीकरण न किया होता, तो इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु कैसे आते? उन्होंने यह भी कहा कि अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर के निर्माण के बाद वहां के स्थानीय व्यवसायियों को भी लाभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में बनने वाले सनातन धर्म संग्रहालय के लिए जमीन अधिग्रहण किया गया है, जो दुनिया भर के मंदिरों की स्थापत्य कला का प्रदर्शन करेगा।

बरेली में सांप्रदायिक तत्वों ने की कानून की ऐसी तैसी

हिंदुओं को होली खेलने पर लाशें बिछाने की धमकी

बरेली, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के बरेली में होली से पहले बड़ा बवाल हो गया। बारादरी थाना क्षेत्र के हजियापुर मोहल्ले में हिंदू समुदाय के कुछ लोग होली के लिए प्लानिंग कर रहे थे, तभी मुस्लिम समुदाय के युवकों ने उन पर हमला बोल दिया। आरोप है कि हमलावरों ने न सिर्फ मारपीट की, बल्कि धमकी दी कि होली मनाओगे तो लाशें बिछा देंगे। इस घटना से इलाके में तनाव फैल गया है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हजियापुर में रहने वाले लक्ष्मण, मुन्ना, शनि और आकाश अपने मोहल्ले में होली का प्रोग्राम फिक्स कर रहे थे। तभी वहां अयान, सलमान, अमन, रेहान, भूरा और आलम समेत कुछ युवक पहुंचे और अचानक हमला कर दिया। पीड़ितों का कहना है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों से पीटा और जान से मारने की धमकी दी। लक्ष्मण और उसके साथियों का आरोप है कि ये हमला होली से पहले माहौल खराब करने की साजिश है। इस मारपीट में लक्ष्मण, मुन्ना और आकाश को चोटें आईं। इसके बाद पीड़ितों ने पुलिस को बुलाया।

बारादरी थाना पुलिस फौरन मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। इलाका मिश्रित आबादी वाला और संवेदनशील है, इसलिए पुलिस ने कोई रिस्क नहीं लिया। छह नामजद आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि जाँच चल रही है। फिलहाल 2 को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना बारादरी, बरेली पर प्रकरण के संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत किया गया है। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 170 बीएनएसएस के अन्तर्गत नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

बरेली में सांप्रदायिक गुंडई का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले सावन में जोगी नवादा इलाके में कांवड़ियों पर पथराव और फायरिंग हुई थी। तब भी पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। अब होली से पहले ये नया विवाद सामने आने से लोग डरे हुए हैं। बारादरी का हजियापुर, जोगी नवादा और चकमहमूद इलाका पहले भी सांप्रदायिक झगड़ों का गवाह बन चुका है। ऐसे में पुलिस की कोशिश है कि होली में शांति बनी रहे।

यूपी सरकार ने संभल पर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की रिपोर्ट

लखनऊ, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट दाखिल कर बताया कि संभल का विवादित कुआं मस्जिद के बाहर और सार्वजनिक संपत्ति पर स्थित है।

शाही जामा मस्जिद समिति पर आरोप है कि उन्होंने भ्रामक तस्वीरों के जरिए कुएं को मस्जिद के अंदर दिखाने की कोशिश की। यूपी सरकार ने संभल हिंसा मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल की। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस कुएं की बात हो रही है, वह मस्जिद के बाहर है और सार्वजनिक संपत्ति पर है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि याचिकाकर्ता (शाही जामा मस्जिद समिति) ने भ्रामक तस्वीरों का उपयोग करते स्थान को गलत तरीके से पेश किया, ताकि यह दिखाया जा सके कि विवादित कुआं मस्जिद के अंदर है। इससे पहले शाही जामा मस्जिद समिति ने एक आवेदन दाखिल किया था, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सभी तरह कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। मस्जिद समिति ने आरोप लगाया था कि उत्तर प्रदेश सरकार क्षेत्र में प्राचीन कुओं को पुनर्जीवित करने के प्रयास में धार्मिक अनुष्ठान कर रही है और यह कुआं मस्जिद के अंदर है। मस्जिद ने यह भी कहा था कि इस तरह के प्रयासों से हिंसा भड़क सकती है।

यूपी की महिलाएं बन रही आर्थिक प्रगति की मिसाल

मनरेगा में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी

लखनऊ, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखने लगे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में मनरेगा योजनान्तर्गत महिलाओं की भागीदारी 42 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 96 लाख से अधिक परिवारों की महिलाओं को शामिल किया गया है। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

ग्राम स्तर पर डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए बीसी सखी योजना के तहत 39,556 बी.सी. सखी कार्यरत हैं, जिन्होंने अब तक 31,103 करोड़ रुपए से अधिक का वित्तीय लेन-देन संपन्न किया है।

इसके माध्यम से महिलाओं ने 84.38 करोड़ रुपए का लाभांश अर्जित किया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए चलाई जा रही लखपति महिला योजना के तहत 31 लाख से अधिक दीदियों का चिन्हांकन किया गया है। इनमें से 2 लाख से अधिक महिलाएं पहले ही लखपति बन चुकी हैं। इस योजना

ने ग्रामीण महिलाओं को उद्यमिता और स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान किए हैं, जिससे वे आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रही हैं।

प्रदेश सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। इसके अंतर्गत प्रोत्साहन राशि की व्यवस्था के लिए 300 करोड़ रुपए का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। इससे न केवल खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, बल्कि हजारों महिलाओं को नए रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में हो रहे ये प्रयास महिला सशक्तिकरण की एक नई मिसाल बन रहे हैं। सरकार की ये योजनाएं न केवल ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही हैं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही हैं।

योगी सरकार प्रदेश के सभी 57 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में एक-एक सूर्य सखी की तैनाती करेगी।

इसके लिए राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसअरएलएम) के तहत लाखों महिलाओं द्वारा स्थापित उद्यमों को अब डिस्ट्रिब्यूटेड रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादों से जोड़ा जाएगा। पहले चरण में 10,000 उद्यमों को सोलर आधारित तकनीकों से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे महिलाओं को सतत रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। वर्तमान में समूह की महिलाओं द्वारा लाखों की संख्या में उद्यम स्थापित किए गए हैं।

इन सभी महिलाओं द्वारा स्थापित उद्यमों को डीआरई प्रोडक्ट जैसे सोलर आटा चक्की, सोलर वाटर पम्प, सोलर ड्रायर, सोलर डीफ्रीजर, सोलर कोल्ड स्टोरेज, सोलर फूड प्रोसिंग मशीन, बायो फोलोक में सोलर सिस्टम, मिल्क चिल्लर को डीआरई प्रोडक्ट के माध्यम से जोड़ने की पहल शुरू की जाएगी। प्रथम चरण में 10 हज़ार उद्यमों को डीआरई प्रोडक्ट से जोड़ा जाना प्रस्तावित है।

यूपीएसआरएलएम के तहत प्रेरणा ओजस नामक कंपनी का गठन किया गया है, जो सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं को सहयोग देगी। यह कंपनी सोलर प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरिंग, सोलर शॉप्स, क्लीन कुकिंग और अन्य क्षेत्रों में महिलाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें उद्यमिता से जोड़ रही है। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (यूपीनेडा) के साथ मिलकर सूर्य सखी कार्यक्रम की भी शुरुआत की गई है, जिसके तहत प्रदेश की 57,702 पंचायतों में एक-एक सूर्य सखी की नियुक्ति की जाएगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला

महाकुंभ हादसे की सम्पूर्ण जांच न्यायिक आयोग करेगा

प्रयागराज, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकार के आश्वाशन पर महाकुंभ क्षेत्र में अमावस्या के दिन हुई सभी तीनों हादसों में हुई मौतों और लापता लोगों का पता लगाने की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग वाली जनहित याचिका निस्तारित कर दी। सरकार ने कोर्ट को बताया कि न्यायिक आयोग के जांच का दायरा बढ़ा दिया गया है। अब वह तीनों भगदड़ों में हुए जानमाल की हानि का भी पता लगाएगी।

यह आदेश मुख्य न्यायधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति शैलेन्द्र क्षितिज की अदालत ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव सुरेश चंद्र पांडे की ओर से दाखिल जनहित याचिका

पर दिया है। पिछली सुनवाई पर याची के अधिवक्ता सौरभ पांडेय ने कोर्ट ने मीडिया रिपोर्ट और अमावस्या पर तीन जगह हुई भगदड़ के प्रमाण स्वरूप वीडियो फुटेज की पैन ड्राइव दाखिल की थी। दावा किया था कि अमावस्या के दिन एक नहीं तीन जगह हादसा हुआ था।

खोया पाया केंद्र से लापता लोगों के परिजनों से लापता लोगों का आधार कार्ड मांगा जा रहा था। न होने पर उनके नामों की घोषणा नहीं की जा रही थी। इसके अलावा मीडिया रिपोर्ट के हवाले से यह भी दावा का था कि सरकार हादसे में हुई मौतों की संख्या गलत बता रही है। मौतें सौ से ज्यादा हुई थी जबकि सरकार ने केवल 30 मौतों को स्वीकार किया था। सरकार और प्रशासन की भूमिका संदिग्ध है। लिहाजा, हाईकोर्ट की निगरानी ने मौतों और लापता लोगों की उच्च स्तरीय जांच जनहित में जरूरी है।

सरकार की ओर से पेश अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने जनहित याचिका में उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग को गैर जरूरी बताया था। कहा था कि सरकार ने जांच के लिए पहले ही न्यायिक आयोग का गठन किया है। यह न्यायिक आयोग हादसे का कारण और भविष्य में बचाव के उपाय संबधी रिपोर्ट एक माह में पेश करेगा। हालांकि, सरकार की ओर से दी गई दलील से कोर्ट असंतुष्ट थी। कोर्ट ने आयोग की जांच का दायरा सीमित होने का हवाला देते हुए सरकार से रिपोर्ट तलब की थी कि हादसों में हुई मौतों और लापता लोगों का सरकार पता कैसे लगाएगी?

सोमवार को सरकार बैकफुट पर आई। कोर्ट को बताया गया कि सरकार ने न्यायिक आयोग की जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अभी तक न्यायिक आयोग संगम क्षेत्र में हुई भगदड़ के कारणों और भविष्य में घटनाओं को रोकने के उपाय सुझाने के लिए काम कर रहा न्यायिक आयोग अब मेला क्षेत्र में हुए सभी हादसों की जांच करेगा। इस दौरान हुई जानमाल की हानि का भी पता लगाएगा। कोर्ट ने सरकार के आश्वासन पर जनहित याचिका निस्तारित कर दिया।

महाकुंभ पर बेजा टिप्पणियों को लेकर भड़के सीएम योगी

गिद्धों को लाशें ही नजर आती हैं, सनातन का सौंदर्य नहीं

लखनऊ, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ को लेकर टिप्पणी करने पर विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने महाकुंभ में अव्यवस्था और भगदड़ के मुद्दे पर जवाब देते हुए कहा कि समाजवादियों और वामपंथियों को सनातन की सुंदरता रास नहीं आ रही है।

सीएम योगी ने कहा, महाकुंभ में जिसने जो तलाशा उसे वो मिला। गिद्धों को केवल लाश मिली। सुअरों को गंदगी मिली। संवेदनशील लोगों को रिश्तों की खूबसूरत तस्वीर मिली। आस्थावानों को पुण्य मिला। गरीबों को रोजगार मिला। अमीरों को धंधा मिला। श्रद्धालुओं को साफसुथरी व्यवस्था मिली। पर्यटकों को सुव्यवस्था मिली। सद्भावना वाले लोगों को जातिरहित व्यवस्था मिली। एक ही स्थान पर सभी जाति के लोगों ने स्नान किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ को लेकर किए जाने वाले प्रश्न समाजवादियों और वामपंथियों की नीयत को दर्शाते हैं। सीएम योगी ने कहा, महाकुंभ की व्यवस्थाओं को मैंने खुद देखा है। सपा सरकार में हुए कुंभ में एक गैर सनातनी को कुंभ का प्रभारी बना दिया गया था क्योंकि तब के मुख्यमंत्री के पास इसके लिए समय नहीं था। मुख्यमंत्री योगी ने राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा नेताओं के व्यवहार को लेकर भी विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि ये लोग संविधान की बात करते हैं। लोकतंत्र की बात करते हैं और महापुरुषों के सम्मान की बात करते हैं लेकिन राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा के लोगों का जो आचरण था वो बताता है कि वो संविधान के बारे में क्या सोचते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन के आयोजनों से यूपी को नई पहचान मिली है। प्रदेश के बारे में लोगों की धारणा बदली है। प्रदेश की कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। यही कारण है कि लाखों करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आ रहे हैं। हम लोगों ने अब तक 16 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा है जिससे कि 60 लाख युवाओं को रोजगार मिला है।

संपादकीय

पर्यटन परिसर, महज होटल नहीं

हिमाचल पर्यटन विकास निगम को घाटे से उबारने तथा निजी होटलों की प्रतिस्पर्धा में निखारने के लिए तरुण श्रीधर कमेटी की रिपोर्ट पर गौर फरमाएं, तो अपनी क्षमता का सदुपयोग सार्वजनिक क्षेत्र कर सकता है। कमेटी निगम के बोझ को हल्का करने के लिए इसके ट्रांसपोर्ट व इंजीनियरिंग विंग को अलविदा कहने के अलावा आउटसोर्स भर्तियों की नालायकी को भी अव्यावसायिक मान रही है। मोटे तौर पर देखें तो यह 55 सरकारी होटलों के ढर्रे और ढांचे पर सवाल उठा रही है। बेशक कार्यप्रणाली में सुधार के पहले भी प्रयत्न हुए और अब भी श्रीधर कमेटी इस दिशा में अनेक उपायों की सिफारिश कर रही है। समझना यह होगा कि होटल चलाना साधारण व्यवसाय नहीं और न ही यह विभागीय तौर-तरीकों से चल सकते हैं, लिहाजा यहां प्रोफेशनल को विशेष अनुबंध पर नियुक्त करना होगा। सभी होटलों को जगह, सेवा, स्कोप और भविष्य की दृष्टि से वर्गीकृत करते हुए, सैलानियों, सामाजिक और घरेलू मांग के आधार पर विकसित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए जोगिंद्रनगर में पर्यटन निगम की संपत्ति को वेडिंग जोन की तरह इस्तेमाल करना चाहिए ताकि वहां वैवाहिक समारोह आयोजित किए जा सकें, लेकिन इसके साथ मार्केटिंग का वर्तमान ढर्रा भी बदलना होगा। एचपीटीडीसी को बड़े भोज में स्थानीय स्तर पर वेंडर्स से तालमेल बनाना होगा। राज्य स्तरीय दृष्टि से अगर प्रदेश के वेंडर्स व रसोइयों का पैनल बनाकर पर्यटन निगम अपनी शहरी संपत्तियां में बड़े आयोजनों की मेहमाननवाजी का सफल किरदार अख्तियार करे, तो कितने परिसर महज होटल नहीं रहेंगे। सरकारी होटलों को अपने काम, प्रदर्शन, व्यवहार और उपयोगिता की कतार बदलनी है। ऐसा क्यों नहीं होता कि प्रदेश के प्रमुख हाईवे या फोरलेन के मध्य एचपीटीडीसी के गार्डन रेस्तरां, फ्लोटिंग रेस्तरां, रिवाल्विंग रेस्तरां व ट्री टॉप रेस्तरां की एक श्रृंखला का विकास किया जाए। निगम अपने स्तर पर कृत्रिम झीलें, घाट व मनोरंजन स्थल विकसित करके रेस्तरां को पिकनिक स्पॉट बना दे। ऊना-चिंतपूर्णी के बीच 'बाम्बे पिकनिक स्पॉट' ने अपने चार दशक के वजूद को उस सडक़ से गुजरते हर सैलानी का डेस्टिनेशन बना दिया, लेकिन एचपीटीडीसी आज तक ऊना, हमीरपुर, मंडी या बैजनाथ से गुजरते पर्यटकों के ठहराव को अपने आतिथ्य में चिन्हित नहीं कर पाया। इस दौरान पर्यटन का सलीका और सैलानियों का वर्ग बदल गया। हिमाचल में युवा पर्यटक सबसे अधिक रुचि के साथ आ रहे हैं, तो उन्हें हॉस्टल या टैंट कालोनियों में जगह चाहिए। ऐसे में ट्रैकिंग, पैराग्लाइडिंग व रिवर राफ्टिंग साइट्स के करीब इस तरह की सुविधाएं बढ़ानी चाहिएं। कई सरकारी होटलों को पर्यटक छात्रावास के रूप में पेश करने की जरूरत है। दूसरी ओर कुछ होटलों को व्यावसायिक जरूरतों के अनुरूप कारपोरेट गतिविधियों के अनुरूप स्तरोन्नत करना होगा। बीबीएन में इस तरह के होटल की जरूरत है, तो राजधानी समेत कुछ बड़े शहरों में भी इसी लक्ष्य से कुछ होटल चिन्हित करने पड़ेंगे। प्रदेश के पांच सबसे अहम पर्यटक स्थलों में स्थित निगम के होटलों को नए अवतार में पेश करने की जरूरत है, तथा हर शहर में बैंक्वेट हाल जोडऩा चाहिए।

मोटे तौर पर देखें तो यह 55 सरकारी होटलों के ढर्रे और ढांचे पर सवाल उठा रही है। बेशक कार्यप्रणाली में सुधार के पहले भी प्रयत्न हुए और अब भी श्रीधर कमेटी इस दिशा में अनेक उपायों की सिफारिश कर रही है। समझना यह होगा कि होटल चलाना साधारण व्यवसाय नहीं और न ही यह विभागीय तौर-तरीकों से चल सकते हैं, लिहाजा यहां प्रोफेशनल को विशेष अनुबंध पर नियुक्त करना होगा। सभी होटलों को जगह, सेवा, स्कोप और भविष्य की दृष्टि से वर्गीकृत करते हुए, सैलानियों, सामाजिक और घरेलू मांग के आधार पर विकसित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए जोगिंद्रनगर में पर्यटन निगम की संपत्ति को वेडिंग जोन की तरह इस्तेमाल करना चाहिए ताकि वहां वैवाहिक समारोह आयोजित किए जा सकें, लेकिन इसके साथ मार्केटिंग का वर्तमान ढर्रा भी बदलना होगा। एचपीटीडीसी को बड़े भोज में स्थानीय स्तर पर वेंडर्स से तालमेल बनाना होगा। राज्य स्तरीय दृष्टि से अगर प्रदेश के वेंडर्स व रसोइयों का पैनल बनाकर पर्यटन निगम अपनी शहरी संपत्तियां में बड़े आयोजनों की मेहमाननवाजी का सफल किरदार अख्तियार करे, तो कितने परिसर महज होटल नहीं रहेंगे।

दुनिया में बढ़ती समस्याओं को देखते हुए आज सामाजिक न्याय की जितनी जरूरत है उतनी पहले शायद पहले नहीं थी

सामाजिक न्याय की पिच पर नई सोशल इंजीनियरिंग अपेक्षित

ललित गर्ग

अधिक न्यायसंगत, अधिक समान, अधिक मानवीय समाज बनाने की आवश्यकता की याद दिलाना। इसका उद्देश्य हमें यह पहचानने में मदद करना है कि मनुष्य के रूप में हमने जितनी भी प्रगति की है, उसके बावजूद कई बाधाएं अधिसंख्य लोगों को एक निष्पक्ष एवं समानतापूर्ण जीवन जीने से रोकती हैं। इस दिवस की 2025 की थीम है 'समावेश को सशक्त बनाना : सामाजिक न्याय के लिए अंतराल को पाटना'। थीम प्रणालीगत असमानता को दूर करने में समावेशी नीतियों, निरंतर सीखने और सामाजिक सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है

विश्व सामाजिक न्याय दिवस सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने की आवश्यकता को पहचानने वाला एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है, जिसमें गरीबी, लैंगिक असमानता, महंगाई, महिला अत्याचार, बेरोजगारी, मानवाधिकार और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों से निपटने के प्रयास शामिल हैं। अधिक न्यायसंगत, अधिक समान, अधिक मानवीय समाज बनाने की आवश्यकता की याद दिलाना। इसका उद्देश्य हमें यह पहचानने में मदद करना है कि मनुष्य के रूप में हमने जितनी भी प्रगति की है, उसके बावजूद कई बाधाएं अधिसंख्य लोगों को एक निष्पक्ष एवं समानतापूर्ण जीवन जीने से रोकती हैं। इस दिवस की 2025 की थीम है 'समावेश को सशक्त बनाना: सामाजिक न्याय के लिए अंतराल को पाटना'। थीम प्रणालीगत असमानता को दूर करने में समावेशी नीतियों, निरंतर सीखने और सामाजिक सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है। इसे पहली बार साल 2009 में मनाया गया था। दुनिया में बढ़ती समस्याओं को देखते हुए आज सामाजिक न्याय की जितनी जरूरत है उतनी पहले शायद पहले नहीं थी। दुनिया में राजनैतिक विभाजन पहले से अधिक हो रहा है एवं समुदायों में असुरक्षा ज्यादा बढ़ती दिख रही है। हम सब मिलकर जाति-धर्म, गरीबी- अमीरी, वंश-वर्ग आदि सारे भेदभाव को भुलाकर एक स्वस्थ एवं आदर्श समाज की स्थापना करें और मानव अधिकारों का सम्मान करें, यही इस दिवस का मूल उद्देश्य है। सामाजिक न्याय की पिच पर ही नई सोशल इंजीनियरिंग तैयार हो सकती है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम है, जो आज अधिक प्रासंगिक है। इस संदर्भ में निष्पक्षता का अर्थ है शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा, न्याय और अन्य के समान मानकों तक समान पहुंच। सभी की इन चीजों के समान मानकों तक समान पहुंच होनी चाहिए, चाहे उनकी जाति, धर्म, लैंगिकता, लिंग या वर्ग कुछ भी हो। विश्व सामाजिक न्याय का मतलब है, ऐसा समाज बनाना जहां सभी लोगों को समान अधिकार, अवसर और व्यवहार मिलें। सामाजिक न्याय के ज़रिए समाज की आर्थिक और सामाजिक विषमताओं को कम करने की कोशिश की जाती है और सभी नागरिकों को सामाजिक समानता देने के प्रयास किये जाते हैं। समाज की सामान्य भलाई के लिए दूसरों की

देखभाल एवं सहायता करने की ज़िम्मेदारी और सभी को अपनी ज़िंदगी में सुधार करने के लिए समान अवसर मिले, इसके लिये यह दिवस एक आह्वान है। सामाजिक न्याय की आकांक्षा, यह सुनिश्चित करती है कि हर कामकाजी पुरुष और महिला को अपने योगदान के मुताबिक उचित हिस्सा मिले, जो सामाजिक न्याय, सामाजिक एकजुटता, आर्थिक विकास, और मानव प्रगति के लिए ज़रूरी है। विश्व सामाजिक न्याय दिवस को सफल बनाने के लिए कई देश एक साथ मिलकर बेरोजगारी, गरीबी, जाति भेदभाव, लिंग और धर्म के नाम पर बंटे लोगों को एकजुट करने की कोशिश करते हैं। भारत में भी सदियों से लोगों को समान अधिकार देने का विधान रहा है। इसके लिए भारतीय संविधान में सामाजिक असमानता को खत्म करने के लिए कई प्रावधान हैं। समाज में यह जागरूकता फैलाने की जरूरत है कि सभी एक हैं और किसी में भी कोई भेदभाव नहीं देखना चाहिए। भारत सरकार भी कई योजनाएं चला रही हैं। एक विचार के रूप में सामाजिक न्याय की बुनियाद सभी मनुष्यों को समान मानने के आग्रह पर आधारित है। इसके मुताबिक किसी के साथ सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पूर्वाग्रहों के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। हर किसी के पास इतने न्यूनतम संसाधन होने चाहिए कि वे 'उत्तम जीवन' की अपनी संकल्पना को धरती पर उतार पाएँ। विकसित हों या विकासशील, दोनों ही तरह के देशों में राजनीतिक सिद्धांत के दायरे में सामाजिक न्याय की इस अवधारणा और उससे जुड़ी अभिव्यक्तियों का प्रमुखता से प्रयोग किया जाता है। भारत जैसे देश में सामाजिक न्याय का नारा वंचित समूहों की राजनीतिक गोलबंदी का एक प्रमुख आधार रहा है। उदारतावादी मानकीय राजनीतिक सिद्धांत में उदारतावादी-समतावाद से आगे बढ़ते हुए सामाजिक न्याय के सिद्धांतीकरण में कई आयाम जुड़ते गये हैं। मसलन, अल्पसंख्यक अधिकार, बहुसंस्कृतिवाद, मूल निवासियों के अधिकार आदि। इसी तरह, नारीवाद के दायरे में स्त्रियों के अधिकारों को लेकर भी विभिन्न स्तरों पर सिद्धांतीकरण हुआ है और स्त्री-सशक्तीकरण के मुद्दों को उनके सामाजिक न्याय से जोड़ कर देखा जाने लगा है। अनेक असमानताओं, आग्रहों, समस्याओं के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में सामाजिक न्याय के उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, नयी-नयी योजनाओं को लागू किया है। मोदी सरकार का सामाजिक न्याय का तरीका समाज में विभेद करने का नहीं है, बल्कि समाज को जोड़ने का है। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय को समाज के वंचित एवं हाशिए पर पड़े वर्गों जैसे अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, विकलांग व्यक्ति, वरिष्ठ नागरिक तथा नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार लोगों आदि के कल्याण, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण का दायित्व सौंपा गया है। मोदी ने कहा भी है कि सामाजिक न्याय, तुष्टिकरण से नहीं, संतुष्टिकरण से आता है। सरकार के द्वारा कई योजनाएं के अंतर्गत लोगों को समान अधिकार देने की कोशिश की जा रही है। साथ ही समाज में व्याप्त असमानता, भेदभाव, ऊंचनीच को जड़ से समाप्त करते हुए इससे समस्त समाज का एकसाथ विकास का प्रयास हो रहा है। हम जिस लोकतंत्र में जी रहे हैं वह लोक-समानता का लोकतंत्र है या लोक-विभेद का? हम जो स्वतंत्रता भोग रहे हैं वह समानता की स्वतंत्रता है या अराजक एवं असमानता की? हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि 'यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।' रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि 'मनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है।' लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है।

दृष्टि कोण

प्रदेश में वित्तीय अनुशासन की जरूरत

वर्तमान में हिमाचल प्रदेश एक छोटा सा पहाड़ी राज्य, जिसके पास आय के बहुत सीमित साधन हैं, देश के सबसे ज्यादा कर्ज लेने वाले राज्यों में शुमार हो चुका है। यह स्थिति राज्य के गंभीर आर्थिक संकट को उजागर करती है, जहां पिछले कुछ वर्षों में लिया गया कर्ज केवल प्रदेश के विकास के लिए नहीं, बल्कि चुनावी लाभ प्राप्त करने के लिए खर्च किया गया है। यह एक ऐसी समस्या बन चुकी है, जिसका समाधान न तो सत्ता और विपक्ष के राजनीतिक टकरावों में है, न ही कर्ज के आंकड़ों को बढ़ाकर राजनीतिक फायदा हासिल करने में। प्रदेश के वित्तीय असंतुलन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हिमाचल अब एक कर्जदार राज्य नहीं, बल्कि कर्ज के जाल में फंसा हुआ राज्य बन चुका है। विधानसभा के बजट सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच हो रहे आरोप-प्रत्यारोप से कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह सवाल है कि हम अपनी वित्तीय स्थिति को कैसे सुधारें और राज्य की आर्थिक प्रगति के लिए स्थायी उपाय क्या हो सकते हैं। वर्तमान में, राज्य का राजकोषीय उत्तरदायित्व और कर्ज की सीमा दोनों ही बढ़ रही हैं। अगर इस कर्ज को चुकाने की क्षमता में वृद्धि नहीं होती, तो यह स्थिति प्रदेश के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। इसके आलावा राज्य सरकारों को चुनावी राजनीति के लिए फ्रीबीज से बचना चाहिए। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव के वक्त की जाने वाली मुफ्त की योजनाओं पर सख्त टिप्पणी की, जो कि कहीं न कहीं सरकारों के लिए एक चेतावनी है। हमारे मार्गदर्शक और हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री शांता कुमार भी कई बार सरकारों द्वारा फ्रीबीज और मुफ्त की रेवडियां बांटने की संस्कृति से होने वाले नुकसान पर अपनी चिंता व्यक्त कर चुके है। पिछले दो वर्षों में राज्य ने 25000 करोड़ का कर्ज लिया है और पुराने कर्ज को चुकाने के लिए लगभग 7000 करोड़ की अतिरिक्त उधारी उठानी पड़ी है। अब तक हिमाचल ने लगभग 98000 करोड़ का ऋृण लिया है, और कर्ज लेने की प्रक्रिया में निरंतरता बनी हुई है। यह कर्ज न केवल एक भारी आर्थिक बोझ बन चुका है, बल्कि भविष्य में यह हमारे आर्थिक संतुलन को और भी बिगाड़ सकता है। कर्ज का बढऩा असमानता और आर्थिक असंतुलन को बढ़ावा देगा, जो प्रदेश के विकास में रुकावट पैदा करेगा। राज्य के बोर्ड और निगम घाटे में चल रहे हैं, और इसके बावजूद सरकार का ध्यान कर्ज जुटाने पर केंद्रित है। सुधार की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि अब कर्मचारियों के वेतन के लिए भी कर्ज लिया जा रहा है। यह स्थिति दर्शाती है कि क्या राज्य सरकार के पास खर्चों को नियंत्रित करने और वित्तीय अनुशासन लागू करने का कोई उपाय नहीं है। राज्य सरकार को चाहिए कि वह केंद्र सरकार की विनिवेश नीति से कुछ सीखें और घाटे में चल रहे बोर्ड और निगमों से अपनी हिस्सेदारी खत्म करे। केंद्र सरकार कई सरकारी उपक्रमों की बिक्री करके अपने बजट घाटे को पूरा कर रही है, वहीं हिमाचल को भी अपने घाटे को कम करने के लिए ऐसे कदम उठाने चाहिए। लेकिन अफसोस, राज्य सरकार की प्राथमिकताएं फिजूलखर्ची और नए कार्यालयों के निर्माण पर केंद्रित हैं, जबकि प्रदेश की वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं हो रहे हैं। हिमाचल के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि वह अपनी आर्थिक नीति को निष्ठा और अनुशासन के साथ लागू करे। कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करना आवश्यक है। साथ ही, पर्यटन क्षेत्र में भी हमें अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। सैलानियों की संख्या बढ़ाकर इस क्षेत्र से अधिक राजस्व जुटाया जा सकता है। हवाई सेवाओं को सुधारकर और पर्यटन को बढ़ावा देकर राज्य की आय में वृद्धि हो सकती है। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश को अपने प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग करना चाहिए, विशेषकर जलविद्युत क्षेत्र में। हिमाचल में जलविद्युत उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन उनका पूर्ण उपयोग नहीं किया जा रहा है। यदि सरकार इस क्षेत्र में निवेश बढ़ाए और निजी क्षेत्र को साथ लेकर चले, तो यह राज्य के लिए एक बड़ा राजस्व स्रोत बन सकता है। इसके साथ ही स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहित करना और रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। यदि सरकार इन ठोस कदमों को उठाती है, तो आने वाले समय में राज्य की आर्थिक स्थिति में सुधार संभव है। लेकिन यह तभी संभव है जब हम राजनीतिक गुटबंदी और आरोप-प्रत्यारोप की बजाय राज्य की समृद्धि के लिए ठोस और प्रभावी निर्णय लें। कुल मिलाकर, हिमाचल प्रदेश को अपने वित्तीय संकट से उबारने के लिए एक ठोस, पारदर्शी और दीर्घकालिक वित्तीय नीति की आवश्यकता है। केवल कर्ज लेकर हम न तो प्रदेश का विकास कर सकते हैं और न ही आने वाली पीढियों के लिए एक स्थिर आर्थिक ढांचा बना सकते हैं।

कुछ अलग

जादुई छड़ी कहां है...

मसला बहुत सीरियस है। आतंकवाद, भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी से भी सीरियस। सरकार कह रही है कि 'मंहगाई रोकने के लिए उसके पास कोई जादुई छड़ी नहीं है।' विपक्ष कह रहा है कि जादुई छड़ी सरकार के पास ही है, लेकिन सरकार इस छड़ी को इस्तेमाल नहीं कर रही। सरकार और विपक्ष के बयानों में विरोधाभास से पूरे मुल्क में कन्फ्यूजन पैदा हो गई है। गली, मोहल्लों, कूचों से लेकर सरकारी दफ्तरों और दारू के ठेकों तक में अगर किसी करंट टापिक को लेकर चर्चा है तो बस यही कि जादुई छड़ी आखिर गई कहां? मुल्क में बाहर से कोई लुटेरा भी नहीं आया और न ही किसी थाने में जादुई छड़ी गुम होने की एफआईआर दर्ज है। फिर कहां गई जादुई छड़ी? क्या सरकार में बैठी किसी पुण्यात्मा ने इसे अपने लॉकर में छिपा दिया है या फिर आतंकवादियों ने जादुई छड़ी किडनैप कर ली है? चर्चाएं तरह-तरह की हैं। जितने मुंह, उतनी बातें। अब कहने वालों का कोई मुंह थोड़े ही पकड़ा जा सकता है? कोई कह रहा है कि जादुई छड़ी गायब या किडनैप नहीं हुई, बल्कि सरकार ने मल्टीनेशनल कंपनियों व देश के बड़े औद्योगिक घरानों के पास इसे गिरवी रखकर लोन लिया हुआ है ताकि सरकार चलाई जा सके। कोई कह रहा है कि सरकार ने जादुई छड़ी गिरवी नहीं रखी बल्कि मुनाफाखोरों और जमाखोरों को बेच दी है। बातों-बातों में कुछ लोग यह कहने से भी नहीं चूक रहे कि इस सरकार के पास ले-देकर एक जादुई छड़ी ही थी, जिसकी हिफाजत भी सरकार नहीं कर पाई। लिहाजा यह खेद का विषय है। इन तमाम चर्चाओं के बीच एक सज्जन सरकार का पक्ष लेते हुए कह रहे हैं कि 'सरकार का काम जादुई छड़ी की हिफाजत करना नहीं बल्कि सरकार में बैठे अपने लोगों के हितों की हिफाजत करना होता है।' सरकार के हिमायती एक और सजन फरमा रहे हैं कि 'सरकार बहुत बड़ी पावर होती है। वह अपने पास कोई छड़ी-वड़ी नहीं बल्कि लाठी रखती है जिससे गरीब आदमी को हांका जाता है।' एक अन्य सज्जन उसकी बात काटते हुए कहते हैं, 'लाठी सरकार के पास नहीं बल्कि गुंडों, लठैतों और बाहुबलियों के पास होती है जिससे वे मुल्क को हांकते हैं।' तीसरे सज्जन की दलील है कि लाठी सरकार और बाहुबलियों दोनों के पास होती है क्योंकि दोनों का काम हांकना है। एक चौथे सज्जन फरमाते हैं कि सरकार के पास छड़ी या लाठी नहीं बल्कि चाबुक होता है, जिसके दम पर वह लोकतंत्र के छकड़े को ठेलती है। विषय से विषयांतर कर रहे लोगों को हडक़ाते हुए पांचवें सज्जन ने कहा- 'बात जादुई छड़ी को लेकर हो रही थी, इसमें लाठी और चाबुक जैसी दो कौड़ी की आइटमें कहां से आ गई?' छठे सज्जन का कहना है कि महंगाई लाठी या चाबुक से नहीं बल्कि जादुई छड़ी से ही रुक सकती है और जादुई छड़ी चूंकि सरकार के पास है नहीं, इसलिए महंगाई पर हाय-तौबा मचाना फिजूल है। सातवें सज्जन ने सुझाव दिया कि मुल्कवासियों को अपने सारे धंधे छोडक़र जादुई छड़ी ढूंढने में लग जाना चाहिए। इस पर तैश में आकर आठवें सज्जन ने कहा कि लोग अपने धंधे क्यों छोड़ें? सरकार को अपने धंधे छोडक़र जादुई छड़ी ढूंढनी चाहिए। नौवें सज्जन का कहना है कि सरकार को यह काम सीबीआई को सौंप देना चाहिए।

देश दुनिया से

भारत-अमरीका आर्थिक रिश्तों का नया दौर

हाल ही में 17 फरवरी को भारतीय स्टेट बैंक के द्वारा प्रकाशित की गई एक रिपोर्ट के मुताबिक भले ही अमरीका भारत के उत्पादों पर 15 से 20 फीसदी का उच्च टैरिफ लगाए, लेकिन इसके बावजूद अमरीका को होने भारतीय निर्यात में कुल गिरावट केवल 3 से 3.5 फीसदी के आसपास ही रहने का अनुमान है। जबकि इसके दूसरी ओर भारत-अमरीका की द्विपक्षीय वार्ता से अब भारत-अमरीका के आर्थिक रिश्तों का जो नया दौर शुरू होगा, वह भारत के लिए कुल निर्यात बढ़ाने और अन्य वैश्विक कारोबार में भी लाभप्रद होगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमरीका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक हाथ से देने और दूसरे हाथ से लेने में अच्छी तरह से कामयाब दिखाई दे रहे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि द्विपक्षीय वार्ता के दौरान रणनीतिक रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने निष्पक्ष, मुक्त, पारस्परिक व्यापार के लिए एक योजना के तहत आगे बढ़े हैं और यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि अमरीका अब भारत की ओर से बहुत ज्यादा टैरिफ वसूले जाने को बर्दाश्त नहीं करेगा तथा रेसिप्रोकल टैरिफ यानी पारस्परिक समान टैरिफ से व्यापार असंतुलन की चिंताओं को कम करेगा। ट्रंप ने सभी देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ यानी प्रतिस्पर्धात्मक शुल्क लगाने का ऐलान किया। ट्रंप ने कहा कि जो देश अमरीका पर जितना टैरिफ लगाता है, उस पर अमरीका भी उतना ही टैरिफ लगाएगा। गौरतलब है कि द्विपक्षीय वार्ता में भारत और अमरीका दोनों देशों ने व्यापार निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र में कारोबार तथा वैश्विक व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने अमरीका के व्यापार घाटे को कम करने, व्यापार पर गतिरोध के बीच टैरिफ को कम करने, अधिक अमरीकी तेल, गैस और लड़ाकू विमानों की खरीदी के बारे में बात करने और रियायतों पर भी सहमति व्यक्त की है।

दोनो देशों ने द्विपक्षीय बातचीत के दौरान भारत और अमरीका के बीच वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार के लिए 500 अरब डॉलर का लक्ष्य निर्धारित किया है। ट्रंप ने कहा कि अमरीका अरबों डॉलर की सैन्य आपूर्ति बढ़ाने के तहत भारत को एफ-35 लड़ाकू विमान उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि भारत और अमरीका भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के निर्माण के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के बीच हुई अत्यधिक उत्साहजनक और सकारात्मक द्विपक्षीय वार्ता के बाद भारत और अमरीका के बीच टैरिफ संबंधी चुनौतियों के बावजूद कारोबार के नए ऐतिहासिक अध्यायों की डगर आगे बढने की संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। क्योंकि ट्रंप भारत की ओर से अमरीकी उत्पादों पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाने की शिकायत करते हुए भारत पर भी टैरिफ लगाने की बात लगातार कहते आए हैं, अब उनके द्वारा घोषित रेसिप्रोकल टैरिफ की नीति से भारत के भी अधिक टैरिफ वसूली की सीमा में आने की आशंका है। भारत ने पहले से ही इस बात को समझा है कि ट्रंप एक हाथ से लेने व दूसरे हाथ से देने में विश्वास करते हैं। यही कारण है कि भारत ने देखते ही देखते अपने यहां कुछ अमरीकी सामान पर टैरिफ कम करना शुरू कर दिया। एक फरवरी को पेश वर्ष 2025-26 के बजट में भारत ने अमरीका से आने वाली वस्तुओं जैसे महंगी मोटरसाइकिल, सैटेलाइट के लिए ग्राउंड इंस्टॉलेशन और सिंथेटिक फ्लेवरिंग एसेंस जैसे कुछ सामानों पर शुल्क घटा दिए हैं। साथ ही अब द्विपक्षीय वार्ता के आधारों पर दोनों देश एक-दूसरे के लिए उपयुक्त टैरिफ की डगर पर आगे बढ़ेंगे।

निसंदेह ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में वैश्वीकरण की जगह 'मेरा अमरीका प्रथम' की धारणा को उच्च प्राथमिकता देते हुए अमरीका की आत्मनिर्भरता की डगर पर बढऩा शुरू कर दिया है। यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों जहां एक फरवरी को अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीन पर एक्स्ट्रा 10 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया, वहीं 4 फरवरी को चीन ने पलटवार करते हुए अमरीका पर 15 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इससे अमरीका और चीन के बीच ट्रेड वार का नया दौर शुरू हो गया है। यह ट्रेड वार भारत के लिए नए अवसर खोल सकता है। ऐसी अनुकूलता के बावजूद भी भारत के सामने नई द्विपक्षीय वार्ता से निर्मित चुनौतियों से निपटने की चिंताएं हैं। यह बात महत्त्वपूर्ण है कि व्हाइट हाउस की ओर से रेसिप्रोकल टैरिफ पर जारी एक फैक्टस शीट में कहा गया है कि अमरीका जिन देशों को मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा देता है, उनके कृषि उत्पादों पर औसतन 5 फीसदी टैरिफ लगाता है, लेकिन भारत जिन देशों को मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा देता है, उनके कृषि उत्पादों पर भारी टैरिफ लगाता है। ट्रंप दोनों तरफ से बराबर टैरिफ चाहते हैं। यह बात महत्त्वपूर्ण है कि अगर ट्रंप प्रोडक्ट के ऊपर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएंगे, तो भारत पर अधिक असर नहीं पड़ेगा क्योंकि अमरीका जो प्रोडक्ट भारत निर्यात करता है भेजता है, वो कई प्रोडक्ट भारत अमरीका को नहीं भेजता है। लेकिन अगर अमरीका सेक्टर के तहत टैरिफ लगाता है, तो हो सकता है कि भारत को कुछ उत्पादों के निर्यात में मुश्किल का सामना करना पड़े और ऐसे में अमरीका के रेसिप्रोकल टैक्स से काफी असर पड़ सकता है। बहुत सारे उत्पाद जैसे टेक्सटाइल और कृषि उत्पादों में भारत का आयात शुल्क ज्यादा है, अगर अमरीका भी वैसे आयात शुल्क उन्हीं सेक्टर के अलग-अलग प्रोडक्ट में लगाने लगे, तो भारत के लिए काफी मुश्किल हो जाएगी। रेसिप्रोकल टैरिफ से भारत का निर्यात प्रभावित होगा। टैरिफ के अलावा अमरीका ने द्विपक्षीय वार्ता में कहा है कि भारत को अमरीका से ज्यादा तेल मंगाना होगा। ऐसे में इस समय सबसे अधिक तेल कम मूल्यों पर रूस से स्थानीय मुद्रा रूबल के भुगतान से प्राप्त हो रहा है, वह अधिक मात्रा में अमरीका से लेने पर डॉलर में भुगतान करना होगा।

आप का नजरिया

एमएसपी की गारंटी या नहीं

आखिर केंद्र सरकार और आंदोलित किसानों के बीच सहमति कब बनेगी? केंद्र सरकार स्पष्ट कब करेगी कि वह न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देगी अथवा नहीं? सरकार और किसानों के बीच बीसियों बैठकें हो चुकी हैं। मौजूदा दौर की यह छठी वार्ता थी, जो बेनतीजा ही रही। अब केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान हैं। उनसे पहले नरेन्द्र तोमर इस संवैधानिक पद पर थे। उन्होंने भी किसानों के अलग प्रतिनिधियों के साथ कई दौर की बेनतीजा बैठकें की थीं। अब संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) की अगुआई में 13 फरवरी, 2024 से किसान आंदोलित हैं और शंभु बॉर्डर तथा हरियाणा में जींद से सटे खनौरी बॉर्डर पर धरना दिए हुए हैं। 70 साल के बुजुर्ग, कैंसर के मरीज, किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल बीती 26 नवंबर से आमरण अनशन पर हैं। अन्न का दाना भी नहीं खा रहे, अलबत्ता मेडिकल ऐड जरूर ले रहे हैं, ताकि जिंदा रहकर आंदोलन जारी रख सकें। कृषि मंत्री समेत अन्य मंत्रियों ने भी अनशन समाप्त करने का अनुरोध किया, लेकिन किसान नेता की एक ही बुनियादी मांग है कि सरकार फसलों के एमएसपी की कानूनी गारंटी दे। पहले दिल्ली बॉर्डर पर भी किसान आंदोलन करीब 378 दिन चला था और अब भी 374 दिन बीत चुके हैं। दिल्लीवाला आंदोलन प्रधानमंत्री मोदी के इस आश्वासन के बाद वापस लिया गया था कि सरकार एमएसपी को प्रभावी बनाएगी। क्या प्रधानमंत्री के आश्वासन की कोई कीमत नहीं होती? एक कमेटी जरूर बनाई गई थी, जिसकी 6 बड़ी बैठकें हो चुकी हैं। छोटी बैठकें तो कई हुई हैं, लेकिन बैठकों के निष्कर्ष क्या रहे, आजतक उनका सार्वजनिक खुलासा नहीं किया गया। आखिर बातचीत के ढोंग कब तक किए जाते रहेंगे? एमएसपी का मुद्दा 1966 में पहली बार सामने आया था, जब इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री थीं। उनके बाद मोरारजी देसाई, चरण सिंह, फिर इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, वीपी सिंह, चंद्रशेखर, पीवी नरसिम्हा राव, अटल बिहारी वाजपेयी, देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल, फिर वाजपेयी, डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री रहे। बेशक उनके कार्यकालों के दौरान एमएसपी का मुद्दा उठता रहा होगा। यदि सुलझ नहीं सकता, तो मुद्दे को दफना देना चाहिए था। आंदोलन तो होते रहते हैं। अब नरेन्द्र मोदी बीते 11 सालों से प्रधानमंत्री हैं। उनके दौर में ही एमएसपी की कानूनी गारंटी का मुद्दा पुरजोर उठाया जाता रहा है। आखिर यह मुद्दा कितना पेचीदा है, जो सुलझ ही नहीं पा रहा है और लटका हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी का किसान की आय 2022 तक दोगुनी करने का वायदा भी खोखला साबित हुआ। किसानों पर 21 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। मनमोहन सरकार में कर्ज माफ करने के बावजूद आज भी कर्ज है। इसका जवाब भी सरकार को ही देना पड़ेगा। जाहिर है कि किसान की आमदनी पर्याप्त नहीं है, लिहाजा वह कर्ज लेने को विवश है। कृषि मंत्री मानते हैं कि खेती की आत्मा किसान ही हैं और कृषि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कृषि ने ही कोरोना महामारी के दौर में देश की अर्थव्यवस्था को बचाए रखा और विकास दर करीब 3.5 फीसदी रही। कृषि मंत्री की मान्यता के बावजूद किसानों को उनकी मेहनत, फसलों की माकूल कीमत क्यों नहीं मिल पा रही है।

वर्ष 2060 में धरती पर कोई बड़ा परिवर्तन होगा : भविष्यवाणी

लंदन, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

महान वैज्ञानिक सर आइजैक न्यूटन ने भविष्यवाणी की थी कि वर्ष 2060 में धरती पर कोई बड़ा परिवर्तन होगा। न्यूटन ने ने 300 साल पहले यह अनुमान लगाया था कि धरती का अंत कब होगा। हालांकि, उन्होंने 'अंत' शब्द की बजाय 'रिसैट' शब्द का इस्तेमाल किया, जिससे यह संकेत मिलता है कि या तो धरती का विनाश होगा या फिर एक नई दुनिया की शुरुआत होगी। न्यूटन, जो विज्ञान के साथ-साथ धार्मिक मान्यताओं में भी गहरी रुचि रखते थे, ने बाइबल की 'बुक ऑफ डेनियल' से गणना कर इस भविष्यवाणी को तैयार किया था। उन्होंने बाइबल में दर्ज तारीखों और ऐतिहासिक घटनाओं के आधार पर इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि 2060 में दुनिया में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होगा।

हैलिफ़ैक्स स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ किंग्स कॉलेज के प्रोफेसर स्टीफन स्नोबेलन के अनुसार, न्यूटन की यह भविष्यवाणी केवल चेतावनी थी, न कि निश्चित रूप से दुनिया के विनाश की घोषणा। न्यूटन ने अपने पत्र में लिखा कि यह दुनिया प्लेग जैसी महामारी या भीषण युद्ध के कारण खत्म हो सकती है। उन्होंने 3 राजाओं के काल (800 ई. से 1260 ई.) की अवधि को जोड़कर 2060 की तारीख निकाली। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यह समय आगे भी बढ़ सकता है, क्योंकि उन्हें दुनिया के जल्दी खत्म होने का कोई ठोस कारण नहीं दिखता। न्यूटन ने 'द बुक ऑफ डेनियल एंड रिवेलेशन्स' में दर्ज 1260, 1290 और 2300 जैसे संख्यात्मक संकेतों की व्याख्या की, जो संभावित सर्वनाश के संकेतक माने जाते हैं।

ऐतिहासिक दृष्टि से, उन्होंने देखा कि 800 ई. में चर्च के प्रभाव को चुनौती मिलने लगी थी, जबकि 1260 ई. के बाद विश्व में महत्वपूर्ण बदलाव होने शुरू हुए। हो सकता है कि 2060 में कोई वैज्ञानिक, सामाजिक या प्राकृतिक परिवर्तन हो, जो दुनिया की संरचना को नया रूप दे। सच्चाई क्या होगी, यह तो 2060 के आने पर ही पता चलेगा। उनकी गणना के अनुसार, 2060 में एक और बड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, न्यूटन की यह भविष्यवाणी सच होगी या नहीं, यह तो समय ही बताएगा। लेकिन उनकी गणना और बाइबिल के आधार पर निकाले गए निष्कर्षों को पूरी तरह नकारना भी संभव नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

जर्मनी के आम चुनाव में फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी की जीत

बर्लिन। जर्मनी के आम चुनाव में रविवार को विपक्षी नेता फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन ने जीत दर्ज की। इसी के साथ मर्ज का जर्मनी का नया चांसलर बनने का रास्ता साफ हो गया। 69 वर्षीय फ्रेडरिक मर्ज को रूढ़िवादी नेता माना जाता है। जर्मनी के समाचार पत्र बिल्ड ने चुनाव में फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी के जीत दर्ज करने की पुष्टि की है। उनकी पार्टी ने आम चुनाव में सबसे बड़ा वोट शेयर हासिल किया है। उन्होंने ओलाफ स्कोल्ज की वाम सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसपीडी) को शिकस्त दी है। जर्मन ब्रॉडकास्टर एआरडी के अनुसार, मर्ज के नेतृत्व वाले ब्लॉक (क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) और क्रिश्चियन सोशल यूनियन (सीएसयू) ने 28.5 प्रतिशत मत हासिल किया है। जर्मनी की दूसरी पार्टी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी ने 20.7 प्रतिशत वोट प्राप्त किया है। 11 नवंबर, 1955 को जर्मनी के ब्रिलोन में जन्मे मर्ज का परिवार कानून के क्षेत्र से जुड़ा रहा है। मर्ज ने भी कानून की पढ़ाई की है। वह 1972 में राजनीति में आए।1981 में चार्लोट से शादी की। चार्लोट जज हैं। उनके तीन बच्चे हैं। 1989 में मर्ज यूरोपीय संसद के लिए चुने गए। 1994 में उन्होंने होचसॉएरलैंडक्रेइस निर्वाचन क्षेत्र से जीतने के बाद जर्मन संघीय संसद बुंडेस्टाग में प्रवेश किया।

सूडान में हैजा से 83 लोगों की मौत सैकड़ों अस्पताल में भर्ती

खार्तून। गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने सूडान के व्हाइट नाइल राज्य में हैजा से मौत को लेकर आंकड़ा साझा किया है। इसके मुताबिक पिछले 72 घंटों में हैजा से 83 लोगों की मौत हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट नाइल में हैजा फैलने से 83 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 1,197 लोग इससे पीड़ित हैं, जिनमें से 259 लोग ठीक हो चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नेटवर्क ने स्वास्थ्य अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अस्पताल में बिस्तरों की कमी और बीमारों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त केंद्र खोलें। नेटवर्क ने स्थानीय प्राधिकारियों से जागरूकता अभियान तेज करने, बाजारों को संक्रमण मुक्त करने, पारंपरिक तरीकों से पेयजल वितरण को रोकने और जल नेटवर्क की कमी वाले क्षेत्रों में क्लोरीन वितरित करने का भी आह्वान किया है। इस बीच स्थानीय स्वयंसेवी समूह ने चेतावनी दी कि व्हाइट नाइल राज्य के प्रमुख शहर कोस्टी में स्वास्थ्य स्थिति बहुत खतरनाक है। जहां 800 से ज्यादा हैजा के मामले सामने आए हैं और कई लोगों की मौत हुई है। एक अन्य गैर सरकारी संगठन ने भी पुष्टि की कि बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु हो गई है, और 800 से अधिक लोग दस्त, डिहाइड्रेशन, उल्टी आदि के लक्षणों के चलते अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। पहले 100 मरीज बुधवार रात को उपचार केंद्र पहुंचे और शुक्रवार दोपहर तक यह संख्या 800 से अधिक हो गई। स्थानीय प्राधिकारियों ने हैजा के प्रकोप से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें नदी से पानी एकत्र करने पर प्रतिबंध लगाना, जल वितरण प्रणाली में क्लोरीनीकरण बढ़ाने का निर्देश देना और राज्य में बाजार और अधिकांश रेस्तरां बंद करना शामिल है। शनिवार को ही सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने व्हाइट नाइल में हैजा टीकाकरण अभियान शुरू करने की घोषणा की, जिसका लक्ष्य कोस्ती और रबाक शहरों में एक वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों को टीका लगाना है।

अगर हमने भारत को नहीं हराया तो मेरा नाम बदल देना,पाक के पीएम शहबाज ने दी चुनौती तो यूजर्स लेने लगे मजे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अकसर भारत से अपनी तुलना करते हैं। वहीं पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने एक

कार्यक्रम में कहा कि अगर हमने भारत को नहीं हराया तो मेरा नाम बदल देना। शहबाज शरीफ की ये चुनौती किसी युद्ध को लेकर नहीं, बल्कि तरक्की को लेकर थी लेकिन उनकी इस चुनौती को लेकर सोशल मीडिया पर यूजर उनके कान खींचने लगे हैं। कई यूजर ने उनकी इस चुनौती को चैपिंयन ट्राफी में होने वाले भारत और पाकिस्तान के मैच से जोड़ दिया है। बता दें शहबाज शरीफ ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान तरक्की के मामले में भारत से आगे नहीं निकलता है, तो मेरा नाम शहबाज शरीफ नहीं। शहबाज ने डेरा गाजी खान में एक बड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस दौरान उन्होंने कई डेवलपमेंटर प्रोजेक्ट्स लॉन्च किए और पाकिस्तान को मौजूदा चुनौतियों से बाहर निकालकर उसे एक महान राष्ट्र बनाने की कसम खाई है।

नेपाल में अवैध रूप से रह रहे सात बांग्लादेशी गिरफ्तार

काठमांडू,24 फरवरी (एजेंसियां)।

नेपाल पुलिस ने काठमांडू के विभिन्न इलाकों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेश के सात नागरिकों को रविवार की देर शाम गिरफ्तार किया है। यह लोग वीजा की अवधि समाप्ति या अवैध रूप से नेपाल में घुस कर रह रहे थे। काठमांडू जिले के क्राइम ब्रांच के एसएसपी रमेश बस्नेत ने सोमवार को बताया कि चोरी छिपे काठमांडू के विभिन्न इलाकों में बांग्लादेशी नागरिकों के अवैध रूप से रहने और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस ने विभिन्न इलाकों से बांग्लादेश के सात नागरिकों को गिरफ्तार किया। एसएसपी बस्नेत ने बताया कि गिरफ्तार बांग्लादेश के तीन नागरिकों के वीजा की अवधि को समाप्त हुए एक साल हो गया जबकि चार के पासपोर्ट पर वीजा ही नहीं है। उन्होंने आशंका जताई कि सभी अवैध रूप से भारत के रास्ते नेपाल के घुसे होंगे। पुलिस ने इनकी पहचान मोहम्मद अकुल इस्लाम (26), मोहम्मद आलममुल्ला (40), मोहम्मद जहांगीर आलम (37), मोहम्मद अमीनुल हक (36), मोहम्मद अब्दुल अहक (39), मोहम्मद नसरुद्दीन (28) और मोहम्मद मोहसार हुसैन (46) के रूप में की है।

पुलिस ने बताया कि पकड़े गए सभी बांग्लादेशी नागरिकों के संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त होने की सूचना मिली है। बस्नेत ने कहा कि ये सभी यहां के मेनपावर कंपनियों के साथ सेटिंग कर बांग्लादेशियों को यहां से खाड़ी देशों में भेजने का धंधा चला रहे थे। इसके एवज में यह लोग लाखों रुपये की वसूली भी करते थे।

तुर्की में बर्फीले तूफान से 18 प्रांतों की सड़कें बंद, कई गांवों से संपर्क टूटा

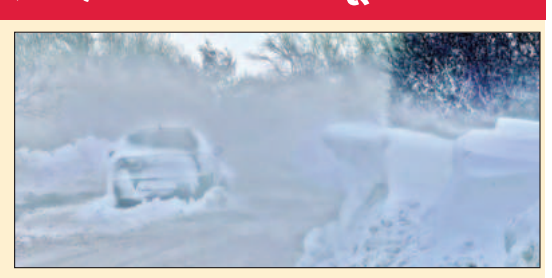

अंकारा। बर्फीले तूफानों से तुर्की के 18 प्रांतों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2,173 सड़कें बंद हो गई हैं। पूर्वी वान प्रांत क्षेत्र के महानगरों के 19 इलाकों और 35 छोटे गांवों का संपर्क टूट गया है। रिपोर्ट के मुताबिक एरसिस जिले में बर्फ 40 सेंटीमीटर तक जम गई है, जहां सड़कें साफ करने का काम जारी है। पूर्वी मुस प्रांत में प्रशासन बर्फबारी से लोगों को होने वाली परेशानी के लिए काम कर रहा है, लेकिन अब भी 46 गांवों की सड़कें बंद हैं। दक्षिण पूर्वी बिटलिस प्रांत में भी हालात गंभीर हैं। यहां 50 गांवों की सड़कें पूरी तरह से अवरुद्ध हैं। पूर्वी हक्कारी में पिछले दिनों हुई भारी बर्फबारी से 34 बस्तियों का संपर्क टूट गया था, जिनमें से 32 को फिर से जोड़ा गया है। शेमदीनली जिले के एलन गांव और युकसेकोवा जिले के अक्टोपरेक छोटे गांव में हिमस्खलन के खतरे के कारण रास्ते खोलने का काम नहीं हो सका है। काला सागर क्षेत्र में ऊंचाई वाले गांवों में बर्फबारी का ज्यादा असर पड़ा है। कस्तामोनु में पहाड़ी इलाकों में यातायात प्रभावित हुआ है, जबकि सीनोप में 282 गांवों की सड़कें बर्फ से ढक गई हैं। सीनोप प्रांतीय प्रशासन ने चेतावनी दी है कि सोमवार दोपहर तक बर्फबारी और ठंड के हालात बने रहने की संभावना है।

बिल्ली के ठाट: फेसबुक पर 6 हजार से अधिक फॉलोवर्स, रेलवे ने दिया मुफ्त यात्रा का पास

वॉशिंगटन, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

यहां टिली नाम की बिल्ली बेहद लोकप्रिय है और 6 हजार से अधिक लोग उसे फेसबुक पर फॉलो कर रहे हैं। टिली की लोकप्रियता की कई वजह है एक तो ये कि यह बिल्ली ट्रेन और बस में सफर करने की शौकीन है। हाल ही में उसने ट्रेन में 27 किमी का सफर किया है जिसके कारण रेलवे ने उसे जीवन भर के लिए मुफ्त पास जारी किया है। बिल्ली मालिक को उसे ढूंढने कोई दिक्कत न हो इसके लिए उसके गले में एयर टैग है जिससे उसे आसानी से ट्रैक किया जा सकता है।

एक बिल्ली की इन दिनों काफी चर्चा है जिसने ट्रेन से 27 किलोमीटर का सफर अकेले ही कर डाला। अजीब बात ये है कि बिल्ली के मालिक को उसे वापस लाने के लिए इतना ही सफर खुद कार से तय करना पड़ा तब कहीं जाकर वह उससे मिला और उसे वापस लेकर लौट सकता। लेकिन हैरानी की बात ये है कि अब रेलवे विभाग ने इस बिल्ली को जीवन भर ट्रेन से सफर करने का मुफ्त पास दे दिया है। इस अनोखी बिल्ली का नाम टिली है जिसकी उम्र केवल दो साल है। बिल्ली ने 17 मील यानी करीब 27 किलोमीटर से भी अधिक का सफर, यूके के सरी के वेब्रिज स्टेशन से लंदन क वाटरलू स्टेशन तक का सफर अकेले ही किया था।

मजेदार बात ये रही कि इसके मालिक 52 साल के माइकल हार्डी को उसे वापस लाने के लिए खुद भी लंदन तक का सफर कार से ड्राइव कर करना पड़ा। इस पूरी घटना का दक्षिण पश्चिम रेलवे ने संज्ञान लिया। टिली ने इसी रेलवे के मार्ग से अपना सफर किया था। अब रेलवे ने टिली को उसका अपना स्मार्टकार्ड बना कर दिया है जिससे भविष्य में वह मुफ्त में ट्रेन का सफर कर सकती है और दक्षिण पश्चिम के नेटवर्क का कोई भी सफर कर सकती है। दक्षिण पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि हमारी मूछों वाली यात्री फिर से अपने रोमांचक सफर पर निकलना चाहे तो अब उसके लिए हमने उसका खुद का ही कैट2गो स्मार्ट कार्ड जारी किया है।

पोप फ्रांसिस की हालत नाजुक, दोनों फेफड़ों में संक्रमण

वयोवृद्ध पोप फ्रांसिस की हालत गंभीर बनी हुई है। वह कुछ समय से अस्वस्थ हैं। ताजा रक्त परीक्षण में गुर्दे की विफलता के हल्के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने रविवार सुबह जेमेली अस्पताल की 10वीं मंजिल पर स्थापित अपार्टमेंट से पवित्र मास में भाग लिया। खबर में वेटिकन के हवाले से यह जानकारी दी गई। वेटिकन ने रविवार को जारी बयान में कहा कि 88 वर्षीय पोप अपने दोनों फेफड़ों में निमोनिया के संकट से जूझ रहे हैं। उन्हें एक सप्ताह पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें लगातार ऑक्सीजन दी जा रही है। वेटिकन ने कहा कि उनकी स्थिति दिन-प्रतिदिन जटिल हो रही है। फ्रांसिस दोनों फेफड़ों में निमोनिया के निदान के बाद अस्पताल में रहेंगे। ऑरलैंडो हेल्थ मेडिकल ग्रुप यूरोलॉजी के डॉ. जैमिन ब्रह्मभट्ट ने कहा है कि उनकी हालत अभी भी काफी गंभीर है। उल्लेखनीय है कि 14 फरवरी को पोप फ्रांसिस के अस्पताल में भर्ती होने के बाद 15 फरवरी को जयंती समारोह रद्द कर दिया गया था।

सफल होने का भी गुरुमंत्र है बर्न टोस्ट थ्योरी

एडिलेड, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

सोशल मीडिया पर इन दिनों यही संदेश दिया जा रहा है जिसे बर्न टोस्ट थ्योरी कहते हैं। यह सफल होने का भी गुरुमंत्र है। ऑस्ट्रेलिया की द यूनिवर्सिटी ऑफ एडिलेड ने स्टूडेंट्स की हेल्थ और वेलनेस के लिए बर्न टोस्ट थ्योरी बनाई।

इसमें कहा गया कि जला हुआ टोस्ट जिंदगी बचा सकता है। इसके लिए उदाहरण दिया गया कि एक स्टूडेंट कॉलेज के लिए निकलने वाला है। वह लेट हो रहा है लेकिन इससे पहले वह ब्रेकफास्ट में टोस्ट बनाता है जो जल जाता है। वह दूसरा टोस्ट बनाता है। इस वजह से वह देरी से टैक्सी लेता है। इसी बीच उसे खबर मिलती है कि वह जिस समय पर निकलने की सोच रहा था, उसी समय उसी के रूट पर एक कार एक्सिडेंट हुआ। वह उसी समय पर हुआ जब उसका टोस्ट जला और वह कोस रहा था कि इस वजह से वह लेट हो गया। अगर वह पहले निकला होता तो शायद यह हादसा उसके साथ हो सकता था। मनोचिकित्सक मुस्कान गर्ग कहती हैं कि एक बहुत ही मशहूर कहावत है-'जो होता है अच्छे के लिए होता है'। इसमें वाकई सच्चाई है। बर्न टोस्ट थ्योरी इसी कहावत को बयां करती है।

अक्सर लोग इस बात से परेशान रहते हैं कि मेरे साथ गलत हो गया लेकिन उसके दूसरे पहलू को नहीं देखते कि यह उनकी भलाई के लिए हुआ है। बर्न टोस्ट थ्योरी पॉजिटिव सोच को बढ़ावा देती है। इस थ्योरी के अनुसार जिंदगी बहुत छोटी-सी है इसलिए पुरानी बातों या नेगेटिव चीजों को याद करके परेशान नहीं होना चाहिए। ब्रेकफास्ट का जलना, ट्रेन का छूट जाना, इंटरव्यू में फेल हो जाना, जिंदगी का हिस्सा है। बुरे हालात में भी अच्छा सोचना चाहिए क्योंकि हर चीज किसी कारण से होती है।

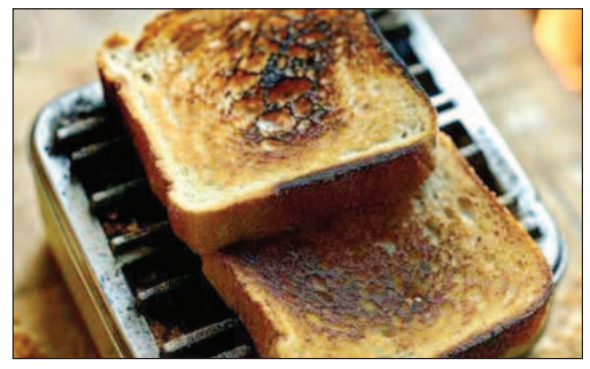

शराब में मिला देते हैं कटा हुआ अंगूठा, फिर भी मजे लेकर पीते हैं लोग

ओटावा, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

सॉरडग सलून नाम का रेस्टोरेंट है, जो डाउनटाउन होटल में है। यह होटल उत्तरी कनाडा के डॉसन शहर में स्थित है। होटल के इस बार में आप इंसानी पैर का अंगूठा (या उंगली) मिली ड्रिंक का 'आनंद' उठा सकते हैं। इस स्पेशल ड्रिंक को सॉरटो कॉकटेल कहा जाता है। डाउनटाउन होटल स्थित बार में यह खास ड्रिंक लगभग 50 साल से भी अधिक समय से पिलाई जा रही है।

बता दें कि इसकी कहानी भी बड़ी दिलचस्प है। अंगूठे की कहानी 1920 के दशक में शुरू होती है। उस दौरान लुई और ओट्टो नाम के दो भाई शराब की तस्करी करते थे। तस्करी के दौरान ही एक बार दोनों भाई बर्फीले तूफान में फंस गए। भारी ठंड के बीच लुई के पैर का एक अंगूठा शीतदंश का शिकार हो गया। उसमें घाव बनने लगा और वह बर्फ की वजह से गलने लगा। ओट्टो अपने भाई की ऐसी हालत देखकर परेशान हो गया। उसे लगा कि अंगूठा से होते हुए पूरे पैर में संक्रमण फैल जाएगा। ऐसे में उसने अपने भाई लुई के पैर के अंगूठे को काटकर अलग कर दिया। जिंदा वापस लौटने के बाद दोनों भाइयों ने उस अंगूठे को प्रिजर्व करने का फैसला किया। इसलिए उसे शराब में डालकर रख दिया, जिससे अंगूठा बिल्कुल सुरक्षित था।

जहाज में सालों से ये अंगूठा यूं ही रखा रहा। किसी को भी इस बात की जानकारी नहीं थी। लुई और ओट्टो की मौत भी हो गई। लेकिन तकरीबन 50 साल बाद कैप्टन डिक स्टीवेंसन को कैबिन की सफाई करते वक्त वह अंगूठा मिल गया। वे उसे डाउनटाउन होटल लेकर आ गए। उसके बाद से ही शराब में अंगूठा मिलाकर पीने का चलन शुरू हो गया। हालांकि, इस बात की ठीक-ठीक जानकारी नहीं है कि कैसे ये सब शुरू हुआ और चलन बन गया। लेकिन लोगों के बीच इस तरह से शराब पीने का क्रेज बढ़ता गया। लेकिन कई बार ये अंगूठे चोरी भी हो गए। हालांकि, इसके बावजूद होटल के पास अंगूठे की कभी कमी नहीं हुई। प्रतिबंध के बावजूद अगर कोई शराब के साथ अंगूठे को मुंह में ले लेता था, तो होटल ने उन लोगों पर जुर्माना लगाना शुरू कर दिया। शुरुआत में तो उसे निगलने पर 500 कनाडाई डॉलर (करीब 30 हजार रुपए) का फाइन लगाया गया। लेकिन 2013 में होटल मालिकों को बड़ी हैरानी हुई, जब एक ग्राहक ने ड्रिंक खत्म किया, अंगूठे को जानबूझकर निगला और शांति से 500 कनाडाई डॉलर फाइन देकर चला गया। हालांकि, इस घटना के बाद फाइन बढ़ाकर 2500 कनाडाई डॉलर (लगभग 1.50 लाख रुपयों के बराबर) कर दिया गया। हालांकि, साल 2017 में एक शख्स इस अंगूठे को ही चुरा लिया। बाद में पुलिस ने उसकी तलाश भी की। हालांकि, वो अंगूठा मिला या नहीं, इसकी जानकारी उपलब्ध नहीं है। लेकिन होटल के पास रिजर्व में अंगूठा होने के कारण सॉरटो कॉकटेल जारी है। इतना ही नहीं, जो कस्टमर ड्रिंक में मिले पैर के अंगूठे को होंठों से छू लेते हैं, उन्हें होटल एक प्रमाणपत्र भी देता है।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने विराट कोहली को 14 हजार वनडे रन पूरे करने पर दी बधाई

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को अपना 51वां एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (ओडीआई) शतक बनाने और 50 ओवर के प्रारूप में 14000 रन पूरे करने पर बधाई दी।

कोहली ने रविवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी मैच के दौरान वनडे क्रिकेट में 14,000 रन पूरे किए, ऐसा करने वाले वे केवल तीसरे क्रिकेटर बन गए।

जय शाह ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर कोहली के कवर ड्राइव की प्रशंसा की, जिसने उन्हें 14000 मील के पत्थर तक पहुंचाया।

उन्होंने एक्स पर लिखा, दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच के दौरान 14,000 वनडे रन पार करने पर विराट कोहली को बधाई और मील के पत्थर तक पहुंचने के लिए क्या शानदार कवर ड्राइव थी।

कोहली ने 111 गेंदों पर सात चौकों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए, जिसे देखना वाकई शानदार था। उनकी पारी 90.09 की स्ट्राइक रेट से आई, जिससे भारत ने पाकिस्तान के 241 रनों के स्कोर को आसानी से हासिल कर लिया। यह कोहली का आईसीसी वनडे मुकाबलों में छठा और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में पहला शतक था। वह सचिन तेंदुलकर (463 वनडे में 18,426 रन) और कुमार संगकारा (404 मैचों में 14,234 रन) के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। 299 वनडे में कोहली ने 58.20 की औसत से 51 शतकों और 73 अर्द्धशतकों के साथ 14,085 रन बनाए हैं। भारत-पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी रही और बाबर आजम (26 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 23 रन) ने 41 रन की ओपनिंग साझेदारी में कुछ बेहतरीन ड्राइव लगाए। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान ने 47 रनों पर दो विकेट खो दिये। यहां से कप्तान मोहम्मद रिजवान (77 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 46 रन) खुशदिल शाह (39 गेंदों में 38 रन, दो छक्कों की मदद से), सलमान आगा (19) और नसीम शाह (14) की पारियों की बदौलत पाकिस्तान की टीम 49.4 ओवर में 241 रन पर ढेर हो गई।

न्यूज ब्रीफ

पंजाब किंग्स को जीत दिलाना है लक्ष्य : पोंटिंग

नई दिल्ली। आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के नये मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उनका लक्ष्य इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र मे टीम खिताब जिताना है। इसी कारण उन्होंने मेगा नीलामी में श्रेयस अय्यर, अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ियों को मोटी कीमत पर खरीबा पोंटिंग ने कहा कि उनका लक्ष्य इस इस बार टीम को खिताबी जीत दिलाना रहेगा। इसी कारण इन खिलाड़ियों को लिया गया है। श्रेयस को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये में जबकि लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को 18 करोड़ रुपए में खरीदा। वहीं अर्शदीप को आरटीएम कार्ड के जरिये 18 करोड़ रुपये में जोड़ा। पोंटिंग ने कहा कि मैं एक ऐसे कप्तान को भी लाना चाहता था जिसके साथ मैंने पहले काम किया हो और जिसे काफी सफलता मिली हो। इसलिए हमने कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान रहे श्रेयस को खरीद। मैं चहल को भी लाना चाहता था। इस प्रकार अब हमारे पास काफी कुशल खिलाड़ी हो गये हैं। पंजाब किंग्स की टीम अभी तक कोई आईपीएल खिताब नहीं जीत पायी है। टीम ने साल 2014 में फाइनल में प्रवेश किया था पर वहां हार गयी थी। टीम दो बार प्लेऑफ में पहुंची है। वहीं 2008 में सेमीफाइनल तक वह पहुंची थी। टीम के लिए पिछले कुछ सत्र बेहद खराब रहे हैं। 2015 के बाद से ही टीम एक बार भी प्लेऑफ में नहीं पहुंची है।

इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे नोवाक जोकोविच

नई दिल्ली। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच एटीपी 1000-स्तरीय टूर्नामेंट इंडियन वेल्स में खेलेंगे। टूर्नामेंट के आयोजकों ने एक्स पर लिखा, एक दिग्गज रेगिस्तान में लौट आया है, जिससे इस बात की चिंता समाप्त हो गई कि वह खेलेंगे या नहीं। 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता पिछले महीने अलेक्जेंडर ज़वेरेव के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई ओपन सेमीफाइनल से हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण रिटायर्ड हो गए थे।वह पिछले हफ्ते कतर ओपन के पहले दौर में हार गए थे। 37 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने दोहा में बिना दर्द के खेला, लेकिन उनके निराशाजनक प्रदर्शन ने प्रशंसकों के बीच चिंता पैदा कर दी कि वह दक्षिणी कैलिफोर्निया के इस आयोजन में नहीं खेलेंगे। पांच बार के इंडियन वेल्स विजेता जोकोविच का लक्ष्य पेशेवर युग में जिमी कोनर्स (109) और रोजर फेडरर (103) के बाद 100 एकल खिताब जीतने वाला तीसरा खिलाड़ी बनना होगा।

पांच मई से एक बार फिर टेनिस कोट में खेलते दिखेंगे सिनर, दिग्गज खिलाड़ियों ने खेल के लिए निराशानजक बताया

लंदन। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर अब पांच मई से एक बार फिर टेनिस कोर्ट पर खेलते नजर आयेंगे। सिनर सभी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेल पाएंगे और उन्होंने विश्व में जो नंबर एक रैंकिंग हासिल की थी वह भी पहले की तरह ही रहेगी। सिनर को गत वर्ष मई में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड के सेवन का दोषी पाया गया था जिसके बाद से ही वह निलंबित चल रहे थे पर हाल ही में उनका उनका विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से समझौत हो गया था। इससे बाद उन्हें केवल तीन माह ही निलंबन में और गुजारने होंगे। इस दौरान उनके जीते खिताब ओर ईनामी राशि भी वापस नहीं ली जाएगी। वहीं विश्व के कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ी इस प्रकार के फैसले से नाराज हैं। इन खिलाड़ियों का का मानना है कि डोपिंग मामले में इस प्रकार का समझौता सही नहीं है। इससे खेलों में डापिंग को बढ़ावा मिलेगा। वहीं जो खिलाड़ी इस प्रकार के कामों में लिप्त नहीं होते उन्हें ये अपने साथ धोखा लगेगा क्योंकि डोपिंग में लिप्त खिलाड़ी भी उन्हीं के बराबर में आ जाएंगे। ऐसे में लोग सभी को समान मानेंगे। इसी को लेकर तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्विटजरलैंड के स्टैन वावरिंका ने सोशल मीडिया में लिखा, 'खेल में पारदर्शिता नहीं रहेगी। वहीं विंबलडन उपविजेता निक किर्गियोस ने कहा, 'टेनिस में अब निष्पक्षता पर सवाल उठे। सिनर की टीम ने केवल तीन महीने का प्रतिबंध लगाने के लिए अपनी तरफ से पूरी शक्ति लगा दी। उन्हें स्टार खिलाड़ी होने का लाभ मिला जो गलत तरीका है। वहीं दानिल मेदवेदेव ने कहा कि अब हर कोई डोपिंग में लिप्त होने के बाद इसी प्रकार से समझौते करेगा।

एक तीर से दो निशाना, न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश के साथ पाकिस्तान को भी चैंपियंस ट्रॉफी से किया बाहर

रावलपिंडी, 24 फरवरी (एजेंसियां) ।

रचिन रविंद्र की दमदार शतकीय पारी से आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप ए में न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही कीवी टीम का सेमीफाइनल में पहुंचना भी पक्का हो गया है। रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतने के बाद बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेशी टीम निर्धारित 50 ओवर के खेल में 9 विकेट के नुकसान पर 236 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में न्यूजीलैंड ने सिर्फ 5 विकेट के नुकसान पर गेंद 23 शेष रहते 240 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया।ग्रुप में न्यूजीलैंड की इस जीत के साथ ही बांग्लादेश की टीम सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई है। बांग्लादेश को मिली इस हार का खामियाजा मेजबान पाकिस्तान को भी भुगतना पड़ेगा। पाकिस्तानी टीम के लिए अब सेमीफाइनल की सारी उम्मीदें खत्म हो गई है। पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों ही टीमें टूर्नामेंट में अब तक एक भी मैच नहीं जीत पाई है। इस ग्रुप में बांग्लादेश और पाकिस्तान एक दूसरे साथ अपना आखिरी लीग मैच खेलेंगे।

इसके अलावा अब ग्रुप में न्यूजीलैंड के साथ टीम इंडिया सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बनेगी। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अपने दोनों लीग मैच जीतकर चार अंक हासिल किए हैं। वहीं नॉकआउट स्टेज से पहले भारतीय टीम का आखिरी मैच दुबई में न्यूजीलैंड के साथ ही 2 मार्च को खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ इस मुकाबले में बांग्लादेश की बल्लेबाजी की बात करें तो वह बहुत ही साधारण रही। कप्तान नजमुल हसन शांतो को छोड़कर और कोई भी बल्लेबाज टॉप ऑर्डर में उनका साथ नहीं निभा पाए।

यही कारण है कि टीम बड़ा स्कोर करने में सफल नहीं रही। शातों बांग्लादेश के लिए 110 गेंद में 77 रनों की पारी खेली। शांतो के अलावा जाकेर अली और रिशाद हुसैन ने जरूर कुछ देर के लिए पारी को संभालने की कोशिश की। जाकेर अली ने टीम ने 55 गेंद में 45 रनों की पारी खेली। वहीं रिशाद ने 26 रन का योगदान दिया।

डच फुटबॉल क्लब फेयेनोर्ड के मुख्य कोच बने रॉबिन वैन पर्सी

द हेग, 24 फरवरी (एजेंसियां) ।

डच फुटबॉल क्लब फेयेनोर्ड ने अपने पूर्व खिलाड़ी रॉबिन वैन पर्सी को तत्काल प्रभाव से मुख्य कोच नियुक्त किया है।42 वर्षीय वैन पर्सी, एससी हीरेनवीन से ब्रायन प्रिस्के की जगह लेंगे, जिन्हें 10 फरवरी को बर्खास्त कर दिया गया था। अंतरिम रूप से पास्कल बॉसचार्ट टीम का नेतृत्व कर रहे थे।

नीदरलैंड की राष्ट्रीय टीम के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर वैन पर्सी ने 2027 के मध्य तक फेयेनोर्ड के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। क्लब ने सहायक कोच के रूप में रेने हेक को भी शामिल किया है, जिन्होंने पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड में एरिक टेन हाग के सहायक के रूप में काम किया था। फेयेनोर्ड के महाप्रबंधक डेनिस ते क्लोसे ने कहा, हमें खुशी है कि हम क्लब के एक सच्चे आइकन को मुख्य कोच के रूप में नियुक्त कर रहे हैं। रॉबिन क्लब को अच्छी तरह से जानते हैं और सफलता के लिए आवश्यकताओं को समझते हैं।

खिलाड़ी से कोच तक का सफ़र

रॉटरडैम में जन्मे वैन पर्सी ने फेयेनोर्ड की युवा अकादमी से आगे बढ़ते हुए 2001-02 सीज़न में पहली टीम में अपनी शुरुआत की और उसी वर्ष टीम को यूईएफए कप जिताने में मदद की।

2004 में वे आर्सेनल गए, जहां उन्होंने दुनिया के शीर्ष स्ट्राइकरों में अपनी पहचान बनाई। इसके बाद उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ प्रीमियर लीग जीती और तुर्की के फेनरबाश में अपने खेल करियर का समापन किया। 2019 में वे फेयेनोर्ड में लौटे और वहां सेवानिवृत्त हुए।

सेवानिवृत्ति के बाद वैन पर्सी ने फेयेनोर्ड में कोचिंग करियर की शुरुआत की और विभिन्न युवा टीमों को प्रशिक्षित किया। 2024 की गर्मियों में, उन्होंने एससी हीरेनवीन में मुख्य कोच के रूप में अपनी पहली बड़ी जिम्मेदारी संभाली। हालांकि, उनकी टीम का प्रदर्शन मिश्रित रहा, लेकिन उनकी आक्रामक खेल शैली ने ध्यान आकर्षित किया।

बड़ी चुनौतियों का सामना

फेयेनोर्ड के नए मुख्य कोच के रूप में वैन पर्सी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। क्लब वर्तमान में इरेडिविसी में अजाक्स और पीएसवी के पीछे तीसरे स्थान पर है। वहीं, मार्च में टीम का मुकाबला चैंपियंस लीग के 16वें दौर में इंटर मिलान से होगा।

मनु की अगुवाई में आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी में उतरेगी भारतीय टीम

दक्षिण अमेरिका में अप्रैल में होने वाले सत्र के पहले आईएसएसएफ अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी विश्व कप में 35 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व स्टार महिला विजेता निशानेबाज मनु भाकर करेंगी। आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्वकप सत्र दक्षिण अमेरिका में विश्व कप के साथ शुरू होगा और इसमें दो चरण होंगे। इसका चरण अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में एक से 11 अप्रैल और दूसरा पेरू के लीमा में 13 से 22 अप्रैल के बीच खेला जायेगा। ओलंपिक पदक विजेता मनु विश्व कप में महिलाओं की एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भाग लेंगी। उनके साथ ओलंपियन अनीश भानवाला और विजयवीर सिद्धू पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में भाग लेंगे। वहीं ऐशा सिंह महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस, सिफत कौर सामरा और श्रेयांका साडंगी महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में उतरेंगे।

मुंबई के निखिल पाटिल ने जीता 2025 का भारतीय खेल फोटोग्राफी पुरस्कार

बेंगलूरु, 24 फरवरी (एजेंसियां) ।

मुंबई के जाने-माने फोटोग्राफर निखिल पाटिल ने भारतीय खेल फोटोग्राफी पुरस्कार (आईएसपीए) 2025 जीतकर देश में खेल फोटोग्राफी के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री के 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच के ऐतिहासिक क्षण को शानदार तरीके से कैद करने के लिए प्रदान किया गया।

बेंगलुरु इंटरनेशनल सेंटर में हुआ भव्य आयोजन - आईएसपीए 2025 का आयोजन बेंगलुरु इंटरनेशनल सेंटर में हुआ, जहां देश के बेहतरीन खेल फोटोग्राफरों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर महिला खेल श्रेणी में नेहा गनेरीवाल और क्रिकेट श्रेणी में संदीप परशुराम पंगेरकर को क्रमश: दूसरा और तीसरा स्थान मिला।

गगन नारंग की अध्यक्षता में हुआ निर्णायक मंडल का गठन - इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए प्रविष्टियों का मूल्यांकन ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग की अध्यक्षता में किया गया। हालांकि वह व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन प्रसिद्ध खेल पत्रकार शारदा उग्रा ने उनकी ओर से विजेताओं की घोषणा की।

गगन नारंग ने दी विजेताओं को बधाई - गगन नारंग ने वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा, खेल फोटोग्राफी सिर्फ़ एक्शन को कैप्चर करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन पलों को संजोने का जरिया है जो एक कहानी कहते हैं, पीढ़ियों को प्रेरित

करते हैं और खेल भावना का जश्न मनाते हैं। इस साल के विजेताओं ने अपनी तस्वीरों के माध्यम से यही दिखाया है - हर फ्रेम एक गहरी कहानी बयां करता है।

उन्होंने विजेता छवियों पर चर्चा करते हुए कहा, सुनील छेत्री द्वारा भीड़ को धन्यवाद देने का पल समर्पण और जुनून को दर्शाता है। क्रिकेट की तस्वीर में सभी विषयों को हवा में दिखाया गया है, जो खेल की गति और ऊर्जा को खूबसूरती से उकेरती है। साइमन बाइल्स की तस्वीर कठिन पलों को कैद करते हुए हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि एक खिलाड़ी अपने करियर में कितनी मेहनत और संघर्ष करता है।

आईएसपीए खेल फोटोग्राफी के लिए नई परंपरा की शुरुआत - आईएसपीए 2025 के पीछे प्रमुख प्रेरणास्रोत पॉज़िटिव स्पोर्ट्स वाइब कम्युनिटी के संस्थापक पॉल आर ने कहा, इस पुरस्कार का उद्देश्य उन फोटोग्राफरों को सम्मानित करना है जो अपने लेंस के माध्यम से खेल को जीवंत बनाते हैं। इस उद्घाटन संस्करण ने भारत में खेल फोटोग्राफी की शक्ति को पहचानने के लिए एक नई परंपरा की नींव रखी है।

चैंपियंस ट्रॉफी: भारत से हार के बाद मोहम्मद रिजवान ने माना, टूर्नामेंट में पाक का सफर समाप्त

दुबई, 24 फरवरी (एजेंसियां) ।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। रविवार को भारत के खिलाफ छह विकेट से हार झेलने के बाद पाकिस्तानी कप्तान मोहम्मद रिजवान ने स्वीकार किया कि उनकी टीम का सफर लगभग समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा, फिलहाल, हम कह सकते हैं कि यह खत्म हो गया है। यह सच्चाई है।

हालांकि, पाकिस्तान अभी आधिकारिक रूप से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुआ है। बांग्लादेश के खिलाफ अपने आखिरी लीग मैच से पहले उसे अन्य मैचों में कुछ अनुकूल परिणामों की आवश्यकता होगी। विशेष रूप से, उसे न्यूजीलैंड पर बांग्लादेश की अप्रत्याशित जीत की उम्मीद होगी।

रिजवान ने कहा कि वह किसी और के प्रदर्शन पर निर्भर रहकर आगे बढ़ना पसंद नहीं करते। उन्होंने स्पष्ट किया, एक कप्तान के रूप में, मुझे यह

पसंद नहीं है। अगर आप जीत सकते हैं, तो ऐसा करें। यदि आप नहीं कर सकते, तो इसके बारे में चिंता न करें। अगर आप किसी और की छाया में बैठे हैं, तो मुझे इसकी परवाह नहीं है।

पाकिस्तान की स्पिन रणनीति पर रिजवान ने दी सफाई

भारत ने इस मुकाबले में तीन स्पिनरों के साथ मैदान संभाला, जबकि पाकिस्तान ने सिर्फ एक विशेषज्ञ स्पिनर अबरार अहमद को मौका दिया। इस फैसले पर सफाई देते हुए रिजवान ने कहा, आप यह नहीं कह सकते कि हमने सिर्फ एक स्पिनर चुनकर गलती की। भारतीय टीम के पास कुलदीप यादव एक फ्रंटलाइन स्पिनर हैं, जबकि रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल ऑलराउंडर हैं। हमारे पास भी सलमान अली आगा और खुशदिल शाह थे, जिन्होंने अतीत में अच्छी गेंदबाजी की है।

मध्यक्रम की नाकामी पर जताई चिंता

रिजवान ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान का मध्यक्रम उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। उन्होंने कहा, हमारी योजना 270-280 रन बनाने की थी, क्योंकि पिच और आउटफील्ड दोनों धीमी थीं। अगर हमने 280 रन बनाए होते, तो शायद नतीजा कुछ और होता।

एक दशक के बाद वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

सेंट जॉन्स। ऑस्ट्रेलियाई टीक करीब एक दशक के बाद वेस्टइंडीज दौरे पर जा रही है। वेस्ट क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन टेस्ट और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलने के लिए इस साल जून और जुलाई में उसके यहां दौरे पर आयेगी। यह साल 2015 के बाद से ही ऑस्ट्रेलिया का वेस्टइंडीज का पहला टेस्ट दौरा होगा। साल 2015-16 में वेस्टइंडीज के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद दोनों देशों की टीमें पहली बार तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलती हुई दिखेंगी। सर फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी के लिए खेले जाने वाली इस टेस्ट सीरीज का पहला मैच 25 जून से ब्रिजटाउन, बारबाडोस में खेला जाएगा। वहीं दूसरा टेस्ट तीन जुलाई से सेंट जॉर्ज, ग्रेनाडा में और तीसरा टेस्ट 12 जुलाई से किंग्स्टन, जमैका में खेला जाएगा। इसके बाद पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की सीरीज खेली जाएगी। इसके पहले दो मैच किंग्स्टन में 20 और 22 जुलाई को खेले जाएंगे। वहीं बचे हुए तीन मैच 25, 26 और 28 जुलाई को सेंट किट्स में खेले जाएंगे।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,760 रुपये से लेकर 87,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 80,440 रुपये से लेकर 80,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 87,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 87,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

टेस्ला मालिकों की दुर्घटना दर 26.67प्रतिशत : सर्वे

नई दिल्ली। अमेरिका में अक्सर टेस्ला मालिकों की ड्राइविंग को लेकर सवाल उठाए जाते रहे हैं, और अब लेंडिंग ट्री के एक सर्वे ने इस धारणा को और पुख्ता कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला ड्राइवर सबसे ज्यादा लापरवाह पाए गए हैं और दुर्घटनाओं, स्पीडिंग टिकट्स और नशे में गाड़ी चलाने जैसे मामलों में टॉप पर हैं। सर्वे के आंकड़ों के अनुसार, टेस्ला मालिकों की दुर्घटना दर 26.67 प्रतिशत रही, जो किसी भी अन्य ब्रांड के मुकाबले सबसे अधिक है। इसके बाद राम ब्रांड के वाहन मालिक 23.15 प्रतिशत और सुबारू के मालिक 22.89 प्रतिशत दुर्घटनाओं के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। यह अध्ययन 1 जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच 1000 ड्राइवरों के डेटा पर आधारित था। वहीं, जिन ड्राइवरों की दुर्घटना दर सबसे कम रही, उनमें मर्करी, पोंटियाक और कैडिलैक के वाहन मालिक शामिल हैं। मर्करी के लिए यह आंकड़ा 18.63प्रतिशत, पोंटियाक के लिए 19.72प्रतिशत और कैडिलैक के लिए 20.75प्रतिशत दर्ज किया गया। दिलचस्प बात यह है कि मर्करी और पोंटियाक का उत्पादन पहले ही बंद हो चुका है, लेकिन उनके ड्राइवरों ने अन्य ब्रांड्स की तुलना में अधिक सतर्कता दिखाई।

सुजुकी मोटर पांच सालों में वैश्विक बिक्री को 4.2 मिलियन वाहन तक बढ़ाएगी

मुंबई। जापान की छोटी कार निर्माता कंपनी सुजुकी मोटर ने कहा है कि वे अगले पांच सालों में अपनी वैश्विक बिक्री को 4.2 मिलियन वाहन तक बढ़ाने का लक्ष्य रखेगी, जो करीब एक तिहाई का इजाफा है। इसका अधिकांश विस्तार भारत में इसके मुख्य बाजार में केंद्रित होगा। सुजुकी कंपनी का अनुमान है कि इन बिक्री का 60 प्रतिशत भारत में होगा और दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश 2030 वित्तीय वर्ष तक 2 ट्रिलियन येन (13 बिलियन डॉलर) में से 60 प्रतिशत निवेश प्राप्त करेगा। कंपनी ने एक बयान में कहा, भारत सुजुकी का सबसे महत्वपूर्ण बाजार है, जहां हम सबसे अधिक प्रयास कर रहे हैं। सुजुकी ने 1980 के दशक की शुरुआत से भारत में भारी निवेश किया है और मारुति सुजुकी भारत के कार बाजार में करीब 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखती है, जो जापानी कंपनी के द्वारा बहुमत में नियंत्रित है। हालांकि, अब कंपनी का कहना है कि वह 2030 तक भारत में चार बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों को लांच करेगी, जो पहले के लक्ष्य के मुकाबले कम है, जिसमें छह इलेक्ट्रिक वाहनों का लक्ष्य रखा गया था। सुजुकी ने यह भी कहा कि उसका लक्ष्य 2030 तक ऑपरेटिंग प्रॉफिट मार्जिन को 10 प्रतिशत तक बढ़ाना है, जो पिछले वित्तीय वर्ष में 9.2 प्रतिशत था।

हुंडई अपनी नई 7-सीटर एसयूवी जल्द करेगी लॉन्च

नई दिल्ली। हाल ही में कार निर्माता कंपनी एमजी ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में अपनी नई

7-सीटर एसयूवी मजेस्टॉर का खुलासा किया था। इस एसयूवी का डिजाइन आकर्षक और दमदार है। यह 2.0 लीटर के डीजल इंजन के साथ 4गुणा4 व्हील ड्राइव में आएगी और इसकी संभावित कीमत 46 लाख रुपये से शुरू हो सकती है। हुंडई भी इस साल अपनी नई 7-सीटर एसयूवी लॉन्च करने जा रही है, जिसका कोड नेम एनआई1आई रखा गया है। यह अल्काझार और टूकसन के प्राइस रेंज में आ सकती है और इसमें हाइब्रिड टेक्नोलॉजी दी जाएगी। इस एसयूवी को महाराष्ट्र के टेलेगांव प्लांट में तैयार किया जाएगा और इसमें वही इंजन हो सकता है, जो क्रेटा को पावर देता है। मारुति सुजुकी अपनी लोकप्रिय एसयूवी ग्रांड विटारा का 7-सीटर वेरिएंट भी लॉन्च करने जा रही है। यह मॉडल मौजूदा 5-सीटर ग्रांड विटारा के इंजन के साथ आएगा, लेकिन इसमें हाइब्रिड टेक्नोलॉजी शामिल होगी। इस एसयूवी का मुकाबला हयूदै अल्काझार और एमजी हेक्टर प्लस से होगा और इसकी कीमत मई-जून तक घोषित की जा सकती है। इन नई लॉन्च के साथ भारतीय बाजार में 7-सीटर एसयूवी की मांग और प्रतिस्पर्धा बढ़ने की पूरी संभावना है। मालूम हो कि भारत में इस साल 7-सीटर एसयूवी सेगमेंट में कई नए मॉडल लॉन्च होने जा रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पाकिस्तान के..

मजहबी नेताओं और स्थानीय निवासी अड़ गए हैं कि गधों को कटने नहीं देंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत काम आ रहे गधों के कम हो जाने का डर उन्हें अभी से सता रहा है। लेकिन अब चीन कदम आगे बढ़ा चुका है तो गधों का कत्लखाना बनना तय है। जिन्ना के देश के नेता इस पर पैसा भी बहुत खर्च कर चुके हैं।

कई अन्य देशों में भी पाकिस्तान की इस गधा-परियोजना को लेकर चिंता जताई जा रही है। यूके की धर्मादा संस्था डंकी सैंक्चुअरी का कहना है कि वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए हर साल लगभग 59 लाख गधों का कत्ल किया जा रहा है। अफ्रीकी संघ गधों की खाल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा चुका है। इसलिए अब चीन की इस दिशा में सारी उम्मीदें जिन्ना के देश पर टिकी हैं।

पाकिस्तान की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2023-24 बताती है कि उस देश में गधों की तादाद 55 लाख से बढ़कर 59 लाख हो गई है। लेकिन अब आगे संख्या में तेजी से कमी आने के पूरे आसार हैं। परियोजना से पाकिस्तान के कृषि क्षेत्र में भी बदलाव ने विवाद खड़ा कर दिया है। गधों को काटना नैतिक रूप से गलत माना जा रहा है। लेकिन अब चीन के लोगों के भोजन और उनकी दवा के लिए पाकिस्तानी गधों का कटना तय हो गया है।

जो पशुओं का...

बिहार को पीछे धकेला। लेकिन, अब एनडीए सरकार के नेतृत्व में बिहार को वहीं पहचान मिलेगा जो भगवान बुद्ध और सम्राट अशोक के समय में हुआ करती थी। पीएम मोदी ने बिहार में शुरू हुई कई योजनाओं ने नाम भी गिनाए। उन्होंने कहा कि भागलपुर वैश्विक ज्ञान का केंद्र हुआ करता था। हम नालंदा विवि के प्राचीन गौरव को आधुनिक भारत से जोड़ने का काम कर रहे हैं। जल्द ही केंद्र सरकार विक्रमशिला विवि को सेंट्रल यूनिवर्सिटी बनाने जा रहे हैं। इसपर काम भी शुरू हो चुका है।

पीएम मोदी ने कहा कि दलहन और तिलहन में हम आत्मनिर्भर हों, यहां अधिक से अधिक फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगे, किसान खुशहाल हो, इसके लिए सरकार एक से एक कदम उठा रही है। पीएम मोदी ने कहा कि मक्का, केला और धान पर काम करने वाला एफपीओ खगड़िया में रजिस्टर हुआ है। आज देश के लाखों किसान एफपीओ से जुड़े हैं। यह एफपीओ आज कृषि क्षेत्र में हजारों करोड़ रुपए का कारोबार करने लगे हैं। आज 10,000 एफपीओ बनाने का पूरा हो गया है। 10,000वें किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) यह कदम किसानों को बाजार में बेहतर पहचान और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा अवसर प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह बिहार दौरा राज्य के लिए ऐतिहासिक साबित हो सकता है।

पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया के देशों में तसर सिल्क की डिमांड बढ़ रही है। एनडीए सरकार रेशम उद्योग को बढ़ावा देने के लिए काफी जोर दे रही है। कई प्रोजेक्ट पर काम भी कर रही है। इससे भागलपुर के बुनकरों को काफी फायदा मिलेगा। उनके उत्पाद दुनिया के कोने-कोने में जाएंगे। बिहार में कई जगहों पर पुल नहीं होने के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए हमलोगों कई पुल बनवा रहे हैं। भागलपुर में गंगा नदी पर 1100 करोड़ की लागत से पुल बनवाए जा रहे हैं। बिहार में बाढ़ से काफी नुकसान होता है। इसके लिए हमने बजट में राशि दी है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते सालों में भारत का कृषि निर्यात बहुत बढ़ा है। इसलिए किसानों को उत्पाद की ज्यादा कीमत मिल रही है। अब बारी बिहार के मखाना की है। मखाना आज देश के शहरों में सुबह के नाश्ते का प्रमुख अंग बन चुका है। मैंने 365 दिन से 300 दिन मखाना खाता हूं। यह सुपरफूड है। इसलिए इस बार के बजट में मखाना बोर्ड बनाने का एलान किया गया है। पूर्वी भारत में फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा देने के लिए बिहार अहम भूमिका निभाएगा। यहां पर फूड प्रोसेसिंग के जुड़े संस्थान स्थापित किए जाएंगे। भागलपुर, मुंगेर और बक्सर में केंद्र बनाए जाएंगे। यह आम, टमाटर और आलू के किसानों को मदद पहुंचाएंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि अब एक रुपया दिल्ली से निकलता है तो सौ पैसा किसानों को मिलता है। पहले छोटे किसानों का हक भी बिचौलिए हड़प लेते थे। मोदी और नीतीश किसानों का हक का किसी को नहीं खाने देंगे। जब कांग्रेस और राजद वाले जब सरकार में थे तब जितना खेती किसानी का बजट रखा था उतना पैसा एनडीए सरकार आपके खाते में भेज चुकी है। कांग्रेस और जंगलराज वालों के लिए किसानों की तकलीफ मायने नहीं रखती थी। बाढ़ और सूखा होने पर किसानों को उनके हाल पर छोड़ देते थे। 2014 में एनडीए सरकार आई तो किसान फसल बीमा फसल योजना लाई। देश में अब तक सवा करोड़ लखपति दीदी बन गई हैं। इनमें बिहार की हजारों जीविका दीदियां शामिल हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने लालू परिवार हमला बोलते हुए कहा कि जो लोग पशुओं का चारा खा सकते हैं। वह कभी भी परिस्थितियों को बदल नहीं सकते हैं। एनडीए सरकार ने इसे बदला है। पहले यूरिया के लिए किसान लाठी खाता था। यूरिया की कालाबाजारी होती थी। आज देखिए किसानों को पर्याप्त खाद मिलती है। हमने तो कोरोना काल में भी किसानों को खाद की कमी नहीं होने। आप कल्पना कीजिए अगर एनडीए सरकार न होती तो क्या होता? अगर एनडीए सरकार नहीं होती तो आज भी हमारे किसानों को खाद के लिए लाठियां खानी पड़ती। आज भी बरौनी कारखाना बंद रहता है। जो खाद की बोरी विदेशों में 3000 रुपए में मिलती है। एनडीए सरकार 300 रुपए से कम में खाद की बोरी दे रही है। हमारी सरकार किसानों की भलाई के लिए काम करती है। यूरिया और डीएपी का पैसा किसानों को खर्च करना था लेकिन वह केंद्र सरकार खुद खर्च कर रही है। जो 12 लाख करोड़ रुपए आपकी जेब से जाने वाले थे, वह केंद्र सरकार ने बजट में से दिए हैं। यानी इतना रुपया देश के किसानों की जेब में बचा है। अगर एनडीए सरकार न होती तो आपको पीएम किसान निधि योजना न मिली। इस योजना के शुरू हुए छह साल हुए हैं। अब तक तीन लाख 70 हजार करोड़ रुपए सीधे किसानों के खाते हैं। इसमें कोई बिचौलिया नहीं है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने अंगिका भाषा में लोगों को प्रणाम किया। उन्होंने कहा, मैं शहीद तिलका मांझी की धरती को नमन करता हूं। बाबा अजगैबीनाथ के आशीष वाले इस धरती पर आना मेरा सौभाग्य है। पीएम ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लाडला सीएम बताते हुए उनका स्वागत किया। आज देश के करोड़ों किसानों के खाते में पैसे पहुंचे हैं। किसान सम्मान निधि की किस्त जारी की गई है। आज बिहार के 75 लाख के अधिक परिवार के किसानों के खाते में 1600 सौ करोड़ से अधिक रुपए दिए गए। हर किसान के खाते में किसान निधि की किस्त एक क्लिक पर गई है। एनडीए सरकार चाहे केंद्र में हो या फिर या फिर बिहार में हो, किसान कल्याण हमारी पहली प्राथमिकता है। बीते दशक में हमने पूरी शक्ति से काम किया है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त जारी कर दी। इसके तहत करीब 22 हजार करोड़ रुपए की राशि 9.8 करोड़ किसानों के खाते में भेजी गई। किसानों के खाते में करीब 20,000 करोड़ रुपए की राशि डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से ट्रांसफर हुई। इसमें बिहार के किसानों के खाते में लगभग 1,600 करोड़ रुपए की राशि डाली गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र ...

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मंच साझा करते हुए बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए जनता से समर्थन भी मांगा। नीतीश कुमार ने कहा, मैं पीएम मोदी का स्वागत करता हूं। यह खुशी कि बात है कि बिहार के साथ पूरे देश के किसानों के खाते में सम्मान निधि योजना की राशि भेजी जा रही है। बिहार के किसानों के खाते में आज पैसे जाएंगे। हमलोगों का शुरू से ही खेती किसानों पर फोकस रहा है। कृषि रोड मैप लागू होने से कृषि उत्पादन बढ़ा है। साथ ही मछली, दूध, मांस और अंडा का भी उत्पादन बढ़ा है। मछली उत्पादन में बिहार आत्मनिर्भर हो गया है। पीएम मोदी का बिहार के विकास में काफी सहयोग मिल रहा है। इस बजट मखाना बोर्ड, ग्रीनफील्ड समेत कई सौगातें बिहार को देश के बजट में मिली। इसके लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोग 24 नवंबर 2005 को सरकार में आए थे। लालू-राबड़ी राज पर हमला बोलते हुए उन्होंने याद दिलाया कि हमलोगों के सरकार में आने से पहले क्या स्थिति थी! लोग शाम होने के बाद घर से बाहर निकलते नहीं थे। हिंदू-मुस्लिम करते रहते थे। मुस्लिमों का वोट लेते थे और उनपर ध्यान नहीं देते थे। सड़कें नहीं थीं। बिजली का क्या हाल था! पटना में महज आठ घंटा बिजली रहती थी। इसके बाद हमलोगों ने कितना काम किया! राज्य में डर का माहौल नहीं है। अब तो लड़का लड़की बिहार में 11 बजे रात तक काम कर रहे हैं। बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा पर कितना काम किया। 2005 में राज्य का बजट 28 हजार करोड़ रुपए का था। हमलोगों ने लगातार काम किया। अब तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक बिहार का बजट हो गया है। उन्होंने जनता से कहा कि आप जान लीजिए सबलोग पीएम मोदी के ही साथ है। इनके नेतृत्व में देश का विकास हो रहा है।

भारत से दुनिया...

यह दर्शाता है कि भारत वैश्विक स्तर पर अपनी औद्योगिक क्षमताओं को साबित कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक संस्था ने भारत को सोलर पावर की सुपर पावर के रूप में स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि जहां कई देश सिर्फ बातें करते हैं, वहीं भारत अपने प्रयासों के ठोस नतीजे लाकर दिखाता है।

ईवी क्रांति में एमपी की अग्रणी भूमिका पर प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि कभी खराब सड़कों के लिए पहचाने जाने वाला मध्यप्रदेश आज इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) क्रांति के लीडिंग राज्यों में से एक बन चुका है। जनवरी 2025 तक एमपी में करीब दो लाख इलेक्ट्रिक वाहनों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है, जो 90 प्रतिशत की अभूतपूर्व ग्रोथ को दर्शाता है। यह इस बात का संकेत है कि एमपी अब मैनुफैक्चरिंग और नई तकनीकों के लिए भी एक प्रमुख डेस्टिनेशन बन रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया को भारत से बहुत उम्मीदें हैं, चाहे वे आम लोग हों, नीति-निर्माता हों, देश हों या वैश्विक संस्थान। हाल के हफ्तों में आईं अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स ने भारत के निवेशकों का उत्साह और बढ़ाया है। विश्व बैंक ने भी कहा है कि आने वाले वर्षों में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। पेट्रोकेमिकल और औद्योगिक विकास पर पीएम मोदी ने कहा कि बीना रिफाइनरी में 50,000 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है, जिससे मध्यप्रदेश को पेट्रोकेमिकल उद्योग का हब बनाने में सहायता मिलेगी। राज्य में 300 से अधिक औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें पीथमपुर, देवास और रतलाम जैसे प्रमुख स्थानों पर निवेशकों के लिए विशेष औद्योगिक जोन बनाए जा रहे हैं। यह राज्य को देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में स्थान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पीएम मोदी ने कहा कि औद्योगिक विकास के साथ-साथ जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन पर भी ध्यान दिया जा रहा है। राज्य में नदियों को जोड़ने की परियोजना चलाई जा रही है, जिससे सिंचाई और जल आपूर्ति में सुधार होगा। 45,000 करोड़ रुपए की केन-बेतवा लिंक परियोजना से 10 लाख हेक्टेयर भूमि की उर्वरता बढ़ेगी, जिससे कृषि उत्पादन में भी बढ़ोतरी होगी। मध्यप्रदेश में टेक्सटाइल, पर्यटन और तकनीक जैसे नए क्षेत्रों को निवेश के लिए खोला जा रहा है। इस राज्य को भारत की कॉटन कैपिटल कहा जाता है, क्योंकि यह 30 प्रतिशत कपास आपूर्ति करता है। मेलबरी कॉटन का सबसे बड़ा केंद्र भी यही है। इसके अलावा, पर्यटन क्षेत्र में भी बड़ी संभावनाएं हैं, विशेष रूप से धार्मिक और वन्यजीव पर्यटन के क्षेत्र में।

पीएम मोदी ने कहा कि मध्यप्रदेश अपने धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को भी वैश्विक स्तर पर स्थापित कर रहा है। उज्जैन स्थित महाकाल लोक, जो महाकाल मंदिर परिसर का एक विस्तारित रूप है, पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन चुका है। यह न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को भी प्रदर्शित करता है।

पत्रकार अर्नब...

टीवी कन्नड़ ने एक समाचार प्रसारित किया था जिसमें दावा किया गया था कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के काफिले को गुजरने देने के लिए बेंगलुरु के एमजी रोड पर यातायात रोक दिया गया था, जिससे एक एम्बुलेंस आगे नहीं बढ़ पाई। रवींद्र का कहना था कि यह जानकारी गलत है क्योंकि सिद्धारमैया उस समय मैसूर में थे, बेंगलुरु में नहीं। इसी मामले में गोस्वामी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 505 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया था।इस केस को रद्द कराने के लिए पत्रकार अर्नब गोस्वामी ने कर्नाटक हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामले में सुनवाई हुई और न्यायालय ने राज्य सरकार से पूछा कि गोस्वामी का नाम इस मामले में क्यों लिया गया? हाईकोर्ट ने पाया कि जो खबर चली थी वह रिपब्लिक टीवी कन्नड़ पर थी। अर्नब उसमें सीधे तौर पर शामिल नहीं थे। जब पूछा गया कि गोस्वामी ने कौन सा विशेष अपराध किया है, तो राज्य सरकार ने कोई जवाब नहीं दिया। न्यायालय ने पूरे केस की सुनवाई में पाया कि गोस्वामी को गलत तरीके से फंसाया गया। उनका उस खबर से लेना-देना नहीं था। न्यायालय ने कहा कि गोस्वामी को मामले में घसीटना केवल बदला लेने की कार्रवाई थी और मामले में शिकायत दर्ज होना सिर्फ पुलिस की लापरवाही है।

महाकुंभ जा रही...

प्रिया अपने चैनल पर सनातन धर्म का प्रचार करती है।नाजिया बताती हैं, मुल्लों ने बड़ी ही बेरहमी से हमारी कार का एक्सीडेंट किया है। उसमें प्रिया की तो पूरी खोपड़ी खुल गई है। उसके लिए दुआ कीजिए कि वो बच जाए। मेरे हाथ में चोट लगी है। काफी खून बह रहा है (रोते हुए)। भाजपा नेता कह रही हैं कि मुसलमानों का टार्गेट शुरू से ही मैं थी, लेकिन प्रिया सामने आ गई और उसने इसे अपने ऊपर ले लिया। वीडियो में नाजिया मदद देने का आग्रह करती हुई दिखाई दे रही हैं।

एमपी में 2.10 लाख...

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश भारत के सबसे अधिक निवेश के लिए तैयार राज्यों में से एक बन गया है। गौतम अडाणी ने कहा, ये मात्र निवेश नहीं हैं। ये एक ऐसी यात्रा की शुरुआत है - जिससे मध्य प्रदेश औद्योगिक और आर्थिक विकास के क्षेत्र में सबसे आगे होगा। हम माननीय प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में इस राज्य के असाधारण उत्थान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं।

अडाणी समूह ने पहले ही मध्य प्रदेश में एनर्जी, इंफ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग , लॉजिस्टिक्स और कृषि-व्यवसाय में 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है, जिससे 25 हजार से अधिक नौकरियाँ पैदा हुई हैं। नए निवेश से राज्य के औद्योगिक इकोसिस्टम और मजबूत करेगा, जो भारत की आत्मनिर्भरता और इनोवेशन के अनुरूप होगा। इस महीने की शुरुआत में अपने बेटे जीत की शादी के अवसर पर गौतम अडाणी ने सामाजिक कार्यों के लिए 10 हजार करोड़ रुपए के दान की घोषणा की थी। इस राशि का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास क्षेत्रों में वंचितों के लिए किफायती और सुलभ विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचा बनाने पर केंद्रित होगा।

रेप और ब्लैकमेल...

23 फरवरी को हकीम कुरैशी नाम के पूर्व पार्षद को भी पकड़ा गया, जो बाकी आरोपियों की मदद कर रहा था। उसे 5 दिन की रिमांड पर भेजा गया है। इसके अलावा श्रवण, करीम और आशिक 7 दिन की रिमांड पर हैं, जबकि लुकमान, सोहेल, रिहान और अफराज को 5 दिन के लिए रिमांड मिली है। तीन नाबालिगों को बाल सुधार गृह भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और सबूत जुटाए जा रहे हैं।

इस बीच, राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने झुंझुनूं के नवलगढ़ स्थित डूंडलोद गर्ल्स स्कूल में छात्राओं को संबोधित करते हुए लड़कियों को शक्तिवान होने की सीख दी और कहा कि ऐसे तत्वों और ऐसी घटनाओं का सटीक जवाब देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं की बेटियों को निशाना बनाया गया। लोगों में गुस्सा इस कदर है कि जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे हैं। अजमेर, ब्यावर और भीलवाड़ा में दुकानें बंद रहीं और सड़कों पर नारेबाजी हुई। लोग चाहते हैं कि सरकार जल्द से जल्द कड़ी कार्रवाई करे।

सुरंग में फंसे ...

नीचे, ऑक्सीजन कैसे जाएगी? सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के साथ बचाव अभियान की देखरेख करने वाले राव ने कहा, सभी प्रकार के प्रयासों, सभी प्रकार के संगठनों (काम करने) के बावजूद, मलबा और अवराधकों को हटाने में, मुझे लगता है कि लोगों को निकालने में तीन-चार दिन से कम समय नहीं लगेगा। राव ने कहा कि मलबे को हटाने के लिए सुरंग में कन्वेयर बेल्ट को बहाल किया जा रहा है।

सुरंग में फंसे लोगों की पहचान उत्तर प्रदेश के मनोज कुमार और श्री निवास, जम्मू-कश्मीर के सनी सिंह, पंजाब के गुरप्रीत सिंह और झारखंड के संदीप साहू, जेगता जेस, संतोष साहू और अनुज साहू के रूप में हुई है। आठ लोगों में से दो इंजीनियर, दो ऑपरेटर और चार मजदूर हैं। कृष्ण राव ने कहा कि कई मशीनों की मदद से मलबा हटाने का काम चल रहा है। उनके अनुसार, सुरंग खोदने वाली मशीन (टीबीएम) जिसका वजन कुछ सौ टन है, ढहने के बाद और पानी के तेज बहाव के कारण लगभग 200 मीटर तक बह गई।

होली पर लगेगा साल का पहला चन्द्र ग्रहण

साल 2025 में चार ग्रहण होंगे। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य एवं चंद्र ग्रहण का विशेष महत्व है। इस दौरान शुभ कार्य और पूजा-पाठ करने की मनाही होती है। लापरवाही करने या बरतने से शारीरिक और मानसिक सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि साल 2025 में भी चार ग्रहण देखने को मिलेंगे। इनमें से दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्र ग्रहण होंगे। वर्ष 2025 में कुल दो चंद्र ग्रहण लगने वाले हैं। इनमें से पहला ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा जबकि दूसरा चंद्र ग्रहण भारत में नजर आएगा। पहला चंद्र ग्रहण 14 मार्च 2025 को लगेगा। यह पूर्ण ग्रहण होगा। यह चंद्र ग्रहण धुलंडी के दिन लगेगा। लेकिन भारत में दिखाई नहीं देने के कारण इस चंद्र ग्रहण का भारत में कोई असर नहीं होगा। ये चंद्र ग्रहण यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका और पैसिफिक में दिखाई देगा। दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को लगेगा। यह चंद्र ग्रहण पितृ पक्ष की शुरुआत में लगेगा और यह भारत में दिखाई देगा, जिससे इसका सूतक काल मान्य होगा।

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि पंचांग के मुताबिक होली फाल्गुन पूर्णिमा के अगले दिन मनाते हैं, जबकि फाल्गुन पूर्णिमा की रात होलिका दहन किया जाता है। इस साल 13 मार्च की रात होलिका दहन किया जाएगा और अगले दिन यानी 14 मार्च 2025 को होली मनाई जाएगी। लेकिन इस साल होली पर साल का पहला चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है, जिससे सभी 12 राशियां प्रभावित हो सकती हैं। बता दें चंद्र ग्रहण 14 मार्च को सुबह 9: 29 मिनट से दोपहर 3: 29 मिनट तक रहेगा। हालांकि भारत में ये चंद्र ग्रहण नहीं नजर आएगा, इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा।

चंद्र ग्रहण की तिथि और समय

साल 2025 का पहला चंद्र ग्रहण 14 मार्च को लगेगा। यह ग्रहण फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा के दिन घटित होगा।

उपछाया ग्रहण शुरू- सुबह 9.27 बजे
आंशिक ग्रहण शुरू- सुबह 10.41 बजे
पूर्ण चंद्रग्रहण शुरू- सुबह 11.56 बजे
अधिकतम ग्रहण- दोपहर 12.28 बजे
पूर्ण चंद्रग्रहण समाप्त- दोपहर 1.01 बजे
आंशिक चंद्रग्रहण समाप्त- दोपहर 2.18 बजे
उपछाया चंद्रग्रहण समाप्त- शाम 3.30 बजे

१४ मार्च को पहला चंद्र ग्रहण (पूर्ण चंद्र ग्रहण)

साल 2025 का पहला चंद्र ग्रहण 14 मार्च को फाल्गुन मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन लगेगा। यह ग्रहण भारतीय समयानुसार सुबह 10:41 बजे से दोपहर 14:18 बजे तक रहेगा। यह पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा जो मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया के अधिकांश भाग यूरोप अफ्रीका के अधिकांश भाग, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, प्रशांत अटलांटिक आर्कटिक महासागर, पूर्वी एशिया और अंटार्कटिका, आदि क्षेत्रों में दिखाई देगा। यह भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए इस ग्रहण का धार्मिक दृष्टि से भारत में कोई महत्व नहीं होगा। खगोलीय दृष्टि से यह चंद्र ग्रहण सिंह राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में लगेगा, इसलिए सिंह राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में जन्मे लोगों के लिए यह ग्रहण विशेष रूप से प्रभावशाली रहने वाला है। चंद्र ग्रहण के दिन चंद्रमा से सप्तम भाव में सूर्य और शनि विराजमान रहेंगे और चंद्रमा को पूर्ण सप्तम दृष्टि से देखेंगे। ऐसे में इसका प्रभाव और भी गहरा देखने को मिलेगा। इस दिन चंद्रमा से दूसरे भाव में केतु, सप्तम भाव में सूर्य और शनि, अष्टम भाव में राहु, बुध और शुक्र, दशम भाव में बृहस्पति और एकादश भाव में मंगल विराजमान होंगे।

ग्रहण प्रारंभ होने का समय: सुबह 10:41 मिनट
ग्रहण समाप्त होने का समय: दोपहर 2:18 मिनट
इस ग्रहण की कुल अवधि 3 घंटे 37 मिनट की होगी।

भारत में दिखाई नहीं देगा चंद्र ग्रहण

यह चंद्र ग्रहण मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के अधिकांश भाग, अफ्रीका के बड़े हिस्से, प्रशांत, अटलांटिक और आर्कटिक महासागर, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, पूर्वी एशिया तथा अंटार्कटिका में स्पष्ट रूप से देखा जा सकेगा। हालांकि, भारत में इस ग्रहण का दृश्य रूप से अवलोकन संभव नहीं होगा, क्योंकि यह भारतीय समयानुसार दिन में घटित होगा, जब चंद्रमा आकाश में दृष्टिगोचर नहीं होगा।

ग्रहण के समय ग्रहों की स्थिति और प्रभाव

ज्योतिषीय दृष्टि से यह चंद्र ग्रहण सिंह राशि और उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र में लगेगा, जो इसे विशेष रूप से प्रभावशाली बनाता है। ग्रहण के समय चंद्रमा अपनी राशि सिंह में रहेगा। जबकि सूर्य और शनि चंद्रमा के सातवें भाव में स्थित होकर उस पर पूर्ण सप्तम दृष्टि डालेंगे, जिससे ग्रहण का प्रभाव तीव्र होगा।

केतु चंद्रमा के द्वितीय भाव में स्थित रहेगा, जिससे मानसिक तनाव की स्थिति बन सकती है।

राहु, बुध और शुक्र चंद्रमा के आठवें भाव में स्थित होंगे, जिससे कुछ राशियों पर मिश्रित प्रभाव पड़ेगा।

गुरु (बृहस्पति) चंद्रमा के दशम भाव में रहेगा, जिससे धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियों में वृद्धि होगी।

मंगल चंद्रमा के एकादश भाव में स्थित रहेगा, जो साहस और ऊर्जा को बढ़ाने का कार्य करेगा।

ग्रहण का प्रभाव

चंद्र ग्रहण का प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग प्रकार से पड़ेगा, लेकिन विशेष रूप से सिंह राशि और उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र में जन्मे लोगों के लिए यह महत्वपूर्ण रहेगा। यह ग्रहण कुछ लोगों के लिए आर्थिक उन्नति और आत्मविश्वास में वृद्धि का संकेत देगा, जबकि कुछ लोगों को सावधानी बरतने की आवश्यकता हो सकती है।

सिंह राशि और उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र के लिए यह ग्रहण शुभ संकेत!

वर्ष 2025 में कुल चार ग्रहण लगने वाले हैं, जिनमें से पहला ग्रहण चंद्र ग्रहण होगा। यह ग्रहण फाल्गुन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के दिन घटित लगेगा। यह एक खग्रास चंद्र ग्रहण होगा, जिसका ज्योतिषीय प्रभाव महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पंचांग के अनुसार यह चंद्र ग्रहण सिंह राशि और उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र में घटित होगा। इस कारण सिंह राशि और उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र से जुड़े जातकों के लिए यह ग्रहण शुभ संकेत लेकर आ सकता है। हालांकि, यह ग्रहण किस हद तक प्रभावी रहेगा और भारत में इसे देखा जा सकेगा या नहीं इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

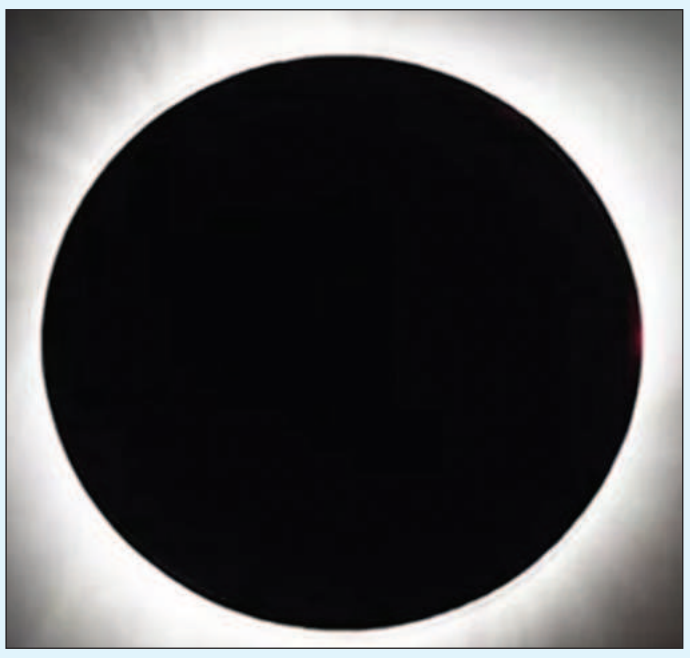

क्या भारत में यह चंद्र ग्रहण दिखाई देगा?

यह चंद्र ग्रहण मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के अधिकांश भाग, अफ्रीका के बड़े हिस्से, प्रशांत, अटलांटिक और आर्कटिक महासागर, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, पूर्वी एशिया तथा अंटार्कटिका में स्पष्ट रूप से देखा जा सकेगा। हालांकि, भारत में इस ग्रहण का दृश्य रूप से अवलोकन संभव नहीं होगा, क्योंकि यह भारतीय समयानुसार दिन में घटित होगा, जब चंद्रमा आकाश में दृष्टिगोचर नहीं होगा।

ग्रहण के समय ग्रहों की स्थिति और प्रभाव

ज्योतिषीय दृष्टि से यह चंद्र ग्रहण सिंह राशि और उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र में लगेगा, जो इसे विशेष रूप से प्रभावशाली बनाता है।

ग्रहण के समय चंद्रमा अपनी राशि सिंह में रहेगा।

जबकि सूर्य और शनि चंद्रमा के सातवें भाव में स्थित होकर उस पर पूर्ण सप्तम दृष्टि डालेंगे, जिससे ग्रहण का प्रभाव तीव्र होगा।

केतु चंद्रमा के द्वितीय भाव में स्थित रहेगा, जिससे मानसिक तनाव की स्थिति बन सकती है।

राहु, बुध और शुक्र चंद्रमा के आठवें भाव में स्थित होंगे, जिससे कुछ राशियों पर मिश्रित प्रभाव पड़ेगा।

गुरु (बृहस्पति) चंद्रमा के दशम भाव में रहेगा, जिससे धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियों में वृद्धि होगी।

मंगल चंद्रमा के एकादश भाव में स्थित रहेगा, जो साहस और ऊर्जा को बढ़ाने का कार्य करेगा।

प्राकृतिक आपदाओं की आशंका

चंद्र ग्रहण की वजह से प्राकृतिक आपदाओं का समय से ज्यादा प्रकोप देखने को मिलेगा। इसमें भूकंप, बाढ़, सुनामी, विमान दुर्घटनाएं का संकेत मिल रहे हैं। प्राकृतिक आपदा में जनहानि कम ही होने की संभावना है। फिल्म एवं राजनीति से दुखद समाचार। व्यापार में तेजी आएगी। बीमारियों में कमी आएगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

200 साल से भी ज्यादा पुराना है महामाया मंदिर

आस्था और चमत्कारों का माना जाता है गढ़, पूरी होती है हर मनोकामना

राम कोडका में स्थित महामाया मंदिर छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध सिद्ध शक्तिपीठों में से एक है। मान्यता है कि ये मंदिर 200 साल से भी अधिक पुराना है और रियासत काल से यहां पूजा-अर्चना हो रही है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां मां महामाया के दर्शन के लिए पहुंचते हैं और मनोकामना पूरी होने की मन्नत मांगते हैं।

खैरागढ़ जिले में स्थित ऐतिहासिक मंदिर

नवगठित खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर दूर ग्राम कोडका में ये मंदिर स्थित है। मंदिर की ऐतिहासिकता को लेकर स्थानीय नागरिक नारद राम वर्मा का कहना है कि ये 300 साल से भी पुराना हो सकता है, क्योंकि उनके दादा-परदादा भी इस मंदिर को जानते थे।

विशेष पर्वों पर भक्तों का तांता

नवरात्रि के दौरान मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना होती है, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु मां महामाया के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस दौरान भजन-कीर्तन और जोत-जवारा की स्थापना भी की जाती है।

राज्यभर से आते हैं श्रद्धालु

मंदिर में दर्शन करने पहुंचे पूरन पटेल ने बताया कि वे बचपन से इस मंदिर में आ रहे हैं और यहां हर मनोकामना पूर्ण होती है। वहीं, कुटिली खुर्द से आए धीरज कुमार पटेल ने कहा कि ये मंदिर बहुत पुराना है और यहां आने वाले भक्तों की हर इच्छा पूरी होती है।

रियासत काल से चली आ रही परंपरा

इस मंदिर की रियासत काल से विशेष मान्यता रही है। खैरागढ़-छुईखदान रियासत के समय से यहां नियमित रूप से मां महामाया की विधि-विधान से पूजा की जाती है। मन्नत पूरी होने पर भक्त विशेष अनुष्ठान कर माता की आराधना करते हैं। महामाया मंदिर सिर्फ एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के लिए आस्था और विश्वास का प्रतीक भी है। यहां आने वाले भक्त मां महामाया की कृपा से अपनी हर मनोकामना पूर्ण होते हुए महसूस करते हैं।

खा सकते हैं शिवलिंग पर चढ़ा प्रसाद? जानिए इससे जुड़ी मान्यताएं

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, प्रसाद ग्रहण करना काफी शुभ माना जाता है, इससे देवी-देवताओं का आशीर्वाद हम पर बना रहता है। लेकिन इसके विपरीत शिवलिंग पर चढ़ा प्रसाद खाना या उसे घर लाना बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता। इसके पीछे कई धार्मिक मान्यताएं हैं।

क्यों अशुभ है शिवलिंग का प्रसाद

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, शिवलिंग पर चढ़ाया गया प्रसाद चंदेश्वर को समर्पित किया जाता है, जो भगवान शिव के ही एक गण के रूप में जाने जाते हैं। चंदेश्वर भूत-प्रेत के प्रधान भी हैं। ऐसे में शिवलिंग पर चढ़ाए गए प्रसाद में नकारात्मकता व्याप्त हो जाती है।

इसलिए कभी भी मिट्टी, पत्थर या फिरी चीनी मिट्टी से बने शिवलिंग पर अर्पित प्रसाद ग्रहण नहीं करना चाहिए। इस के स्थान पर आप शिव जी की प्रतिमा पर चढ़ा हुआ प्रसाद खा सकते हैं, जोकि शुभ माना जाता है। शिव पुराण में कहा गया है कि महादेव को अर्पित प्रसाद ग्रहण करने से व्यक्ति के असंख्य पाप नष्ट हो जाते हैं।

प्रसाद का क्या करें

शिवलिंग पर चढ़ा हुआ प्रसाद आप किसी बहती नदी में प्रवाहित कर सकते हैं, इससे व्यक्ति को दोष नहीं लगता। लेकिन आप धातु से बने शिवलिंग जैसे चांदी, तांबे, पीतल पर चढ़ा हुआ प्रसाद खा सकते हैं, इससे कोई हानि नहीं होती। वहीं

पारद शिवलिंग पर चढ़ा हुआ प्रसाद भी खाया जा सकता है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

कुछ लोग सावन सोमवार के दिन या फिर सामान्य रूप से घर पर ही मिट्टी से शिवलिंग बनाकर उसकी पूजा-अर्चना करते हैं। इसलिए मिट्टी के पार्थिव शिवलिंग पर चढ़ाया गया प्रसाद भी ग्रहण नहीं करना चाहिए, बल्कि इसे जल में प्रवाहित कर दें।

हर मनोकामना पूर्ण करती हैं देवी संतोषी जाने उनसे जुड़ी पौराणिक कथा

सप्ताह का हर दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित माना जाता है। शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी और मां संतोषी की पूजा के लिए विशेष माना जाता है। इस दिन मां संतोषी की पूजा का विशेष महत्व है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां संतोषी की पूजा मुख्य रूप से शुक्रवार को की जाती है। इस दिन व्रत रखने, देवी की पूजा करने और व्रत कथा पढ़ने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। आइए, जानते हैं कि मां संतोषी से जुड़ी व्रत कथा क्या है।

मां संतोषी से जुड़ी धार्मिक कथा

धार्मिक कथाओं के अनुसार, यह बहुत समय पहले की कहानी है। एक बुढ़िया के सात बच्चे थे। इनमें से छह बच्चे कमा रहे थे और एक बेरोजगार था। वह अपने छह बच्चों को बड़े प्यार से खाना खिलाती थी और उनके खा लेने के बाद उनकी थाली में से बचा हुआ खाना सातवें बच्चे को दे देती थी।

सातवें बेटे की पत्नी यह सब देखकर बहुत दुखी रहती थी। एक दिन बहू ने अपने पति से कहा कि वे आपको बचा हुआ खाना खिलाती हैं। जब पति सिरदर्द का बहाना बनाकर रसोई में लेटा और उसने खुद ही सच्चाई देख ली। यह देखकर वह परदेस जाने के लिए घर से निकल गया।

वह चलता रहा और दूर देश में आ गया। वहां एक साहूकार की दुकान थी। वह साहूकार के यहां काम करने लगा। वह वहां दिन-रात लगन से काम करने लगा। कुछ ही दिनों में उसने दुकान का सारा काम सीख लिया। लेन-देन, हिसाब-किताब, ग्राहकों को सामान बेचना। तब साहूकार ने उसे इन सभी कार्यों की जिम्मेदारी दी।

ससुराल वालों ने खूब किया तंग

पति के चले जाने के बाद ससुराल वालों ने बहू को परेशान करना शुरू कर दिया। घर का काम कराने के बाद वे उसे लकड़ियां इकट्ठा करने के लिए जंगल में भेजते थे और रोटी के आटे से जो भूसी निकलती, उसकी रोटी बनाकर रख देते और टूटे हुए नारियल के खोल में पानी देते थे। ऐसे ही दिन बीतते गए। एक दिन जब वह जंगल में लकड़ियां लेने जा रही थी, तो रास्ते में उसने बहुत सी स्त्रियों को संतोषी माता का व्रत करते हुए देखा।

वह वहीं खड़ी हो गई और पूछने लगी, बहनों तुम यह क्या कर रही हो और इसके करने से क्या लाभ है? इस व्रत को करने की विधि क्या है? तब स्त्रियों ने उसे संतोषी माता के व्रत की महिमा बताई, तब उसने भी यह व्रत करने का निश्चय किया। उसने रास्ते में लड़कियां बेचीं और उन पैसों से गुड़ और चना खरीदा और माता के व्रत की तैयारी की और व्रत रखा। रास्ते में वह संतोषी माता के मंदिर में प्रार्थना करने लगी, मां मैं एक मूर्ख हूं। मैं व्रत के नियम नहीं जानती। मेरा दुख दूर करो, मैं तुम्हारी शरण में हूं।

देवी ने प्रसन्न होकर दिया आशीर्वाद

देवी को दया आ गई। दूसरे शुक्रवार को उसके पति का पत्र आया और तीसरे शुक्रवार को उसका भेजा हुआ धन आया। तब उसने देवी से अपने पति के लिए प्रार्थना की। वह सिर्फ अपने पति को देखना और उनकी सेवा करना चाहती थी। देवी प्रसन्न हुईं और उसे आशीर्वाद देते हुए कहा कि उसका पति जल्द ही घर लौट आएगा। तब संतोषी माता ने बुढ़िया के बेटे को स्वप्न में पत्नी की याद दिलाई और घर लौट जाने को कहा।

देवी की कृपा से सातवां पुत्र अगले दिन सारा काम समाप्त करके घर के लिए चल दिया। उसकी पत्नी जंगल में लकड़ी लेने गई थी। रास्ते में वह संतोषी मां के मंदिर पर आई। तब देवी ने उसे उसके पति के आने की सूचना दी और कहा कि वह लकड़ियों का गट्ठर लेकर उसके घर जाए और तीन बार जोर से चिल्ला कर कहे, लकड़ियों का गट्ठर ले लो सासूजी, भूसी रोटी दे दो, भूसी दे दो। नारियल के खोल में पानी दे दो। आज कौन मेहमान आए हैं?

शुक्रवार व्रत में खट्टी चीजें खाना वर्जित

घर पहुंच कर उसने वैसा ही किया। पत्नी की आवाज सुनकर पति बाहर चला गया। तब मां ने कहा - बेटा, जब से तुम गए हो, वह अब काम नहीं करती, दिन में चार बार आकर खाना खाती है। वह बोला - मां, मैंने उसे भी देखा और तुम्हें भी। इसके बाद वह अपनी पत्नी के साथ दूसरे मकान में रहने लगा। शुक्रवार को पत्नी ने उद्यापन करने की इच्छा जताई और पति से अनुमति लेकर अपने जेठ के बच्चों को निमंत्रण दिया।

जेठानी को पता था कि शुक्रवार के व्रत में खट्टी चीजें खाना वर्जित है। उन्होंने अपने बच्चों को कुछ खटाई जरूर मांगना सिखाया। बच्चों ने भरपेट खीर खाई और फिर कुछ खट्टा खाने की जिद करने लगे। जब उसने मना कर दिया, तो उन्होंने अपनी चाची से पैसे मांगे और इमली खरीदकर खा ली। इससे संतोषी माता क्रोधित हो गईं और राजा के सैनिक बहू के पति को पकड़ कर ले गए।

नाराज हो गई थीं देवी संतोषी

बहू ने मंदिर में जाकर माफी मांगी और दोबारा उद्यापन करने का फैसला किया। इससे उसका पति राजा से मुक्त होकर घर लौट आया। अगले शुक्रवार को बहू ने ब्राह्मण के बेटों को भोजन पर बुलाया और दक्षिणा में पैसे देने के बजाय उनमें से प्रत्येक को एक-एक फल दिया। इससे संतोषी माता प्रसन्न हो गईं।

माता की कृपा से कुछ समय बाद उन्हें चंद्रमा के समान तेजस्वी सुंदर पुत्र प्राप्त हुआ। अपनी बहू की खुशी देखकर उसके सास-ससुर भी संतोषी माता के भक्त बन गए। इस कथा को पढ़ने के आखिर में यह भी कहना चाहिए - 'हे संतोषी मां, जो फल तुमने अपनी बहू को दिया वही सबको देना। इस कथा को पढ़ने वाले की मनोकामना पूर्ण हो।'

निर्मलाम्मा, साउथ फिल्मों की दादी, जिन्होंने किया 1000 से ज्यादा फिल्मों में काम, गोद ली थी बेटी, अब नाती भी है हीरो

बॉलीवुड की बात हो तो ऐसी कई एक्ट्रेस हैं जिन्होंने दादी का किरदार निभाकर खूब पॉपुलैरिटी हासिल की। फरीदा जलाल से लेकर जोहरा सहगल तक, ऐसी कई दिग्गज एक्ट्रेस हुईं जिन्होंने इस तरह के खास रोल में छाप छोड़ी। मगर आज बात होगी टॉलीवुड की दादी की। जिन्होंने 100-200 नहीं बल्कि 1000 फिल्मों में काम किया और खूब तरक्की हासिल की। ये कोई नहीं, बल्कि तेलुगू फिल्मों की फेमस एक्ट्रेस निर्मलम्मा हैं। जिन्होंने हजार फिल्मों से भी ज्यादा में काम किया। सबसे ज्यादा उन्होंने दादी वाले ही रोल अदा किए और इसलिए उन्हें साउथ सिनेमा की दादी भी लोग कहते हैं। निर्मलम्मा का जन्म 18 जुलाई 1920 को हुआ तो 19 फरवरी 2009 को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उन्होंने अपनी जिंदगी का सबसे लंबा वक्त सिनेमा को ही दिया है। कई दशकों तक एक्टिंग की। साथ ही प्रोड्यूसर के तौर पर भी अनुभव हासिल किया। उन्होंने (1943) से करियर की शुरुआत की। अपना करियर बतौर एक्ट्रेस ही शुरू किया और फिर कई केरेक्टर के रूप में सनसनी मचा दी। एक मां, एक भाभी, एक दादी।।। के रूप में उन्होंने अपने पात्रों पर ऐसी अमिट छाप छोड़ी है। न केवल तेलुगु में बल्कि तमिल, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ सहित कई भाषाओं में निर्मलम्मा ने काम किया। उन्होंने तो भारत की सबसे महान एक्ट्रेस के रूप में भी अपनी पहचान बनाने में कामयाबी दर्ज की। निर्मलम्मा वो शख्सियत रही हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी के आखिरी क्षण तक फिल्मों के लिए काम किया। एक्टिंग के अलावा उन्होंने एक प्रोड्यूसर के रूप में भी काम किया। उन्होंने चालाकी मोगुडु चड्डास्थप्पु पेल्लम जैसी फिल्में बनाईं, जिनमें राजेंद्र प्रसाद हीरो थे। अपने करियर में उन्होंने दो नंदी अवॉर्ड्स भी अपने नाम किए। आंध्र प्रदेश की रहने वाली निर्मलम्मा की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने प्रोडक्शन मैनेजर से शादी की थी। हालांकि, उनकी कोई संतान नहीं थी। इसलिए उन्होंने कविता नाम की एक लड़की को गोद ले लिया था। आज के समय में इनका एक नातिन भी हैं विजय मदाला, जिन्होंने पदमाता संध्यारागम नाम की फिल्म में काम किया है। निर्मलम्मा की हिंदी फिल्म की बात करें तो उन्होंने रामगोपाल वर्मा की रात फिल्म में काम किया था। ये 1992 में रिलीज हुई थी जिसमें लीड रोल में रेवती थीं।

शिल्पा शिरोडकर की बेटी की मासूमियत जीत लेगी दिल

बॉलीवुड में साल 2025 में कई स्टार किड्स लॉन्च होने वाले हैं, जबकि शाहरुख खान और सैफ अली खान के बेटे (आर्यन खान और इब्राहिम अली खान) लॉन्च हो चुके हैं। साल 2025 स्टार किड्स के नाम होने वाला है। साल की शुरुआत में ही आमिर खान के बेटे जुनैद खान का फिल्म लवयापा से थिएटर पर डेब्यू हो चुका है। श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर और ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन भी बॉलीवुड में दस्तक दे चुकी हैं। इस बीच हम आपको बताने जा रहे हैं 90 के दशक की खूबसूरत एक्ट्रेस शिल्पा शिरोडकर की बेटी के बारे में जो अब खूबसूरती में किसी एक्ट्रेस से कम नहीं हैं। शिल्पा शिरोडकर की बेटी सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव हैं।

सोशल मीडिया पर हैं एक्टिव

गोपी किशन, आंखें और बेवफा सनम जैसी सुपरहिट फिल्मों की हीरोइन शिल्पा शिरोडकर को हाल ही में सलमान खान के बीते बिग बॉस सीजन 18 में देखा गया था। शिल्पा बीते 5 साल से सिनेमा से दूर हैं। शिल्पा बॉलीवुड एक्ट्रेस नम्रता शिरोडकर (साउथ सुपरस्टार महेश बाबू की पत्नी) की बड़ी बहन हैं। शिल्पा ने 90 के दशक में कई हिट फिल्मों में काम किया है। शिल्पा ने साल 2000 में अपरेश रंजीत से शादी रचाई थी और इस शादी से उन्हें एक बेटी अनुष्का रंजीत हैं, जो सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। अनुष्का अपनी मां की तरह खूबसूरत हैं। अनुष्का इंस्टाग्राम पर नम्रता शिरोडकर और उनकी बेटी सितारा घटमनेनी भी फॉलो करती हैं।

खूबसूरती में नहीं किसी एक्ट्रेस से कम

अनुष्का अब एक्ट्रेस बनने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, हालांकि वह फिल्मों में कब आएंगी, ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। अनुष्का ने अपने इंस्टा बायो में बॉम्बे, दुबई और लंदन लिखा हुआ है। अनुष्का को इंस्टाग्राम पर 23 हजार लोग फॉलो करते हैं। वहीं, आप जब अनुष्का के इंस्टाग्राम अकाउंट पर नजर घुमाएंगे तो आपको उनकी खूबसूरत और एक से एक स्टनिंग तस्वीरें ही देखने को मिलेंगी। इंस्टाग्राम अकाउंट पर मौजूद अनुष्का की तस्वीरों को देखने से पता चलता है कि उन्हें ट्रैवलिंग का खूब शौक है। अनुष्का ने अपनी बेस्टी संग कई तस्वीरें भी पोस्ट की हुई हैं।

शिमरी साड़ी पहन नोरा फतेही ने इंटरनेट पर गिराई हुस्न की बिजलियां

अपने डांस मूव्स और बोल्ड फिगर को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहने वाली एक्ट्रेस नोरा फतेही लोगों के बी काफी पॉपुलर हैं। उन्होंने अपनी हॉटनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वो कहर बरपाती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस नोरा फतेही अपनी डांसिंग स्किल्स से फैंस को अक्सर दीवाना बना देती हैं। उनका किलर लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ट्रेडिशनल आउटफिट में कुछ बेहद खूबसूरत फोटोज शेयर की हैं।इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं नोरा फतेही ने बेहद ही खूबसूरत शिमरी लुक में साड़ी पहनी हुई है। एक्ट्रेस अपने इस लुक से इंटरनेट पर बवाल काट रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर कॉमेंट्स और लाइक्स करते हुए नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।नोरा फतेही की इन फोटोज को इंस्टाग्राम पर पोस्ट हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 3 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने तस्वीरों पर लाइक कर दिया है। वहीं, एक हजार से भी ज्यादा लोगों ने कॉमेंट किया है।खुले बाल, लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस नोरा फतेही ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से मंत्रमुग्ध हो गए हैं। उनका हर एक अंदाज सोशल मीडिया पर आते ही बवाल मचाने लगता है।नोरा फतेही सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 47 मिलियन यूजर्स फॉलो करते हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके फैशन स्टेटमेंट्स को देखकर अक्सर दीवाने हो जाते हैं।

अकेले रह जाओगे..., शादी, तलाक और परिवार पर बोलीं कंगना रनौत, बिना नाम लिए सान्या मल्होत्रा की मिसेज को कोसा

सान्या मल्होत्रा की फिल्म 'मिसेज' जी5 पर रिलीज हुई। जिसने समाज में पुरुष प्रधानता दिखाने के लिए बहुत तारीफें हासिल की। एक्ट्रेस ने फिल्म में रिचा नाम की एक नई-नई शादी हुई डांसर की कहानी बयां किया, जहां अरेंज मैरिज के साथ आने वाली मुश्किलों को दिखाया जाता है। सान्या की एक्टिंग की भी काफी तारीफ हुई तो फिल्म के सब्जेक्ट की भी। मगर अब कंगना रनौत ने इस पर रिएक्ट किया है और उन्होंने सान्या मल्होत्रा की फिल्म की आलोचना की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा है कि लोगों को भारतीय परिवारों को सामान्य दिखाना चाहिए और बुजुर्गों को खराब तरीके से पेश करना बंद करना चाहिए।

कंगना ने घर संभालने वाली औरतों की तुलना नौकरी करने वालों से करने वाले विचार को भी ख़ारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि घर चलाने और बच्चों को पालने की खुशी को जबरदस्ती के काम से नहीं जोड़ना चाहिए।

मिसेज' फिल्म का नाम लिए बिना, कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, मैंने बचपन में ऐसी औरत कभी नहीं देखी जो अपने घर में राज न चलाती हो, सबको बताती हो कि कब खाना है, कब सोना है और कब बाहर जाना है। मैंने तो औरतों को अपने पति से हर पैसे का हिसाब मांगते हुए देखा है। झगड़ा तब होता है जब वह दोस्तों के साथ बाहर जाता है शराब पीता है।'

बिना नाम लिए कंगना रनौत ने मारा ताना

वह आगे कहती हैं, 'जब भी मेरे पापा हमें बाहर खाना खिलाने ले जाना चाहते थे, तो वो डांटती थीं क्योंकि हमारे लिए खाना बनाना उनकी ख़ुशी थी। इस तरह, वो कई चीजें कंट्रोल कर सकती थीं, जिसमें खाने की सफाई और पौष्टिकता शामिल थी। घर के बड़े-बुजुर्ग उनके बच्चों के लिए दादा-दादी का काम करते थे और इमोशनली संभालते थे। घर की औरतें - दादी, मां, चाची हमारी असली रानियां हैं और हम उनके जैसा बनना चाहती हैं। हां, औरतों का अपमान हो सकता है, लेकिन हमें भारतीय परिवारों को गलत तरीके से दिखाना बंद करना चाहिए और बुजुर्गों को खराब नहीं कहना चाहिए। साथ ही, घर संभालने वाली औरतों की तुलना नौकरी करने वालों से करना बंद करें।

कंगना ने आगे कहा कि शादी का मकसद ध्यान या पहचान पाना नहीं है, बल्कि सबसे कमजोर लोगों की सेवा करना है - खासकर बुजुर्ग और छोटे बच्चे, जो दूसरों पर निर्भर होते हैं। धार्मिक ग्रंथों का उदाहरण देते हुए, उन्होंने बताया कि पहले के लोग अपने माता-पिता और बुजुर्गों की बिना सवाल किए देखभाल करते थे, बस अपने कर्तव्य निभाते हुए।

नाम कमाने की कोशिश करेंगे तो अकेले रह जाओगे

कंगना रनौत ने ताना मारते हुए ये भी कहा, बॉलीवुड की बहुत सी प्रेम कहानियों ने शादियों को गलत तरीके से दिखाया है। हमारे देश में शादियां हमेशा एक मकसद से होती थीं और वो मकसद धर्म था, जिसका मतलब कर्तव्य है। बस, अपना कर्तव्य निभाओ और आगे बढ़ो। जीवन बहुत छोटा है, अगर आप बहुत तारीफ या नाम कमाने की कोशिश करेंगे तो अकेले रह जाओगे,

तलाक का सपोर्ट करने पर भी भड़कीं

कंगना ने लोगों से तलाक का समर्थन न करने की अपील की। उन्होंने कहा, धार्मिक ग्रंथ कहते हैं कि किसी भी इंसान को किसी और शख्स से, सफलता से, पैसे से, शादी/अकेलेपन से या किसी और सांसारिक सुख से खुशी नहीं मिलती। उन्होंने कभी नहीं कहा कि ये चीजें इंसान को संतुष्ट कर सकती हैं, सच्ची खुशी भगवान से जुड़ने में है, अगर आप खुशी ढूंढ रहे हैं तो सही जगह देखो, बाकी हर जगह बस अपना कर्तव्य निभाओ, खुशी पाने की कोशिश मत करो, यकीन मानो वो वहां है ही नहीं, लेकिन छोटी सोच से शादी जैसी सामाजिक रीतियों को मत तोड़ो, हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारे परिवार हैं, तलाक का समर्थन मत करो, नई पीढ़ी को बड़े-बुजुर्गों को छोड़ने या बच्चे न पालने के लिए प्रेरित मत करो।

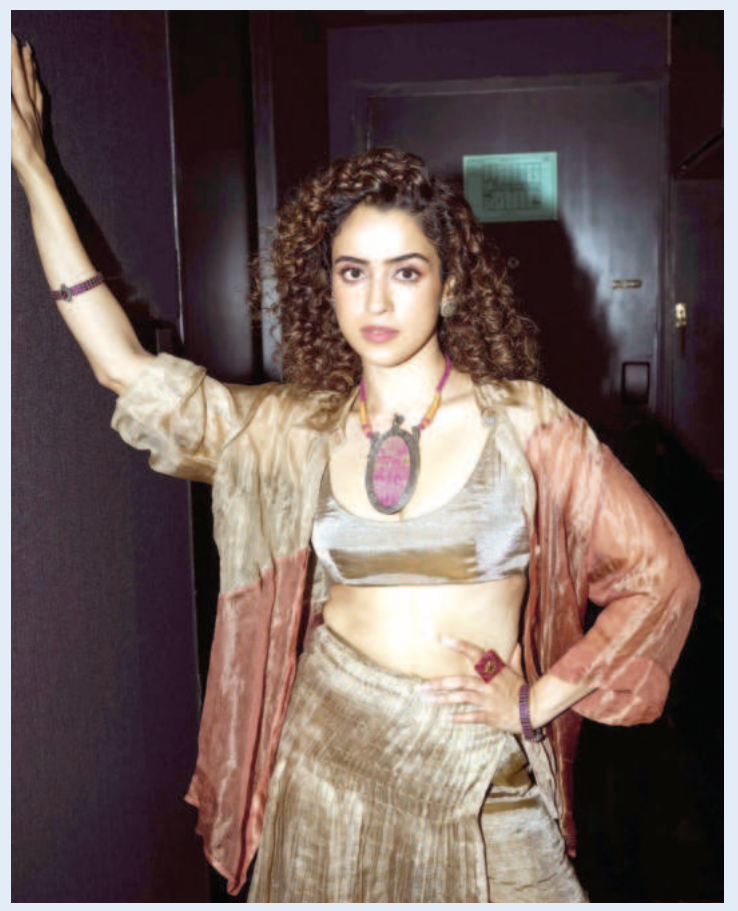

बैकलेस ब्लाउज, लाल चटक साड़ी और दिलकश अदाएं.... जलेबी बाई बनकर सान्या मल्होत्रा ने लगाए ठुमके

सान्या मल्होत्रा अपनी नई फिल्म मिसेज की सफलता के जश्न में डूबी हुई हैं। एक्ट्रेस ने एक फंक्शन में जलेबी बाई गाने पर दिलकश डांस किया। वे बैकलेस ब्लाउज और लाल चटक साड़ी में दिलकश अदाएं दिखाते हुए डांस कर रही हैं। एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर डांस के कई वीडियो शेयर किए हैं। फिल्म मिसेज में उनके रोल की काफी तारीफ हो रही है, हालांकि एक तबका उनकी आलोचना

बॉर्डर 2 से सेट से वरुण धवन-सनी देओल की नई झलक आई सामने, शूटिंग शुरू

सनी देओल एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर गदर मचाने के लिए तैयार हैं। साल 2023 में गदर 2 से सनी देओल ने बॉक्स ऑफिस हिला डाला था। अब सनी देओल अपनी 27 साल पुरानी फिल्म बॉर्डर के सीक्वल से फिर से धमाल मचाने आ रहे हैं। सनी देओल ने फिल्म बॉर्डर की शूटिंग शुरू कर दी है। बॉर्डर 2 अगले साल रिलीज होने के लिए तैयार है। वहीं, फिल्म की शूटिंग तेजी से चल रही है। सनी देओल ने झांसी में हुई फिल्म बॉर्डर 2 की शूटिंग से तस्वीरें शेयर की हैं। सनी देओल के साथ-साथ वरुण धवन भी शूटिंग सेट पर नजर आ रहे हैं।सनी देओल ने शूटिंग सेट से तस्वीर शेयर की है, उसमें सनी और वरुण टैंक पर बैठे दिख रहे हैं। वहीं, फिल्म बॉर्डर (1997) के

डायरेक्टर जेपी दत्ता की बेटी निधि दत्ता और फिल्म प्रोड्यूसर भूषण कुमार भी इस तस्वीर में शामिल हैं। बॉर्डर 2 के शूट लोकेशन से तस्वीर शेयर कर सनी देओल ने इसके कैप्शन में लिखा है, एक्शन, विरासत, देशभक्ति, झांसी के कंटोनमेंट में बॉर्डर 2 की शूटिंग पर सनी देओल, वरुण धवन, प्रोड्यूसर भूषण कुमार, निधि दत्ता, को-प्रोड्यूसर शिव चनाना, बिनोय गांधी और डायरेक्टर अनुराग सिंह, शौर्य और त्याग से लबरेज फिल्म 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी।बता दें, सनी देओल ने फिल्म गदर 2 से बॉक्स ऑफिस पर 22 साल बाद वापसी की है। गदर 2 की सक्सेस के बाद सनी देओल की झोली में फिल्में ही फिल्में हैं। सनी फिल्म सफर, लाहौर 1947 और साउथ सिनेमा डेब्यू फिल्म जाट में नजर आने वाले हैं। यह सभी फिल्मों अगले साल तक रिलीज हो जाएंगी और फिल्म जाट तो मौजूदा साल में ही रिलीज होने जा रही है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवन–साथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और ख़ुशक़िस्मती का जश्न मनाएँ। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं , काम के बाद आपके सहकर्मी आपको किसी छोटे घरेलू उत्सव पर आमंत्रित कर सकते हैं। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। जी–वनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है। हालात ठीक करने की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लें और सकारात्मक तौर पर पहल करें। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं। घर पहुंचकर आप किसी पार्क में परिवार के लोगों के साथ जाने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए , वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के चलते काम–काज की अधिकता थकावट भरी हो सकती है। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरुरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक़्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। अपने जी–वनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं– साथ ही अपने साथी को अपना नज़रिया समझाने में भी तकलीफ़ महसूस होगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है, जिसके चलते आप उदास हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार घर आ सकते हैं। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहने वाला है।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 25 फरवरी 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी दोपहर 12:50 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा रात्रि 06:32 तक
योग : व्यतिपात प्रात: 08:14 तक
करण : तैतिल दोपहर 12:50 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 06:21 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 06:27 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:30 , सूर्यास्त 06:20 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:27 , सूर्यास्त 06:13 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भौम प्रदोष व्रत

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

किसानों के सशक्तीकरण के लिए बजट में की अहम घोषणाएं : भजनलाल

जयपुर,24 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि किसान कल्याण केन्द्र सरकार की प्राथमिकता है। किसानों को अच्छा बीज, सस्ती एवं पर्याप्त खाद, सिंचाई की सुविधा, पशुओं को बीमारी में रखरखाव, आपदा के समय नुकसान से सुरक्षा के लिए तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए केन्द्र सरकार हर स्तर पर काम कर रही है। उन्हांने कहा कि हम विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए गरीब, अन्नदाता किसान, युवा शक्ति तथा महिलाओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को भागलपुर, बिहार से किसान सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बटन दबाकर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत देशभर में 9 करोड़ 80 लाख किसानों को 22 हजार करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना 6 वर्ष पहले शुरू की गई थी। अब तक 3 लाख 70 हजार करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में पहुंच चुके हैं। उन्हांने कहा कि हमारी सरकार द्वारा पीएम फसल बीमा योजना भी शुरू की गई, जिससे आपदा के समय किसानों को बीमा क्लेम वितरित किए गए। साथ ही, लखपति दीदी योजना के तहत अब तक सवा करोड़ लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि बीते दशक में दुग्ध उत्पादन भी 14 करोड़ टन से बढ़कर 24 करोड़ टन हो गया है। वर्तमान में दुग्ध उत्पादन में भारत का विश्व में प्रथम स्थान है।

भारत में बढ़ा कृषि निर्यात, किसानों को उपज की मिल रही अधिक कीमत

प्रधानमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा मछली पालकों के लिए भी पहली बार किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा शुरू की गई है। भारत में कृषि निर्यात बढ़ा है और किसानों को उनकी उपज की अधिक कीमत मिलने लगी है। उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा बने उत्पाद दुनियाभर तक पहुंचे, इसके लिए सरकार नए–नए कदम उठा रही है। केन्द्रीय बजट में भी इसी विजन को आगे बढ़ाया गया है। इस वर्ष के बजट में पीएम धन–धान्य योजना की शुरूआत की गई है। इसके तहत 100 कम फसल उत्पादन वाले जिलों में विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिससे वहां खेती को बढ़ावा मिले। श्री मोदी ने खुशी जताई कि केन्द्र सरकार द्वारा 10 हजार किसान उत्पादन संघ (एफपीओ) के लक्ष्य को प्राप्त किया जा चुका है, जिसमें 40 प्रतिशत महिलाएं हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर के राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह से वीसी के माध्यम से राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रम से जुड़े। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों–पशुपालकों के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। अन्नदाता की सेवा, उन्नति और खुशहाली को एकमात्र ध्येय मानकर राज्य सरकार ने नीतिगत निर्णय किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के किसान कल्याण और उत्थान के संकल्प को पूरा करने में हम कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।

शर्मा ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत लाभान्वित किसानों को बधाई देते हुए कहा कि योजना के तहत आज प्रदेश के 72 लाख से अधिक किसानों के खातों में 1 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि 19वीं किस्त के रूप में हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि आज का यह समारोह प्रधानमंत्री के किसानों को खुशहाल बनाने के संकल्प और समर्पण की एक मिसाल है। देश को प्रधानमंत्री की गारंटी पर पूरा भरोसा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने इस बजट में अन्नदाता को संबल देने के लिए किसान सम्मान निधि की राशि को बढ़ाकर 9 हजार रुपये करने की घोषणा की है। अब तक मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 70 लाख से अधिक किसानों को 1 हजार 355 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने लगभग 46 लाख से अधिक किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक के अल्पकालिक फसली ऋण उपलब्ध कराए हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत हमारी सरकार द्वारा योजना के तहत लगभग 3100 करोड़ रुपये के बीमा क्लेम वितरित किए जा चुके हैं।

शर्मा ने कहा कि बजट में किसानों के लिए अनेक प्रावधान किए गए हैं, ताकि किसानों की समृद्धि की राह खुल सके। बजट में करीब 34 हजार सौर संयंत्रों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता, ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई के लिए अनुदान के प्रावधान, आगामी वित्त वर्ष में 25 हजार फार्म पौंड, 10 हजार डिग्गियों, 50 हजार सौर पंप संयंत्रों तथा 20 हजार किलोमीटर सिंचाई पाइप लाइन के लिए 900 करोड़ रुपये का अनुदान के प्रावधान किए गए है। इन योजनाओं से प्रदेश के 4 लाख किसान लाभान्वित होंगे।

पेपर लीक मामले में बड़ा झटका

राजस्थान हाईकोर्ट ने आठ अभियुक्तों की जमानत याचिका खारिज

जोधपुर,24 फरवरी (एजेंसियां)।

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित वरिष्ठ अध्यापक द्वितीय श्रेणी प्रतियोगी परीक्षा 2022 के पेपर लीक मामले में राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर ने आठ अभियुक्तों की द्वितीय जमानत याचिका खारिज कर दी है।

एटीएस एवं एसओजी के एडीजी वी.के. सिंह ने बताया कि उदयपुर के बेकरिया थाना में दर्ज प्रकरण संख्या 227/2022 के तहत गिरफ़्तार इन आठ अभियुक्तों को जमानत नहीं मिली है। पुखराज विश्नोई (जालौर) – कनिष्ठ लिपिक, जिसने होटल में अभ्यर्थियों को पेपर प्रिंट आउट उपलब्ध कराया। राजीव कुमार उपाध्याय (अलीगढ़) – जयपुर में होटल बुक कर अभ्यर्थियों को पेपर उपलब्ध करवाया। गमाराम खिलेरी (जालौर) – पटवारी, इससे पहले भी कई नकल प्रकरणों में संलिप्त।

रामगोपाल मीणा (जयपुर) – आयोग के सदस्य बाबूलाल कटारा से पेपर लीक कराने वाले मुख्य अभियुक्त अनिल मीणा का सहयोगी।अनिता कुमारी मीणा (जयपुर) – एसबीआई उप प्रबंधक, पेपर लीक से अर्जित अवैध धन संपत्तियों में निवेश किया। गोपाल सिंह (अजमेर) – आयोग के अध्यक्ष का वाहन चालक, पेपर लीक मामले में संलिप्त।

विजयराज वर्मा (जालौर) – उकज (कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर), अभ्यर्थियों को लीक पेपर उपलब्ध कराया। राजीव विश्नोई (जालौर) – अध्यापक, पहले भी डख भर्ती परीक्षा 2021 के पेपर लीक में शामिल था। न्यायालय ने मामले की गंभीरता, संगठित षड्यंत्र और परीक्षाओं की निष्पक्षता को ठेस पहुंचाने को ध्यान में रखते हुए अभियुक्तों की द्वितीय जमानत याचिका खारिज कर दी।

एनआरआई महिला ने डीएसपी और यूडीए आयुक्त पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

उदयपुर,24 फरवरी (एजेंसियां)।

कुवैत में रहने वाली एनआरआई मोनिका पुरबिया ने मुख्य सचिव सुधांश पंत के समक्ष उपस्थित होकर उदयपुर के डीएसपी जितेंद्र आंचलिया और यूडीए आयुक्त राहुल जैन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस संबंध में उन्होंने लिखित शिकायत दी है। उनका कहना है कि उन्होंने 14 मार्च 2022 को उदयपुर के भुवाना क्षेत्र में संपत्ति खरीदी थी, लेकिन तब से डीएसपी आंचलिया और उनकी टीम उन पर दबाव बना रही है कि वे संपत्ति का कब्जा छोड़ दें और उसे दोबारा बेच दें।

मोनिका के अनुसार, हाल ही में यूडीए आयुक्त राहुल जैन ने माफिया तत्वों के इशारे पर उनके घर–कार्यालय को गिराने की कार्रवाई की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी भूमि रूपांतरण फाइल भ्रष्टाचार के चलते लंबित है, जबकि उन्होंने 2022 में ही आवेदन दिया था।

उनका कहना है कि उनके पति नीरज पुरबिया पिछले 33 वर्षों से कुवैत में एनआरआई हैं और वे एसीबी केस 502/2022 में डीएसपी जितेंद्र आंचलिया के खिलाफ 1.83 करोड़ रुपये के शिकायतकर्ता हैं। इसी वजह से उन्हें देश छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है और भारत में अकेले रहते हुए वे खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं।

मोनिका पुरबिया ने राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव श्री सुंधाशु पंथ से इस मामले में हस्तक्षेप करने, यूडीए आयुक्त राहुल जैन पर कार्रवाई करने और भ्रष्टाचार मुक्त तरीके से उनकी संपत्ति फाइल को आगे बढ़ाने की मांग की है।

ट्रॉमा सेंटर प्रभारी डॉ.खजोटीया के सम्मान पर हर्ष की लहर

बीकानेर,24 फरवरी (एजेंसियां)।

सड़क सुरक्षा जागरूकता और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए ट्रॉमा सेंटर प्रभारी डॉ. बी. एल. खजोटीया को राज्यपाल श्री हरिभाऊ किशनराव बागड़े द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान वेटरनरी ऑडिटोरियम में आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला के दौरान प्रदान किया गया, जो परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, जिला प्रशासन, जिला पुलिस और राजकीय ट्रॉमा सेंटर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुई।

डॉ. खजोटीया और उनकी ट्रॉमा टीम को सड़क सुरक्षा माह के दौरान जागरूकता अभियान में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और समर्पण के लिए सराहा गया। ट्रॉमा सेंटर परिवार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

डॉ. खजोटीया के नेतृत्व में ट्रॉमा सेंटर ने न केवल सड़क दुर्घटनाओं में घायल मरीजों को त्वरित और प्रभावी उपचार प्रदान किया है, बल्कि आम नागरिकों को भी स्वास्थ्य सेवाएं देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका यह सम्मान चिकित्सा क्षेत्र में समर्पित सेवाओं की पहचान और प्रेरणा का प्रतीक है।

चुनाव के दौरान विधायकों का पार्टी छोड़ना सामान्य प्रक्रिया : शैलजा

जींद,24 फरवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के जींद में कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कई मुद्दों पर विचार व्यक्त किए। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के कुछ विधायकों के पार्टी छोड़ने और विपक्ष के नेता के चुनाव को लेकर टिप्पणी की।कांग्रेस विधायकों के पार्टी छोड़कर जाने को लेकर सवाल किए जाने पर कुमारी शैलजा ने कहा कि जब भी चुनाव आता है, तो कोई पार्टी छोड़कर जाता है और कोई पार्टी में आता है। यह राजनीति का हिस्सा है और यह चलता रहता है। इसलिए इस पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। वहीं, विपक्ष के नेता के चयन को लेकर शैलजा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हाईकमान इस पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का नेता चुनने की दिशा में हाईकमान पूरी तरह से तैयार है और विपक्ष के नेता बनाने को लेकर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। बस थोड़ा समय लगेगा।कांग्रेस पार्टी के संगठन में बदलाव को लेकर पूछे गए सवाल पर शैलजा ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस पार्टी का पुनर्गठन जल्द ही हो जाएगा।

नगर निकाय चुनाव को लेकर राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह की अहम बैठक

चंडीगढ़,24 फरवरी (एजेंसियां)।

नगर निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने आज सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में बीजेपी, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप) और इनेलो के प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक के बाद राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने कहा कि चुनाव की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी राजनीतिक दलों से आदर्श आचार संहिता का पालन करने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि सभी दलों का सहयोग आवश्यक है ताकि चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

धनपत सिंह ने बताया कि बैठक में डिफेसमेंट ऑफ पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने या बिना अनुमति के विज्ञापन लगाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसी तरह,

राज्य अपराध शाखा में एक माह का योग सफलतापूर्वक सम्पन्न

235 पुलिस कर्मचारियों ने लिया भाग

पंचकूला,24 फरवरी (एजेंसियां)।

राज्य अपराध शाखा हरियाणा ने सूर्य नमस्कार अभियान के तहत सामूहिक सूर्य नमस्कार का कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य अपराध शाखा, हरियाणा की सभी यूनिट में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। हरियाणा योग आयोग व आयुष विभाग द्वारा पुलिस विभाग और विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर प्रदेशभर में इस अभियान को आरंभ किया गया था। राज्य अपराध शाखा, हरियाणा में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा 12 बार सामूहिक सूर्य नमस्कार किया गया। यह कार्यक्रम 20 जनवरी 2025 से 25 जनवरी 2025 तक राज्य अपराध शाखा की सभी इकाइयों में आयोजित किया गया। सूर्य नमस्कार में राज्य अपराध शाखा अफसरों के अलावा राज्य अपराध शाखा में कार्यरत कर्मचारियों ने भी भाग लिया। एसपी पूजा डाबला, राज्य अपराध शाखा, मुख्यालय, एसपी धारणा यादव , राज्य अपराध शाखा, गुरुग्राम के दिशा निर्देश में मुख्यालय व गुरुग्राम यूनिट में आयोजित किया गया था। इसका आयोजन मानसिक और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था, जिससे पुलिस कर्मियों को अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद मिली। राज्य अपराध शाखा हरियाणा प्रमुख एडीजीपी ममता सिंह, आईपीएस ने बताया कि प्रदेश सरकार के दिशा निर्देशों पर और हमारे पुलिस कर्मचारियों के स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। इसको करने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों में सुधार होता है और यह पुलिस अधिकारियों को मानसिक संतुलन को बनाने, तनाव कम करने और कार्यक्षमता को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुआ है। यह योग का एक अभ्यास है। सूर्य नमस्कार करने से शरीर का कार्डियोवस्कुलर सिस्टम बेहतर होता है। यह हृदय की कार्यप्रणाली को मजबूत करता है और पाचन में सुधार करता है। यह रीढ़ की हड्डी को मजबूत और लचीला बनाता है। तनाव, चिंता और अवसाद को कम करता है। यह आंतरिक शांति और भावनात्मक संतुलन लाता है। सूर्य की ऊर्जा का उपयोग करके, सूर्य नमस्कार शरीर को जीवन शक्ति प्रदान करता है और समग्र कल्याण को बढ़ावा देता है।

ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से हरियाणा का होगा तेज गति से विकास : नायब सैनी

चंडीगढ़,24 फरवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज देश और प्रदेश की जनता का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी नीतियों पर विश्वास बढ़ा है और इसी के चलते केंद्र व हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। सरकार लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए पारदर्शिता के साथ कार्य कर रही है और अब प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से तीन गुना तेज गति से विकास कार्य करवाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार बनते ही घोषणा पत्र के अनुरूप बिना खर्ची –बिना पर्ची के आधार पर चयनित हुए 25000 युवाओं को नौकरी जॉइन करवाने का काम किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने गौरवशाली विकास के 100 दिनों के भीतर संकल्प पत्र के अनुरूप प्रदेश में किडनी पेशेंट को मुफ्त डायलिसिस की सुविधा दी है। इसी प्रकार हर घर–हर गृहणी योजना के तहत एक लाख 80 हजार रुपए से कम आय वाले घरों में महिलाओं को 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है, जिससे करीब 15 लाख परिवार लाभान्वित हुए हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि पात्र परिवारों को इस योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि सरकार ने लंबे समय से जमीन पर कास्त करने वाले मालिकाना हक से वंचित किसानों को जमीन का मालिकाना हक देने का निर्णय लिया है। इसी प्रकार, पंचायती भूमि पर 20 साल से अधिकसमय से लोगों ने मकान बनाए हुए हैं, उनको भी मालिकाना हक देने का निर्णय लिया है, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिली है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है, जहां सभी फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही हैं। सरकार ने आढ़तियों द्वारा कमीशन बढ़ाने की मांग पर गौर करते हुए 40 रुपए से 55 रुपए प्रति क्विंटल कमीशन करने का काम किया, जिसके तहत 309 करोड़ रुपए उनके खाते में पहुंचाएं हैं। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत गरीब एवं पात्र परिवारों के घरों पर 2 किलो वाट तक सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। प्रदेश में 12,500 से अधिक परिवारों के घरों पर 2 किलो वाट के सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं। इस योजना के तहत केंद्र सरकार की ओर से 80 हजार रुपये सब्सिडी तथा शेष राशि हरियाणा सरकार द्वारा दी जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने मातृ भाषी सत्याग्रहियों की पेंशन को 15000 रुपए से बढ़कर 20000 रुपये करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि गरीब परिवार को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो, इसी के चलते प्रदेश में सुगम परिवहन के लिए हैप्पी कार्ड योजना लागू की गई है, जिन परिवारों की सालाना आय 1 लाख रुपए तक या इससे कम है, उन परिवारों के हैप्पी कार्ड बनाए जा रहे हैं। प्रदेश में 30 से 35 लाख लोगों को हैप्पी कार्ड वितरित किए जा चुके हैं, जिसके तहत हैप्पी कार्ड धारक हरियाणा परिवहन की बसों में 1 साल में 1000 किलोमीटर की यात्रा फ्री कर सकता है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों की आस्था के चलते ही सरकार ने मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना शुरू की है सरकार ने सरकारी बसों के माध्यम से इच्छा अनुसार लोगों को बसों में फ्री अयोध्या भेजने का काम किया था। इसी प्रकार से सरकार द्वारा कुंभ में भी हर एक जिले से बसें भेजी गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश के चौमुखी विकास के लिए समर्पित है। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री अरविंद शर्मा, राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा,पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य उपस्थित थे।

गुदरी बाजार गोलीकांड के विरोध में व्यापारियों ने जमकर किया हंगामा

बाजार बंद कर सड़क पर की आगजनी

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली जिले के नगर थाना क्षेत्र स्थित हथसारगंज की निषाद गली में रविवार रात एक व्यापारी को बाइक सवार अपराधियों ने गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

इस घटना के बाद से इलाके में आक्रोश फैल गया। घायल व्यापारी का इलाज पटना के एक अस्पताल में चल रहा है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना से नाराज गुदरी बाजार के व्यापारियों ने सोमवार सुबह अपनी दुकानें बंद कर दीं और विरोध में सड़क पर आगजनी करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी

की मांग की।

तेल और डालडा के होलसेल विक्रेता पर हुए हमले से व्यापारी वर्ग में भय और गुस्सा दोनों देखने को मिला। सोमवार सुबह से ही गुदरी बाजार के व्यापारी अपनी दुकानों को बंद कर सड़क पर उतर आए। उन्होंने मुख्य मार्ग को अवरुद्ध कर दिया और टायर जलाकर विरोध जताया। इस दौरान पुलिस के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। व्यापारियों का कहना था कि क्षेत्र में लगातार अपराधियों के खिलाफ आपराधिक घटनाएं हो रही हैं, लेकिन पुलिस अपराधियों को पकड़ने में नाकाम रही है। उन्होंने मांग की कि जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए और बाजार में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए।

घटना के तुरंत बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। नगर थाना पुलिस ने अज्ञात एफआईआर दर्ज कर ली है और लगातार छापामारी कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गुदरी बाजार में हो रहे हंगामे और जाम की सूचना पर नगर थाना अध्यक्ष सुनील कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित व्यापारियों को समझाने की कोशिश की और भरोसा दिलाया कि 48 घंटे के भीतर अपराधियों को पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि बाजार में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाएगी और दुकान बंद होने के समय पुलिस बाइक गश्ती बढ़ाएगी। थाना अध्यक्ष के आश्वासन के बाद व्यापारियों ने प्रदर्शन खत्म कर दिया और सड़क जाम हटाया।

हालांकि पुलिस ने जल्द कार्रवाई का भरोसा दिलाया है, लेकिन व्यापारी अब भी डरे हुए हैं। उनका कहना है कि जब तक अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होती और बाजार में नियमित पुलिस गश्ती नहीं बढ़ती, तब तक वे असुरक्षित महसूस करेंगे। स्थानीय लोग और व्यापारी पुलिस प्रशासन से यह सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं कि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों और बाजार में सुरक्षित माहौल बना रहे।

इसीआई ने बुलाई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों की दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस

पटना(एजेंसियां)।

भारत निर्वाचन आयोग ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह सम्मेलन चार और पांच मार्च 2025 को इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट नई दिल्ली में आयोजित होगा।

यह पहला मौका होगा जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में इस तरह की बैठक आयोजित की जा रही है। इस बार सम्मेलन की विशेषता यह है कि पहली बार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को एक जिला निर्वाचन अधिकारी और एक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को नामांकित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि वे भी इस उच्च स्तरीय विचार-विमर्श में भाग ले सकें।

यह दो दिवसीय सम्मेलन चुनावी प्रबंधन को अधिक आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए विचार-मंथन का एक मंच प्रदान करेगा। इसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के चुनाव अधिकारी एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने और सर्वश्रेष्ठ चुनावी प्रक्रियाओं को साझा करने का अवसर प्राप्त करेंगे।

सम्मेलन के पहले दिन चुनावी प्रक्रिया में आईटी आर्किटेक्चर, प्रभावी संचार, सोशल मीडिया की भूमिका और विभिन्न चुनावी अधिकारियों की वैधानिक जिम्मेदारियों पर गहन चर्चा होगी। चुनाव प्रक्रिया में तकनीकी नव-ाचारों और डिजिटल मीडिया के प्रभाव को अधिक प्रभावी बनाने पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

सम्मेलन के दूसरे दिन, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारी पहले दिन की चर्चाओं के आधार पर अपने-अपने राज्य का कार्ययोजना प्रस्तुत करेंगे। यह योजना चुनाव प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और सुचारू रूप से संचालित करने पर केंद्रित होगी।

चुनाव आयोग का यह सम्मेलन भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह चुनावी अधिकारियों को नवीनतम तकनीकों और रणनीतियों के साथ खुद को अपडेट करने और चुनावी प्रक्रिया को अधिक विश्वसनीय और प्रभावी बनाने का अवसर प्रदान करेगा। यह जानकारी भारत निर्वाचन आयोग के उप निदेशक पी. पवन ने दी।

महाकुंभ स्नान के लिए प्रयागराज गए परिवार के घर में बड़ी चोरी

लाखों के गहने और नकदी पर हाथ साफ

मधेपुरा (एजेंसियां)।

मधेपुरा में महाकुंभ स्नान के लिए प्रयागराज गए एक परिवार के घर को चोरों ने निशाना बनाकर बड़ी चोरी को अंजाम दिया। घटना मधेपुरा सदर थाना क्षेत्र के गुलजारबाग मोहल्ले वार्ड-20 की है। जहां 11 फरवरी को परिवार के जाने के बाद चोरों ने सुनियोजित तरीके से घर को खंगाल डाला। 23 फरवरी की रात जब परिवार वापस लौटा, तो घर का ताला टूटा मिला और अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोर करीब पांच लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के गहने और 70 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई।

पीड़ित किरण देवी ने बताया कि चोरों ने उनके घर के दोनों ताले तोड़कर भीतर प्रवेश किया। फिर अलमारी को तोड़कर गहने और नकदी उड़ा ले गए। उन्होंने कहा कि घर का एक-एक सामान अस्त-व्यस्त था, जिससे साफ था कि यह वारदात पूरी योजना के तहत की गई थी। किरण देवी ने बताया कि उनकी बेटी को स्नातक प्रोत्साहन योजना के तहत मिले 50 हजार रुपये भी चोर ले गए।

घटना के बाद स्थानीय वार्ड पार्षद प्रतिनिधि रामचंद्र कुमार ने नगर परिषद की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में करोड़ों रुपये की लागत से सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, लेकिन ये काम नहीं कर रहे। अगर ये कैमरे सक्रिय होते, तो चोरों की पहचान करना आसान होता। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से मजबूत किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

घटना की जानकारी मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। सदर थानाध्यक्ष विमलेंदु कुमार ने बताया कि जांच जारी है, लेकिन अभी तक पीड़ित परिवार ने लिखित आवेदन नहीं दिया है। आवेदन मिलते ही आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

राजद नेता बीमा भारती पर सौतन ने लगाया हत्या और चोरी करवाने की साजिश रचने का आरोप

पूर्णिया (एजेंसियां)।

राजद की प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक बीमा भारती पर उनके पति अवधेश मंडल की दूसरी पत्नी गुड़िया मंडल ने गंभीर आरोप लगाए हैं। गुड़िया मंडल ने बीमा भारती और उनके भाई अशोक मंडल पर अपनी हत्या की साजिश रचने और घर में चोरी करवाने का आरोप लगाया है। इस मामले को लेकर उन्होंने भवानीपुर थाना में शिकायत दर्ज कराई है। दूसरी ओर, बीमा भारती के भाई अशोक मंडल ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए गुड़िया मंडल को मानसिक रूप से अस्वस्थ करार दिया है।

गुड़िया मंडल ने आरोप लगाया कि 21 फरवरी की रात उनके भवानीपुर स्थित घर में लाखों रुपये की चोरी हुई थी। चोरी हुए

सामानों में अष्टधातु की मूर्ति, सोने-चांदी के गहने, कपड़े, कंबल और अन्य कीमती सामान शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि यह चोरी एक सुनियोजित साजिश थी, जिसे बीमा भारती और उनके भाई अशोक मंडल ने अंजाम दिलवाया। गुड़िया मंडल के अनुसार, घर में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी गायब था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सबूतों को मिटाने के लिए यह कदम उठाया गया। उन्होंने कहा कि घटना वाली रात संयोग से वह अपने मायके गई हुई थीं, जबकि उनके निजी हाउस गार्ड भी घर पर नहीं थे।

गुड़िया मंडल ने आरोप लगाया कि बदमाशों को उनके घर में चोरी के बहाने उनकी हत्या के इरादे से भेजा गया था। लेकिन वह घर पर नहीं थीं, इसलिए बदमाश चोरी करके चले गए। उन्होंने कहा कि अगर उस समय वह घर में मौजूद होतीं, तो शायद उनकी हत्या कर दी जाती। उन्होंने यह भी दावा किया कि जब वह चोरी की शिकायत लेकर अगले दिन भवानीपुर थाना पहुंचीं, तो बीमा भारती ने वहां आकर उनका आवेदन छीनकर फाड़ दिया। इसके बाद उन्होंने बनावटी आवेदन तैयार कर पड़ोसी को झूठे केस में फंसाने की कोशिश की।

गुड़िया मंडल ने यह भी आरोप लगाया कि उनके पति अवधेश मंडल पिछले छह महीनों से जेल में बंद हैं, लेकिन बीमा भारती सिर्फ एक बार उनसे मिलने गई हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक अपने पति की कोई खबर नहीं लेतीं और अब उनकी हत्या की साजिश रच रही हैं।

वहीं, इस मामले पर बीमा भारती के भाई अशोक मंडल ने इन आरोपों को पूरी तरह से गलत बताया। उन्होंने गुड़िया मंडल को 'मेंटल लेडी' करार दिया। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा लगाए गए आरोपों का कोई आधार नहीं है।

गुड़िया मंडल की शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। भवानीपुर थाना पुलिस ने कहा कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और जल्द ही सच्चाई सामने आ जाएगी। वहीं, इस मामले के चलते राजनीतिक हलकों में भी हलचल मच गई है, क्योंकि बीमा भारती राजद की एक प्रमुख नेता हैं और पहले भी कई बार विवादों में रह चुकी हैं।

बेकाबू कार की टक्कर से सड़क पर टहल रहे व्यक्ति की मौत, गांव में मातम

छपरा (एजेंसियां)।

छपरा के सूलपुर थाना क्षेत्र के लाकठ छपरा गांव में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 50 वर्षीय अरविंद कुमार सिंह उर्फ भुवर सिंह की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब वह रात के समय खाना खाने के बाद अपने घर के बाहर सड़क पर टहल रहे थे। तभी शराब के नशे में धुत एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

भुवर सिंह की पहचान गांव में पंचायत समिति सदस्य कामिनी देवी के प्रतिनिधि के रूप में थी। उनकी सामाजिक सक्रियता के

कारण गांव में उन्हें काफी सम्मान प्राप्त था। उनकी असामयिक मौत से गांव सहित पूरे पंचायत में शोक की लहर दौड़ गई है।

बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने उन्हें तुरंत इलाज के लिए एकमा अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सिर और कमर पर आई गंभीर चोटों के कारण उनकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी।

घटना की सूचना मिलते ही रसूलपुर थानाध्यक्ष प्रभात कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। बेकाबू स्कॉर्पियो को पुलिस ने जब्त कर लिया, लेकिन चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों के बयान और लिखित आवेदन के आधार पर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापामारी कर रही है।

इस दुर्घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। बताया जा रहा है कि भुवर सिंह की तीनों बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि उनका इकलौता बेटा अमन कुमार सिंह दुबई में कार्यरत है। पत्नी और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने स्कॉर्पियो चालक को जल्द गिरफ्तार करने और मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग की है।

फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया है। पूरे गांव में इस हादसे से मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। स्थानीय लोग सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की मांग कर रहे हैं ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

तेज रफ्तार का कहर! ई-रिक्शा-ट्रक की भीषण टक्कर में दो लोगों की मौत

एक गंभीर, विरोध में सड़क जाम

पटना (एजेंसियां)।

राजधानी पटना में तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर देखने को मिला, जब बिहटा-सरमेरा पथ पर शुक्रवार को एक ट्रक और ई-रिक्शा के बीच भीषण टक्कर हो गई।

इस दर्दनाक हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में एक किशोर भी शामिल है।घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन

किया। इस कारण घंटों तक यातायात बाधित रहा। सूचना मिलते ही पुनपुन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।मसौढ़ी डीएसपी कन्हैया सिंह ने बताया कि ट्रक पूर्व दिशा से आ रहा था, जबकि ई-रिक्शा पश्चिम दिशा से जा रहा था। अचानक दोनों के बीच टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि हादसे में मोहनपुर निवासी अवकाश कुमार की मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल व्यक्ति का इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, जबकि पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार ट्रक चालक की तलाश में जुट गई है।

पीएम ने की घोषणा, विक्रमशिला केंद्रीय विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य में हो तेजी

भागलपुर(एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज भागलपुर पहुंचे, जहां उन्होंने विक्रमशिला केंद्रीय विश्वविद्यालय के निर्माण में तेजी लाने की घोषणा की। यह घोषणा होते ही कहलगांव के लोग, जनप्रतिनिधि और अंतीचक के ग्रामीण एवं किसान उत्साहित हैं।

उन्होंने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यह बहुप्रतीक्षित सपना अब साकार होने की ओर अग्रसर है। सभी की इच्छा है कि केंद्रीय विश्वविद्यालय का निर्माण जल्द पूरा हो, जिससे इस क्षेत्र का चहुंमुखी विकास संभव हो सकेगा और विक्रमशिला का प्राचीन गौरव पुनर्स्थापित हो पाएगा।

अंतीचक की मुखिया ललिता देवी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय निर्माण में तेजी लाने के निर्देश देना एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने बताया कि अंतीचक के किसान अपनी जमीन देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इसको लेकर किसी भी तरह के विवाद की स्थिति नहीं है। हालांकि, सरकार से किसानों की कुछ जायज मांगें हैं, जिन्हें पूरा किया जाना

चाहिए।

विक्रमशिला नागरिक समिति ने किया स्वागत विक्रमशिला नागरिक समिति के संयोजक डॉ. एन. के. जायसवाल ने भी प्रधानमंत्री की घोषणा का तहे दिल से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि अब जिला प्रशासन को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। स्थानीय लोग भूमि देने के लिए तत्पर हैं, हालांकि किसानों की मांगें भी जायज हैं। उन्होंने अपील की कि किसान उदारता दिखाएं ताकि निर्माण कार्य जल्द शुरू हो सके।

अंतीचक में प्रस्तावित विक्रमशिला केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए चयनित भूमि स्थल का सर्वेक्षण पटना स्थित ए.एन. सिन्हा संस्थान को सौंपा गया था। इस संस्थान की दो सदस्यीय टीम ने आर्थिक एवं सामाजिक अंकेक्षण का सर्वेक्षण पूरा कर भागलपुर के जिलाधिकारी को रिपोर्ट सौंप दी है। रिपोर्ट के आकलन के बाद भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। किसानों और स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के पूरा होने से शिक्षा और विकास की नई संभावनाएं खुलेंगी। स्थानीय लोगों को रोजगार सृजन उपलब्ध होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com